शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 22 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-171

वाशिंगटन का दलाल यूनुस दे रहा साजिश को अंतिम रूप

सत्ता के बदले अमेरिका को देगा सेंट मार्टिन द्वीप

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रमुख मुहम्मद यूनुस रणनीतिक रूप से अति महत्वपूर्ण सेंट मार्टिन द्वीप को संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंपने की योजना को अंतिम रूप दे रहा है, जिसके लिए अमेरिका लंबे अर्से से

यूनुस बनेगा राष्ट्रपति व तारिक बनेगा प्रधानमंत्री

डीपी वर्ल्ड को पट्टे पर दे रहा चटगांव का बंदरगाह

कुचक्र रच रहा है। इसके साथ ही बांग्लादेश के महत्वपूर्ण चटगांव बंदरगाह को अमेरिकी डीप स्टेट की पिट्ठू कंपनी डीपी वर्ल्ड को पट्टे पर दिया जाने वाला है। यह पट्टा म्यांमार के अराकान राज्य के माध्यम से एक गलियारे के लिए आधार तैयार करेगा, जो न केवल नेपीडॉ में सैन्य जुंटा को गिराकर क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व को चुनौती देगा, बल्कि अमेरिका को म्यांमार के दुर्लभ पृथ्वी खनिजों और ऊर्जा संसाधनों के समृद्ध भंडार तक बेरोकटोक पहुंच का रास्ता भी खोल देगा। यूनुस अमेरिका को लालमोनिरहाट में एक एयरबेस देने और बांग्लादेश आयुध कारखाने का नियंत्रण पाकिस्तानी या तुर्की मध्यस्थों को सौंपने की तैयारी कर रहा है। यह ऐसा कदम होगा जो भारत के लिए गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा करेगा। इससे भी अधिक परेशान करने वाली बात यह है कि यूनुस के

इस फैसले से बांग्लादेश का पतन अब सुनिश्चित हो गया है।

इस खतरनाक साजिश के केंद्र में यूनुस सरकार के भीतर बैठा खलीलुर रहमान है, जो अमेरिकी नागरिक है लेकिन उसे यूनुस का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया गया है। खलीलुर रहमान चीन और पाकिस्तान की यात्रा पर

शुभ-लाभ चिंता

जाने वाला है। उसका मिशन अराकान कॉरिडोर के निहितार्थों के बारे में चीन को गुमराह करना और पाकिस्तान प्रेरित गुप्त योजनाओं पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक के साथ विचार-विमर्श करना है। दूसरी तरफ बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमान इस महीने के अंत में चीन का दौरा करने वाले हैं। यूनुस शासन जुलाई-चार्टर की घोषणा करके जनरल वकार उज जमान की अनुपस्थिति का फायदा उठाने की फिराक में है। यानि, सेना प्रमुख के चीन रवाना होते ही बांग्लादेश का 1972 का संविधान रद्द कर दिया जाएगा और मौजूदा अंतरिम सरकार को क्रांतिकारी सरकार में बदल दिया जाएगा। इस फार्मूले के तहत राष्ट्रपति मुहम्मद शहाबुद्दीन चुप्पू को पद से हटा दिया जाएगा और

चटगांव से अराकान तक यूएस बनाएगा कॉरिडोर

सेना प्रमुख व राष्ट्रपति को बंदी बनाने की तैयारी

संभवना है कि चुप्पू को गिरफ्तार किया जाएगा। जनरल वकार उज जमान और अन्य शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर मानवता के खिलाफ अपराध करने और पिछली अवामी लीग सरकार के साथ सहयोग करने का आरोप लगाया जाएगा। यूनुस ने लंदन में तारिक रहमान के साथ हुई गुप्त बैठक में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को अपने साथ मिला लिया है। बैठक के दौरान, यूनुस ने सत्ता साझा करने के समझौते के बदले में अराकान कॉरिडोर, चटगांव बंदरगाह को पट्टे पर देने, लालमोनिरहाट एयरबेस और सेंट मार्टिन द्वीप को स्थानांतरित करने के लिए समर्थन हासिल किया। बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के साथ हुए गुप्त समझौते के ▶10पर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारत समेत विश्व में दिखी योग-शक्ति

आंतरिक एवं विश्व शांति का स्रोत बनेगा योग: मोदी

विशाखापत्तनम, 21 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंध्र प्रदेश में योग दिवस समारोह में शरीक हुए। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, योग लोगों को विश्व के साथ एकता की यात्रा पर ले जाता है। दुनिया भर में तनाव की स्थिति बनी हुई है। योग ही आंतरिक और विश्व शांति का स्रोत बन सकता है। मेरा विश्व से अनुरोध है कि इस योग दिवस को मानवता के लिए योग के दूसरे सत्र की शुरुआत मानें, जहां आंतरिक शांति वैश्विक नीति बन जाए। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आंध्र प्रदेश के बंदरगाह शहर विशाखा-पत्तनम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन लाख से अधिक लोगों के साथ योग किया। पीएम मोदी सर्व कल्याण की भावना व्यक्त करते हुए कहा, सर्वे भवंतु सुखिनः। पीएम मोदी ने कहा, योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ को वैश्विक

3.19 लाख लोगों के साथ पीएम मोदी ने किया योग

विशाखापत्तनम से भोगापुरम तक बना था कॉरिडोर

आंध्र और गुजरात का योग में गिनीज बुक में दर्ज

संकल्प बनाने की जरूरत है। आइए हम सब मिलकर योग को एक जन आंदोलन बनाएं। योग दिवस समारोह में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवण कल्याण ने भी हिस्सा लिया।

पीएम मोदी ने कहा, योग सीमाओं, पृष्ठभूमि, उम्र या शारीरिक क्षमता से परे सभी के लिए है। यह एक ऐसा उपहार है जो मानवता को स्वास्थ्य, सद्भाव और चेतना में जोड़ता है। मुझे खुशी है कि हम विशाखापत्तनम में एकत्रित हुए हैं, एक ऐसा शहर जो प्रकृति और प्रगति का खूबसूरती से मिश्रण करता है।

मैं चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण को अपने प्रेरक नेतृत्व में इस तरह के शानदार कार्यक्रम की मेजबानी के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। आंध्र प्रदेश ने योग को बढ़ावा देने के लिए यह सार्थक पहल की है। हम सब मिलकर योग को एक जन आंदोलन बनाएं। एक ऐसा आंदोलन, जो विश्व को शांति, स्वास्थ्य और समरसता की ओर ले जाए। जहां हर व्यक्ति दिन की शुरुआत योग से करे और जीवन में संतुलन पाए। ▶10पर

सरमा के रहस्योद्घाटन से राजनीति में आया संवेदनशील मोड़

मुस्लिम देशों के सोशल मीडिया से कांग्रेस का प्रचार

गुवाहाटी, 21 जून (एजेंसियां)।

कांग्रेस प्रचार में सक्रिय 47 मुस्लिम देशों का सोशल मीडिया

गोगोई दम्पति के पाक एजेंट होने की क्यों नहीं हो रही जांच

असम की राजनीति में अप्रत्याशित और अजीबोगरीब मोड़ आ गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के दावे ने न केवल राज्य की राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ा दी हैं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता को भी काफी गहरा कर दिया है। मुख्यमंत्री सरमा ने आरोप लगाया है कि असम कांग्रेस के समर्थन में अचानक 5,000 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट्स सक्रिय हो गए हैं जिनमें से अधिकांश इस्लामी देशों से ऑपरेट हो रहे हैं। विडंबना यह भी है कि असम के सीएम लगातार गौरव गोगोई और उसकी पत्नी के पाकिस्तानी लिंक को उजागर कर रहे हैं, लेकिन भारत सरकार इसकी जांच कराने से हिचक रही है। भारतीय राजनीति के स्खलित चरित्र का यह सटीक उदाहरण है। मोदी सरकार भी परोक्ष रूप से कांग्रेस के देशद्रोही नेताओं को बचाने का ही काम करती है, ताकि सियासत की दुकान चलती रहे। मुख्यमंत्री ने हिमंत बिस्व सरमा ने दावा किया है कि ये सोशल मीडिया अकाउंट्स 47 विभिन्न देशों से संचालित हो रहे हैं, जिनमें बांग्लादेश और पाकिस्तान से सबसे ज्यादा अकाउंट्स हैं। ये अकाउंट्स पिछले एक महीने से असम कांग्रेस की गतिविधियों और एक विशेष कांग्रेस नेता पर केंद्रित हैं। उन्होंने इसे एक सामान्य चुनावी रणनीति मानने से इन्कार करते हुए इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बताया है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इन अकाउंट्स का मकसद 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले असम के राजनीतिक माहौल को प्रभावित करना है। यह पहली बार है कि असम की सियासत में इतने बड़े पैमाने पर विदेशी हस्तक्षेप देखा गया है। यह सिर्फ राजनीति का मामला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। मुख्यमंत्री सरमा ने बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस बुला कर यह खुलासा किया कि ये अकाउंट्स न तो राहुल गांधी की पोस्ट्स पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और न ▶10पर

बूथ का वीडियो जारी करने की मांग का परिपक्व जवाब

वीडियो जारी होने से वोटर पर खतरा हो सकता है

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)।

मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करने की मांग पर चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को करारा जवाब दिया है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करना मतदाताओं की निजता और सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलता का उल्लंघन है। चुनाव आयोग ने कहा कि इस तरह की मांग मतदाताओं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की हिफाजत के बजाय बिल्कुल विपरीत उद्देश्य को प्राप्त करने के इरादे से हो रही है।

चुनाव आयोग ने कहा कि इस तरह की मांग वास्तव में मतदाताओं की निजता और सुरक्षा पर गहरे संकट खड़े करेगी। यह मांग जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951 में निर्धारित कानूनी स्थिति और शीर्ष कोर्ट के निर्देशों के पूरी तरह विपरीत है। आयोग ने कहा कि फुटेज को साझा करने से मतदाता असामाजिक तत्वों के निशाने पर आ सकते हैं। इससे किसी भी समूह या व्यक्ति की ओर से मतदाताओं की पहचान करना आसान हो जाएगा। उदाहरण के तौर पर आयोग ने कहा कि यदि किसी विशेष राजनीतिक ▶10पर

ऑपरेशन सिंधु के जरिए ईरान से लौटे लोग

भारत पहुंचते ही लगाए वंदे मातरम् के नारे

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)।

दिल्ली एयरपोर्ट पर भावुक कर देने वाला दृश्य देखने को मिला, जब ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से 290 भारतीय सुरक्षित स्वदेश लौटे। किसी ने धरती को छूकर नमन किया तो किसी की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। वंदे मातरम् और भारत माता की जय के नारों से माहौल गूंज उठा। अपनों से मिलकर लोगों ने राहत की सांस ली और भारत सरकार को दिल से धन्यवाद दिया। इजराइल और ईरान में बढ़ते तनाव ने खतरनाक युद्ध का रूप ले लिया है। दोनों देश लगातार से एक दूसरे पर हमला कर रहे है। स्थिति खराब होती देख भारत सरकार ने ईरान और इजराइल में फंसे लोगों की वापसी के लिए ऑपरेशन सिंधु चलाया। ईरान से भारत लौटी एलिया बतूल, जब अपने परिवार से मिलीं तो उनकी आखें नम थीं। उन्होंने कहा, मेरा परिवार बहुत परेशान था। यहां आकर हमें सुकून मिला। भारत सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद। हमें वहां कोई भी समस्या नहीं हुई क्योंकि हमारे दूतावास ने हमारा बहुत साथ दिया। भारत वापस लौटे सैयद मंसूर हुसैन ने कहा, हम ▶10पर

मोदी कार्यकाल में घोटाले थमे तो स्विस बैंकों में जमा धन घटा

10 साल में आई 18% की कमी, 1000 करोड़ से अधिक का फर्क

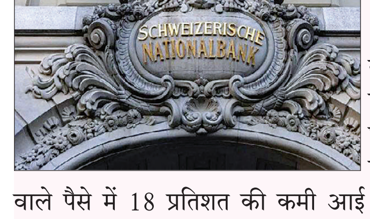

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में घोटाले थमे तो स्विस बैंकों में जमा धन भी घटा। पिछले 10 साल में स्विस बैंकों में जमा होने वाले पैसे में 18 प्रतिशत की कमी आई है। रुपए में देखें तो हजार करोड़ से भी अधिक का फर्क आया है।

स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) की ताजा रिपोर्ट कहती है कि पिछले एक दशक में भारतीयों के स्विस बैंकों में जमा पैसे में 18 फीसदी से अधिक की कमी आई है। 2015 में भारतीयों के जमा 425 मिलियन स्विस फ्रैंक (4510 करोड़ रुपए) थे, जो 2024 में घटकर 346 मिलियन स्विस फ्रैंक (3459 करोड़ रुपए) रह गए। जबकि 2023 में यह राशि 309 मिलियन स्विस फ्रैंक थी, और 2024 में इसमें 37 मिलियन स्विस फ्रैंक की बढ़ोतरी हुई थी। फिर भी कुल मिलाकर दस साल में गिरावट का रुझान साफ दिखता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोविड-19 के दौरान 2021 में भारतीयों के जमा धन में तेज उछाल आया था, जब यह राशि 602 मिलियन स्विस फ्रैंक (6389 करोड़ रुपए) के 10 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंची थी। ▶10पर

पुलिस के साथ जांच में पूरा सहयोग करेंगे : बंडी संजय

तेलंगाना फोन टैपिंग मामले में गवाही देंगे केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद, 21 जून (एजेंसियां)।

तेलंगाना फोन टैपिंग मामले में केंद्रीय राज्य मंत्री बंडी संजय बतौर गवाह पुलिस के सामने पेश होंगे। तेलंगाना की पिछली बीआरएस सरकार में प्रमुख लोगों के फोन टैप करने के आरोप लगे थे, जिसकी जांच चल रही है। इसी मामले में बंडी संजय को भी गवाही के लिए बुलाया गया है। पुलिस ने केंद्रीय राज्य मंत्री से उनके बयान दर्ज करने के लिए समय मांगा है। जल्द ही बंडी संजय बयान दर्ज कराने के लिए समय देंगे। शनिवार को करीमनगर में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री बंडी संजय ने कहा कि वे पुलिस के साथ जांच में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की भी मांग की। साथ ही कहा कि मौजूदा सीएम रेवंत रेड्डी जब विपक्ष में थे तो उन्होंने भी फोन टैपिंग मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की थी। बंडी संजय ने बताया कि बीआरएस सरकार के समय उन्होंने ही सबसे पहले फोन टैपिंग के आरोप लगाए थे, जिसके लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताया। बंडी संजय उस वक्त तेलंगाना ▶10पर

जीतो बेंगलूरु साउथ ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मनाया योग संगम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु साउथ, महिला विंग और योगट्यूट के सहयोग से, योग संगम - अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। यह आयोजन श्री भगवान महावीर जैन कॉलेज, डायगोनल रोड, वीवी पुरम में हुआ, जो इस आयोजन के लिए वेन्यू पार्टनर भी था। योग एक समग्र अभ्यास है जो शरीर, मन और आत्मा को एकजुट करता है, शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देता है। नियमित अभ्यास तनाव को कम कर सकता है, लचीलापन में सुधार कर सकता है और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ा सकता है, जिससे जीवन अधिक संतुलित और सामंजस्यपूर्ण हो सकता है। योग को अपने जीवनशैली में शामिल करके, आप कई लाभों का अनुभव कर सकते हैं, जिनमें शारीरिक लचीलापन और शक्ति में सुधार, मानसिक स्पष्टता और

एकाग्रता में वृद्धि, तनाव और चिंता में कमी, नींद की गुणवत्ता में सुधार, आत्म-जागरूकता और आत्म-स्वीकृति में वृद्धि और एक स्वस्थ और अधिक संतुलित जीवनशैली शामिल हैं। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई। जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सभी प्रतिभागियों का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर स्वागत किया, जो 100 से अधिक देशों में मनाया जाता है। भारत में योग का हजारों वर्षों से अभ्यास किया जा रहा है, और दुनिया अब स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के लिए इस पथ का अनुसरण कर रही है। प्रसिद्ध योग गुरु, सुशमा भारती, योगट्यूट हेल्थ की निदेशक ने योग सत्र का नेतृत्व किया, जिसका विषय एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य था। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योग आसनों के साथ प्रशिक्षित किया। इस आयोजन का उद्देश्य शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देना है, साथ ही प्रतिभागियों के बीच समुदाय और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इस सत्र ने सभी पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को एक साथ लाया ताकि वे प्राचीन योग कला और इसके लाभों का जश्न मनाएं। कार्यक्रम सभी के लिए खुला था, और 200 से अधिक प्रतिभागियों ने समय पर पहुंचने के लिए एक विशेष योग बेल्ट प्राप्त किया। महेंद्र जियानी, उपाध्यक्ष, नेमीचंद चोपड़ा, कोषाध्यक्ष, महावीर दांतेवाड़िया और नरेंद्र संकलेचा, संयुक्त कोषाध्यक्ष, सचिव प्रतीक गांधी, बबीता रायसानी, जेएलडब्ल्यू अध्यक्षा, जीतो बेंगलूरु साउथ के और महिला विंग के प्रबंध समिति के सदस्य भी उपस्थित थे। स्पोर्ट्स संयोजक चेतन बोहरा, आयोजन संयोजक श्रेयांश रकेचा, आयोजन सह-संयोजक सफल सकरिया, जेएलडब्ल्यू स्पोर्ट्स संयोजक साक्षी नाहर, आयोजन संयोजक नीलम शंड और आयोजन सह-संयोजक हेमा सोलंकी भी उपस्थित थे। सत्र की मेजबानी और धन्यवाद ज्ञापन नितिन लुनिया ने दिया।

प्रेस्टीज वेस्ट वुड ओनर एसोसिएशन ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन उत्साह, अनुशासन और एकता की भावना के साथ संपन्न हुआ।

यह कार्यक्रम न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रतीक रहा, बल्कि इसमें अनेक प्रतिष्ठित आध्यात्मिक एवं न्यायिक महानुभावों की उपस्थिति ने इसे प्रेरणादायक और गरिमामयी बना दिया। कार्यक्रम की विशेष शोभा बने तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्यश्री महाश्रमणजी के परम शिष्य मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी एवं मुनि आदित्य कुमारजी, जिनके ज्ञान, तप और विवेक ने आयोजन को पावन बना दिया। योग समुदाय ने उनका हृदय से स्वागत किया और योग एवं धर्म के माध्यम से आत्मिक और सामाजिक जागरूकता में उनके योगदान को सराहा। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि कर्नाटक राज्य में सीबीआई एनआईए व ईडी के विशेष लोक अभियोजक के रूप में सेवा दे रहे प्रसन्ना कुमार ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उनके सक्रिय सहयोग से आयोजन को विशेष मान्यता मिली। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि न्यायपालिका में 35 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले विनय कुमार गोस्वामी ने शिरकत की, जिनके द्वारा न्याय और सत्य की सेवा में दिया गया योगदान समाज के लिए प्रेरणास्पद है। प्रेस्टीज वेस्ट वुड ओनर एसोसिएशन के योग दिवस के उपलक्ष में योग कार्यक्रम में उक्त अध्यक्ष उदय शेट्टी, वाइस प्रेसिडेंट पुनीत, कोषाध्यक्ष मनोहर हजारे, डायरेक्टर अश्विन सेमलानी, नरेश अग्रवाल, सुरेश अजमेर, रूपाली, शिल्पा कोठारी सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद थे। अश्विन सेमलानी ने बताया कि प्रेस्टीज अपार्टमेंट्स के अध्यक्ष उदय शेट्टी का भी आयोजन में हार्दिक स्वागत किया गया, जिनका सदैव सहयोग और मार्गदर्शन योग परिवार को प्राप्त होता रहा है। योग संयोजक उत्तम गन्ना ने अपने स्वागत भाषण में योग दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मिक संतुलन और सामाजिक उत्थान का मार्ग है। आइए, हम इस योग महोत्सव को समर्पण, ऊर्जा और अनुशासन के साथ मनाएं। उन्होंने अपने भाषण का समापन प्रेरणादायक संदेश योग करें, जीवन संवारें, समाज निखारें के साथ किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बेंगलूरु के अनुग्रह सामुदायिक केंद्र में सामूहिक योग प्रदर्शन सत्र के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

इस अवसर पर बोलते हुए, बेंगलूरु डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) आशुतोष कुमार सिंह ने उपस्थित लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा योग न केवल शारीरिक शक्ति का निर्माण करता है, बल्कि मानसिक लचीलापन भी विकसित करता है, जिससे हमें दबाव में शांत रहने और जीवन की सबसे कठिन चुनौतियों के दौरान ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है। रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य/दूरसंचार समीर दीक्षित ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और समग्र स्वास्थ्य और आंतरिक संतुलन को बढ़ावा देने के लिए दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने के महत्व पर जोर दिया। आर्ट ऑफ लिविंग के योग विशेषज्ञ श्रीनिवास और श्रीकांत के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न आसन और प्राणायाम किए। साथ ही चंबन्ना, एएसआई/आरपीएफ, बैयप्पनहल्ली ने भी भाग लिया। इस अवसर पर आशुतोष कुमार सिंह ने भी प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया।

इस सत्र में अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष माथुर और परीक्षित मोहनपुरिया, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी उमा शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

फिट युवा हिट युवा मुहिम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में, तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर योगा से होगा 2.0 का कार्यक्रम फिट युवा हिट युवा मुहिम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक संतुलन के प्रति जागरूक बनाना है। इस अवसर पर प्रेक्षा इंटरनेशनल ट्रेनर रेणु कोठारी (योग एवं प्रेक्षा ध्यान, प्रेक्षा वाहिनी, गांधीनगर बेंगलूरु) ने योगाभ्यास का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने सरल और प्रभावशाली ढंग से प्रेक्षा ध्यान, श्वास-प्रश्वास तकनीक और योगासन के माध्यम से शारीरिक, मानसिक व आत्मिक शुद्धि का महत्व बताया। कार्यक्रम में तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु के अध्यक्ष विमल धारीवाल ने कहा योगा के नियमित अभ्यास से सभी का जीवन अच्छा रहेगा। इस आयोजन में परिषद के प्रमुख पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिनमें उपाध्यक्ष प्रसन्न धोका, मनीष भंसाली, सहमंत्री अंकित छाजेड़, प्रतीक जोगड़, संगठन मंत्री मोहित डूंगरवाल, निवर्तमान अध्यक्ष रजत बैद एवं परिषद सदस्यगण विवेक मरोठी, रमेश सालेचा, विमल रांका, आलोक कुंडलियां, प्रदीप चोपड़ा आदि शामिल थे। इस अवसर पर प्रशिक्षिका रेणु कोठारी का सम्मान किया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग प्रेमियों ने किया योग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच, बेंगलूरु सेंट्रल द्वारा सरजापुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। योग यात्रा के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में 200 से अधिक योग प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सुबह 6:30 बजे प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य के महत्व को उजागर करना था। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें नितीश टिबरेवाल, संदीप टिबरेवाल, गौरव जिंदल, राहुल बंसल, गौतम लोहिया, शिशिर अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, विनीत, रोहित अग्रवाल, आयुष भिमसरिया एवं विनायक बजाज जैसे प्रमुख लोग शामिल थे। इस मौके पर नितीश टिबरेवाल ने कहा योग सिर्फ एक व्यायाम नहीं, बल्कि यह आत्मा की शुद्धि और विचारों की स्पष्टता का माध्यम है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग ही वह मार्ग है, जो हमें संतुलित और सकारात्मक बनाए रखता है। कार्यक्रम में डेकाथलॉन सरजापुर ने स्थान, योग मैट्स और आयोजन संबंधी विभिन्न व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर राहुल बंसल, गौतम लोहिया (अध्यक्ष), आयुष भिमसरिया (सचिव), गोपाल गोयल (कोषाध्यक्ष) समेत मंच के सभी सक्रिय सदस्यों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। 200 से अधिक लोगों ने सामूहिक रूप से योग का अभ्यास किया।

तेरापंथ महिला मंडल के वार्षिक अधिवेशन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ सभा भवन में महिला मंडल के वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष सुमन पटावरी ने अध्यक्षता की। साधारण सभा की शुरुआत अध्यक्ष सुमन पटावरी ने नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से किया। तत्पश्चात मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। मंत्री पदमा महेर ने गत साधारण सदन की कार्यवाही का वाचन किया एवं सदन द्वारा पारित करवाया। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने अपने वक्तव्य में सभी सदस्य का स्वागत किया। दो वर्ष में पूरी टीम से प्राप्त सहयोग की सराहना की एवं आभार व्यक्त किया। उपाध्यक्ष मधु कटारिया ने संविधान का वाचन किया। इसके पश्चात वर्ष की झलक प्रतिवेदन का अनावरण किया गया। कन्या मंडल प्रतिवेदन प्रस्तुति सहप्रभारी निशा छाजेड ने किया एवं सदन द्वारा पारित करवाया। मंत्री पदमा महेर ने दो वर्ष के कार्यकाल की गति प्रगति को दर्शाती मंत्री प्रतिवेदन की प्रस्तुति दी एवं पारित करवाया। कोषाध्यक्ष सुधा द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-25 के

आय-व्यय का ब्यौरा दिया गया एवं सदन द्वारा पारित कराया गया। वे टू हैप्पीनेस स्कूल प्रोजेक्ट की रिपोर्ट उसकी संयोजिका पूनम दक ने दी। प्रायोजक राकेश छाजेड एवं उनके पुरे परिवार का सम्मान किया गया। तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा ने अध्यक्ष सुमन पटावरी के सफलतम कार्यकाल की सहाराना की एवं आने वाले नए अध्यक्ष को बधाई दी। साथ ही चातुर्मास में सक्रियता से सब कार्य करें ऐसी आशा जताई। सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने 2 साल के कार्यकाल के संपन्नता पर शुभकामना दी एवं मंडल द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। चुनाव अधिकारी पूर्वाध्यक्ष कंचन छाजेड ने सदन से अध्यक्ष के नाम की मांग की एवं मानव प्रक्रिया से सर्व सम्मति से वर्ष 2025-27 के लिए मंजु बोथरा को अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया गया। तत्पश्चात संरक्षिका एवं परामर्शक बहनों एवं पूर्व अध्यक्षों कंचन छाजेड, सरोज आर बैद, लता बाफना ने नए अध्यक्ष का स्वागत किया। अध्यक्ष सुमन पटावरी एवं टीम ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को अर्हम की ध्वनि से साड़ी ओढाई। सभा मंत्री तेयुप अध्यक्ष ने सुमन पटावरी को सफलतम कार्यकाल की बधाई दी। मंडल के कार्यो की प्रंशसा की एवं भावी अध्यक्ष के प्रति मंगल कामना की। संरक्षिका, परामर्शक, कार्यकारिणी कैबिनेट स्कूल प्रोजेक्ट में जिन बहनों ने सहयोग दिया उनका एवं तुलसी स्वर संगम की सभी बहनों का मोमेन्टो द्वारा सम्मान किया गया। गुलाब बाँठिया ने मंडल को बधाई दी एवं आर आर नगर प्रवेश चातुर्मास हेतु पधार रही साध्वी पुण्ययशा जी की जानकारी दी। इस अवसर पर ट्रस्ट के मंत्री विक्रम महेर और तेयूप के सहमंत्री सरल पटावरी भी उपस्थित थे। हॉल में स्क्रीन लगा कर पिछले दो सालों के कार्य को दर्शाया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सहमंत्री वंदना भंसाली और रुचिका पटावरी ने बखूबी किया। सहमंत्री ममता दूगड़ ने आभार ज्ञापित किया।

श्री जिनदत्त कुशल सूरी मंडल द्वारा साधर्मिक स्कॉलरशिप कार्यक्रम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुड़ी की ओर से मंडल के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में विभिन्न सुकृत कार्यों की श्रृंखला में साधर्मिक स्कॉलरशिप कार्यक्रम शुरू किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने कहा कि इस कार्यक्रम में जरूरतमंद साधर्मिक परिवारों के एलकेजी से 5 वीं कक्षा तक के बच्चों को शिक्षा में सहयोग के रूप में सहयोग स्कॉलरशिप राशि प्रदान की गई। महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि आज के समय में खर्चीली शिक्षा पद्धति को देखते हुए ऐसे जरूरतमंद परिवार जिनको भी शिक्षा सहयोग के रूप में राशि की जरूरत थी उन्होंने फॉर्म भरकर सबमिट किया और अनेक स्कूलों के अनेक जरूरतमंद बच्चों को यह राशि प्रदान की गई और उनकी समस्त जानकारी पूर्णतया गुप्त रखी गई।

रेल व्हील फैक्ट्री में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेल व्हील फैक्ट्री (आरडब्ल्यूएफ) ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बड़े उत्साह और भागीदारी के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत विशाखापत्तनम के रामकृष्ण बीच से प्रसारित प्रधानमंत्री के संबोधन की स्क्रीनिंग के साथ हुई। संदेश ने दिन की शुरुआत की, जिसमें समग्र स्वास्थ्य के लिए दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के महत्व पर जोर दिया गया। योग और प्राणायाम सत्र में महाप्रबंधक चंद्र वीर रमन, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी शुजा महमूद, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, संयुक्त सचिव और कर्मचारी परिषद के सदस्य, एससी, एसटी और ओबीसी एसोसिएशन के पदाधिकारी और विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की सक्रिय

भागीदारी देखी गई।

इस सत्र का संचालन विवेकानंद योग विज्ञान केंद्र की अनुभवी योग प्रशिक्षक रश्मि और अश्विनी ने किया, जिन्होंने विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया और उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया। उन्होंने जीवन में संतुलन और सामंजस्य प्राप्त करने के लिए नियमित योग अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला। योग दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, कर्मचारियों के लिए एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। उनके योगदान को मान्यता देते हुए, महाप्रबंधक रमन ने उन सभी प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए जिनके निबंधों को उल्लेखनीय माना गया। समारोह का समापन सकारात्मक रूप से हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने और अपने परिवार और दोस्तों के बीच इसके अभ्यास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

स्कूलों में योग शिक्षा अनिवार्य की जानी चाहिए: राज्यपाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि योग शरीर और मन को नियंत्रित करने के लिए फायदेमंद है और योग का अभ्यास एक आदत होनी चाहिए। आयुष विभाग द्वारा विधान सौधा के सामने भव्य सीढ़ियों पर औषधीय पौधों को पानी देकर आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय दिवस समारोह का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कन्नड़ में सभी का स्वागत नमस्कार कहकर किया और कहा कि स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए रोजाना योग का अभ्यास करना अच्छा है। योग स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक है। उन्होंने कहा कि योग में मजबूत लोगों को कोई बीमारी नहीं होती। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों ने योग को अपनाया है। 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य'' के नारे के साथ मनाया जा रहा है। मैं योग कार्यक्रम आयोजित करने के लिए राज्य सरकार को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि वे आज से योग का अभ्यास करेंगे। विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने कहा योग का अभ्यास घर पर ही करना चाहिए। जब मैं शिक्षा मंत्री था, तब बच्चों के लिए योग अनिवार्य किया गया था। प्राथमिक विद्यालय से 10वीं कक्षा तक योग शिक्षा अनिवार्य की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री से बात करते हैं। स्कूली बच्चों को योग सिखाना अच्छा रहेगा। स्कूलों में शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की कमी है, जिसे पूरा किया जाना चाहिए। 29 हजार शिक्षकों की कमी है और कुछ जगहों पर स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या कम है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वे शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री से बात करेंगे और स्कूलों में योग को अनिवार्य करने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखेंगे। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि मैसूरु को योग जिला घोषित करने पर विचार किया जा रहा है और इसके लिए योग प्रेमियों का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि योग का लाभ सभी को मिलना चाहिए। पांच हजार स्कूलों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। तालुक जिला केंद्रों में भी इसका आयोजन हो रहा है। युवाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रीन योग कार्यक्रम के जरिए वन विभाग के सहयोग से एक लाख पेड़ लगाए जाएंगे। जिला तालुक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में योग मंदिर स्थापित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। मरीजों और उनके साथ आने वाले लोगों को योग से परिचित कराया जाएगा। अधिक से अधिक लोगों को योग में भाग लेना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग योग के प्रति लोगों को जागरूक कर रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों को योग सिखाने के लिए शिक्षा मंत्री से बात की जाएगी। राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष, मंत्रीगण, विधान परिषद सदस्य टी.ए. श्रवण सहित अन्य अधिकारियों और गणमान्य लोगों ने योग आसन करके ध्यान आकर्षित किया।

विधायक पाटिल ने एक बार फिर अपने बयान का किया बचाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गरीबों के लिए घर स्वीकृत करवाने के लिए रिश्वत देने का गंभीर आरोप लगाने वाले सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक बी.आर. पाटिल ने शनिवार को अपने बयान को फिर से दोहराया, जिससे राज्य सरकार को गंभीर शर्मिंदगी उठानी पड़ी। शहर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बी.आर. पाटिल ने कहा कि ऑडियो में मैंने ही बात की है। मैंने सच कहा है। जो हो रहा है, वही बताया है। हमारा मूल इरादा यह है कि हम जो जनहितैषी शासन देने के वादे के साथ सत्ता में आए हैं, उसी के अनुसार काम करें। सरकार में भ्रष्टाचार के बारे में मुझे जो कहना था, कह दिया है। मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री क्या करेंगे। अगर वे मुझे बुलाएंगे, तो मैं जाकर बोलूंगा। उन्होंने मुझे अभी तक नहीं बुलाया है। मैं खुद नहीं जाऊंगा। भ्रष्टाचार सभी सरकारों में आम बात है। जो लोग सत्ता में आए थे, उन्होंने वादा किया था कि हम जनहितैषी शासन देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकाल में ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र की पांच-छह पंचायतों में पैसे देकर घर स्वीकृत करवाए हैं। उनके निर्वाचन क्षेत्र के लिए 2,000 घरों की मांग थी। 1,950 घरों को मंजूरी दी गई है। मेरे द्वारा दिए गए पत्रों के लिए घर नहीं दिए गए। पंचायत अध्यक्ष द्वारा दिए गए पत्रों के लिए घर दिए गए। उन्होंने असंतोष व्यक्त किया कि पंचायत अध्यक्ष उनसे निर्वाचन क्षेत्र में अधिक शक्तिशाली हैं। भ्रमित करने वाले बयान पर हाईकमान की रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैं हाईकमान को रिपोर्ट क्यों दूं, और कहा कि मैं अभी हाईकमान को रिपोर्ट देने के लिए कद का नहीं हुआ हूं। मैंने जो कहा, उसमें कुछ भी गलत नहीं है। मैंने सच कहा है। भाजपा सच नहीं बोलती। उन्होंने ही भ्रष्टाचार के कारण राज्य की हालत खराब की है। पूरे राज्य की राजनीति में हलचल मचाने वाले कलबुर्गी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक पाटिल राज्य योजना एवं नीति आयोग के उपाध्यक्ष हैं और कैबिनेट स्तर के पद पर हैं। आवास विभाग में भ्रष्टाचार होने का उनका सीधा आरोप सरकार के लिए सिरदर्द बना हुआ है। खासकर तब जब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी जमीर अहमद खान आवास मंत्री हैं, जिससे जिज्ञासा और बढ़ गई है। बीआर पाटिल भी सिद्धरामैया के करीबी हैं। इससे पहले उन्होंने यह कहकर कांग्रेस सरकार को शर्मसार कर दिया था कि गारंटी योजनाओं के विकास के लिए पैसा नहीं है और सरकार दिवालिया होने की स्थिति में है। ऐसे समय में जब भाजपा नेता कांग्रेस पर 60 प्रतिशत कमीशन का आरोप लगा रहे हैं, सत्ताधारी पार्टी के विधायक बीआर पाटिल के बयान ने विपक्षी दलों को नया हथियार दे दिया है।

विश्व योग दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

पार्टी जल्द ही प्रदेश अध्यक्ष पद पर फैसला लेगी: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि पार्टी जल्द ही प्रदेश अध्यक्ष पद पर फैसला लेगी। यहां मीडिया से बात करते हुए यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें खुद को जारी रखने का भरोसा है, उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, हम एक राष्ट्रीय पार्टी हैं। हमें पूरा भरोसा है कि सभी जिला अध्यक्षों और पार्टी नेताओं की राय लेने के बाद जल्द ही इस पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। मुझे लगता है कि मैं पिछले सवा साल से पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे पूरी लगन से निभा रहा हूं। मुझे जो जानकारी देनी है, मैं केंद्रीय और राष्ट्रीय नेताओं को दे रहा हूं। मैंने और पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री और पार्टी के संरक्षक अमित शाह से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि हमने करीब 20-25 मिनट तक राज्य की राजनीति और समसामयिक मामलों पर विस्तार से चर्चा की। कांग्रेस सरकार सत्ता में आने के बाद से ही विभाजन की नीति पर चल रही है। हमने चर्चा की कि किस तरह सरकार राज्य के गरीबों और किसानों के लिए अभिशाप बन गई है। उन्होंने शांति से सुना। आने वाले दिनों में पार्टी के पास अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा कि सभी को अपने मतभेद भुलाकर एक साथ मिलकर चलना चाहिए। तभी कार्यकर्ताओं का सम्मान होगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोगों को हम पर विश्वास होगा। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष से ज्यादा जिम्मेदारी विपक्ष की भी होती है। हम विपक्ष के तौर पर राज्य सरकार की मौजूदा कार्यप्रणाली और कांग्रेस सरकार के काले चेहरे को लोगों के सामने उजागर करने का काम करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने यह सब बताने के बाद खुशी जताई। केएस ईश्वरप्पा के फिर से शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि राज्य या केंद्र स्तर पर कोई चर्चा नहीं हुई है। इससे पहले विश्व योग दिवस के अवसर पर सुबह मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, अंतरराष्ट्रीय योग विशेषज्ञ राघवेंद्र पाई, कन्नड़ फिल्म अभिनेता कोमल कुमार, कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री सुधारानी, प्रदेश सचिव एच.सी. तमेश गौड़ा, शरणु तारिकेरी, डॉ. लक्ष्मी अश्विनी गौड़ा, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथनारायण, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष मंजुला, प्रकोष्ठ समन्वयक एस. दत्तात्री, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा सहित प्रदेश पदाधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने सेलम स्टील प्लांट में किया योगाभ्यास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने सेलम स्टील प्लांट में आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लिया और फैक्ट्री के कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों, वरिष्ठ अधिकारियों, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया और इस्पात मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों के साथ योग का अभ्यास किया।

मंत्री ने सेलम टाउनशिप के हिल व्यू स्टेडियम में योग शिक्षक के मार्गदर्शन में कुछ महत्वपूर्ण, सरल आसन और प्राणायाम का अभ्यास किया। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि योग एक ऐसी जीवनशैली है जो हमारे देश में प्राचीन काल से विकसित हुई है। भारत तक सीमित योग को ग्यारह साल पहले प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता संभालने वाले नरेंद्र मोदी ने विश्व पटल पर पहुंचाया। परिणामस्वरूप, 21 जून को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसका पूरा श्रेय मोदी को जाना चाहिए। मुझे सेलम स्टील प्लांट के कर्मचारियों, अधिकारियों और उनके परिवार के सदस्यों के साथ योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिला। इससे मुझे बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा कि मुझे देश की रीढ़ कहे जाने वाले इस्पात क्षेत्र के परिवार के साथ योग की विशिष्टता और क्षणों का अनुभव करने का सौभाग्य मिला। योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। यह मानसिक शांति, मानसिक स्पष्टता, शारीरिक तंदुरुस्ती और सामूहिक कल्याण प्राप्त करने का एक प्रभावी तरीका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग ने दुनिया को एकजुट किया है। उन्होंने कहा कि हमारा पारंपरिक योग दुनिया की भलाई में बहुत बड़ा योगदान दे रहा है। योगाभ्यास में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) के चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश, इस्पात मंत्रालय के संयुक्त सचिव अभिजीत नरेंद्र सहित सेलम स्टील प्लांट के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को पूरी दुनिया ने अपनाया: लक्ष्मी हेब्बालकर

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। महिला एवं बाल विकास मंत्री और जिला प्रभारी मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को पूरी दुनिया ने अपनाया है। सभी को योग को दैनिक परंपरा के रूप में अपनाना चाहिए और हर दिन कम से कम 30 मिनट योग करना चाहिए। यहां अजरकाडु के महात्मा गांधी जिला स्टेडियम में आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि केवल योग ही मन को प्रसन्न कर सकता है। मैं पिछले 25 वर्षों से योग का अभ्यास कर रही हूं। योग की वजह से ही मैं प्रतिदिन 15 घंटे काम कर पाती हूं। उन्होंने कहा कि 14 जनवरी को मेरा एक्सीडेंट हो गया था, इसलिए मैं आज कमर दर्द के कारण योग नहीं कर सकी। मैं सप्ताह में पांच दिन योग करती हूं। आज की आधुनिक दुनिया में योग जरूरी है। मैं प्रतिदिन 25 से 50 बार सूर्य नमस्कार करती थी। मंत्री ने कहा कि भुजंगासन, वीरभद्रासन, प्राणायाम मेरे स्वास्थ्य का राज हैं। उडुपी जिले ने एसएसएलसी में दूसरा और पीयूसी में पहला स्थान हासिल किया है और जिले ने शैक्षणिक रूप से अपनी क्षमता बढ़ाई है। सभी को देश की संस्कृति, रीति-रिवाज और विचारों को अपनाना चाहिए, माता-पिता कहते हैं कि हमारे बच्चे हमारी संपत्ति हैं। बच्चों को भी कहना चाहिए कि हमारे माता-पिता हमारी संपत्ति हैं। योग केवल व्यायाम और प्राणायाम नहीं है। यह जीवन का एक स्वस्थ तरीका है, अगर योग है, तो कोई बीमारी नहीं है, अगर योग एक आनंद है, तो सभी मानवीय गतिविधियों को आत्मसम्मान की स्वतंत्रता मिलती है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी दुनिया को योग के महत्व के बारे में सिखाया। इस अवसर पर विधायक सुवर्णा, गुरमे सुरेश शेट्टी, जिला गारंटी योजना कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष अशोक कोडवूर, प्रवास राज कंचन, रमेश कंचन और जिला आयुक्त स्वरूप मौजूद थे।

देवेगौड़ा ने योगाभ्यास करने का किया आह्वान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए सभी से स्वास्थ्य के लिए योग का अभ्यास करने का आह्वान किया। इस संबंध में उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि योग ने उन्हें इतने लंबे समय तक मार्गदर्शन दिया है। योग ने मेरे मन और शरीर दोनों को मदद की है। उन्होंने कहा कि वह सभी को बहुत संतोषजनक और स्वस्थ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हैं।

बेंगलूरु-मेंगलूरु रेलवे ट्रैक से पत्थर हटाए गए, ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) के कर्मचारियों ने कर्नाटक के सकलेशपुर के पास येदकुमारी और शिराबागिलु स्टेशनों के बीच ट्रैक को साफ कर दिया है। शनिवार की सुबह रेलवे ट्रैक पर पत्थर गिरने के बाद बेंगलूरु और मेंगलूरु के बीच ट्रेन सेवाएं रोक दी गई थीं। सुबह 9.10 बजे ट्रैक को 20 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने के लिए फिट घोषित किया गया। एसडब्ल्यूआर की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। दक्षिण पश्चिम रेलवे के कर्मचारियों और अधिकारियों ने ट्रैक को साफ करने के लिए करीब पांच घंटे तक बिना रुके काम किया।

हजारों विद्यार्थियों में 2 लाख नोटबुक वितरित

शिक्षित समाज के निर्माण का लक्ष्य, शिक्षा ही देश के विकास की कुंजी: रक्षा फाउंडेशन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जयनगर के श्री चंद्रगुप्त मौर्य (शालिनी प्लेग्राउंड) मैदान में रक्षा फाउंडेशन (आर) ने शनिवार को 13वीं कक्षा के हजारों विद्यार्थियों को 2 लाख नोटबुक निःशुल्क वितरित की, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किए तथा अनाथालयों से विद्यार्थियों को गोद लिया। विधायक एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर. अशोक, रक्षा फाउंडेशन के संस्थापक विधायक सी.के. राममूर्ति, विधायक उदय गरुड़ाचार, बिग बॉस फेम प्रथम, पूर्व बीबीएमपी सदस्य नागरत्ना राममूर्ति, बिग बॉस फेम प्रथम तथा अभिनेता वशिष्ठ सिम्हा ने दीप प्रज्वलित कर तथा नोटबुक एवं लैपटॉप वितरित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विजयेंद्र ने कहा कि रक्षा फाउंडेशन के संस्थापक विधायक राममूर्ति के नेतृत्व में वे बच्चों की शिक्षा में उत्साहपूर्वक सहयोग कर रहे हैं। आज 11वां विश्व योग दिवस है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण भारतीय योग वैश्विक स्तर पर अधिक लोकप्रिय हुआ है। बच्चे भगवान के समान होते हैं, उनके मन में कोई गलत विचार नहीं होता, जाति, धर्म, संप्रदाय का कोई भेद नहीं होता। उन्होंने कहा कि यदि उपलब्धि नहीं है, तो मृत्यु व्यर्थ है, जन्म के बाद उपलब्धि प्राप्त कर खड़ा होना चाहिए। आर. अशोक ने कहा कि रक्षा फाउंडेशन प्रतिवर्ष एक दुर्लभ कार्यक्रम आयोजित कर शिक्षा को सहयोग कर रहा है। शिक्षक पढ़ाते हैं, पिता और माता पढ़ाते हैं, लेकिन हमें परीक्षा खुद लिखनी है, कोई हमारा सहयोग नहीं करेगा? यदि हम आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देते हैं और अच्छे अंक प्राप्त करते हैं, तो हम जीवन में अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं और सफलता प्राप्त कर सकते हैं। विधायक सी.के. राममूर्ति ने कहा कि यदि हम शिक्षित होंगे, तो हमें समाज में सम्मान और पहचान मिलेगी, हमें समाज में अच्छे नागरिक बनने के लिए शिक्षित होना चाहिए, और देश के विकास के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है। अमीर परिवारों के बच्चे सब कुछ प्राप्त कर लेते हैं, लेकिन गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चे आर्थिक कठिनाइयों के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। रक्षा फाउंडेशन ने कहा कि बच्चों को शिक्षा से वंचित नहीं किया जाना चाहिए और हमारा उद्देश्य उच्च शिक्षा के लिए मुफ्त नोटबुक और लैपटॉप और छात्रवृत्ति प्रदान करके एक शिक्षित समाज बनाना है। बिट्स गुरु टीम द्वारा एक संगीत कार्यक्रम और पुट्टाराजू द्वारा एक जादू शो आयोजित किया गया था।

हिमालय की चोटियों से लेकर, समुद्री पोतों तक, देश-विदेश में दिखा योग दिवस कार्यक्रमों का उत्साह

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को भारत समेत दुनिया भर में जगह-जगह आयोजित योगाभ्यास के विशेष सत्रों में लाखों की संख्या में लोगों ने मनोयोग और उत्साह से भाग लिया। भारत में सियाचिन की बर्फीली पहाड़ियों से लेकर, कन्याकुमारी में समुद्र तट तक और राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों से लेकर पूर्वोत्तर क्षेत्र तक लोगों ने सुबह-सुबह 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष कार्यक्रमों में भाग लिया।विदेशों में भारतीय दूतावासों और राजनयिक मिशनों ने योग दिवस पर विशेष सत्र आयोजित किए। आस्ट्रेलिया, जापान, मलेशिया और विभिन्न देशों में योगप्रेमियों ने भी जगह-जगह योगाभ्यास सत्रों का आयोजन किया। इस बार मुख्य समारोह आंध प्रदेश के बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम में आयोजित किया गया जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में हजारों लोगों ने योगासन किये। प्रधानमंत्री के साथ इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के राज्यपाल सय्यद अब्दुल मजीद ,आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू और उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण, केन्द्रीय मंत्री के राम मोहन राव नायडू, प्रताप राव जाधव, चन्द्र शेखर, भूपति राजू श्री निवास वर्मा कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने योग, ध्यान एवं प्राणायाम किए।श्री मोदी ने इस अवसर पर योग को विश्व में शांति, समरसता और स्वास्थ्य का आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत विश्व भर में योग के प्रचार-प्रसार के लिए इसमें निहित विज्ञान को आधुनिक अनुसंधान के माध्यम से आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि योग को आधुनिक चिकित्सा पद्धति में स्थान दिलाने का प्रयास चल रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तराखंड के देहरादून स्थित पुलिस लाइन में योग कार्यक्रम में भाग लिया योग के प्रयोग से समस्त मानवता के लिए स्वस्थ और प्रसन्नता की कामना की। उन्होंने कहा कि योग पूरी मानवता के लिए सांझी धरोहर बन चुका है। राष्ट्रपति ने कहा कि इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योग' रखी गयी है।भारतीय सेना के जवानों ने कई स्थानों पर सियाचिन में योगसत्र आयोजित किए। जम्मू-कश्मीर में गुलमर्ग गॉल्फ कोर्स सहित विभिन्न स्थानों मर योग सत्र आयोजित किए गए।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में योग दिवस समारोह में भाग लिया। उन्होंने 2500 कर्मियों के साथ योगाभ्यास समारोह में भाग लिया। उन्होंने यहां सेना के जवानों से मुलाकात की और ऑपरेशन सिन्दूर में उनके प्रयासों की सराहना की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद परिसर में योग सत्र में भाग लिया।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा राजधानी में कर्तव्य पथ पर भी सामूहिक योग कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने कहा, हमको अपने जीवन में योग अपनाना होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय भी इसको बढ़ावा दे रहा है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भी आयुष विभाग को शामिल किया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण ने फरीदाबाद में अरुण जेटली नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट के प्रांगण में आयोजित योग-सत्र का नेतृत्व किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर यमुना तट पर सोनिया विहार में योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, दिल्लीवासियों का हृदय से धन्यवाद। आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राजधानी के 11 स्थलों पर आयोजित भव्य योग उत्सव में आपकी उत्साहपूर्ण सहभागिता ने यह सिद्ध किया कि जब सरकार और समाज एक साथ चलते हैं, तो संस्कृति जन-जन का संकल्प बन जाती है। केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग से संस्कृति मंत्रालय के तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने देश भर में ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के 81 संरक्षित स्मारकों के परिसरों में योग कार्यक्रम आयोजित किये थे और इस अवसर पर वहां आम जन का प्रवेश नि:शुल्क रखा गया था। केंद्रीय मंत्री अमित शाह अहमदाबाद के अडालज वाव में आयोजित योग-सत्र में भाग लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मन, शरीर और मस्तिष्क में एकात्मता लाने वाला योग आज विश्वभर में लोगों की दिनचर्या का अंग बन चुका है।केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल मुंबई में संजय गांधी नेशनल पार्क स्थित कन्हेरी के गुफा स्थल पर अपने निर्वाचन क्षेत्र में कई योग कार्यक्रमों में भाग लिया। श्री प्रल्हाद जोशी पट्टाडकल के यूनेस्को संरक्षित मंदिर संकुल परिसर में स्थानीय लोगों के साथ योग सत्र में भाग लिया। वह हुबली जिमखाना ग्राउंड पर आयोजित योग कार्यक्रम में भी शामिल हुए। एएसआई जिन स्थलों पर यह कार्यक्रम आयोजित किया, उनमें पुराना किला (दिल्ली), गोल गुंबज (कर्नाटक), कोणार्क सूर्य मंदिर (ओडिशा), चित्तौड़गढ़ किला (राजस्थान) और एलीफेंटा की गुफायें (महाराष्ट्र) भी शामिल हैं। इन स्थलों पर हजारों प्रतिभागियों के योगाभ्यास किया और योग के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य और पर्यावरण चेतना के महत्व के प्रचार प्रसान में योगदान के प्रति प्रतिबद्धता जतायी।

योग दिवस पर पूरे देश के साथ समन्व्य करते हुए सशस्त्र सेनाओं, अर्द्धसैनिक बलों और राष्ट्रीय कैडेट कोर के नौ लाख कैडेटों ने शनिवार को देश भर में अलग-अलग स्थानों पर योगाभ्यास किया। तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने भी हजारों की संख्या में सैनिकों के साथ योगाभ्यास के सामूहिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। विशाखापत्तनम में प्रधानमंत्री के साथ योगासन कार्यक्रम में नौसेना के दस हजार नौसैनिकों ने भाग लिया। स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत तथा अन्य युद्धपोतों पर भी योगाभ्यास सत्र आयोजित किए गए। विदेशों में तैनात भारतीय नौसेना के युद्धपोतों पर भी योग दिवस पर विशेष आयोजन किये गये। तटरक्षक बल के हजारों जवानों तथा अधिकारियों ने भी देश भर में 60 से भी अधिक जगहों पर योग किये। योग गुरु बाबा रामदेव ने हरियाणा में कुरुक्षेत्र में योगभ्यास सत्र का नेतृत्व किया, जिसका ध्येय वाक्य रखा गया था- ''योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा था।राजधानी में इसके अलावा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के स्मृति स्थल पर पहली बार आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, पार्टी के राष्ट्रीय संगठक वी. सतीश, कार्यालय मंत्री महेन्द्र नाथ पांडे, दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह, राज्य सभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, भाजपा की चांदनी चौक इकाई के जिलाध्यक्ष अरविंद गर्ग, दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता यासिर जिलानी और सह कार्यालय मंत्री अमित गुप्ता सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए।

लव जेहाद की फंडिग करने वाले कांग्रेस पार्षद पर 19 मामले दर्ज

फरार कांग्रेस नेता की पुलिस कर रही तलाश, घर पर चलेगा बुलडोजर

इंदौर, 21 जून (एजेंसियां)। इंदौर में लव जेहाद के लिए फंडिंग करने का खुलासा होने के बाद से कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी फरार है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह छापेमारी की है और उस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। उसकी तलाश जारी है। कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी पर पहले से ही 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें जानलेवा हमला, डकैती, बलवा, अवैध हथियार रखना और जमीन कब्जा करना शामिल है।

अनवर कादरी 2011 में एक साल की सजा भी काट चुका है।मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर पुलिस को खुली छूट देते हुए कादरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए और उस पर बुलडोजर कार्रवाई की भी आशंका जताई जा रही है। कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी, जिसे अनवर डकैत के नाम से भी जाना जाता है, लव जेहाद के मामले में आरोपित बनने के बाद से अपने परिवार समेत फरार है। अनवर कादरी मुस्लिम लड़कों को हिंदू युवतियों को फंसाने के लिए पैसे देता था। पुलिस उसे पकड़ने के लिए लगातार उसके संभावित ठिकानों, घर और ससुराल पर दबिश दे रही है, लेकिन अब तक वह पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। कादरी के घर पर ताला लगा हुआ है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अनवर कादरी पर सिमी से जुड़े होने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। विजयवर्गीय ने यह भी कहा कि कादरी ने कई प्लॉट और मकानों पर जबरदस्ती कब्जा किया है। मंत्री ने दोहराया कि कादरी जैसे अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें सख्त सजा मिलेगी। वहीं, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया है कि उन्होंने संभाग आयुक्त को कादरी की पार्षदी खत्म करने के लिए पत्र लिखा है, और जल्द ही उसकी पार्षदी समाप्त कर दी जाएगी। इसके अलावा, लव जेहाद की फंडिंग के मामले में भी उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मोरल पुलिसिंग का शिकार मुस्लिम महिला ने आत्महत्या कर ली

सुसाइड नोट के आधार पर एसडीपीआई के 3 कार्यकर्ता गिरफ्तार

तिरुअनंतपुरम, 21 जून (एजेंसियां)। केरल में पीएफआई से जुड़े सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के तीन कार्यकर्ताओं को एक महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एसडीपीआई प्रतिबंधित आतंकी संगठन पीएफआई यानि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया का संगठन है। परमबाई, वेंगड ग्राम पंचायत में राजीना नामक एक 40 वर्षीय महिला ने 17 जून को आत्महत्या कर ली थी। 19 जून को राजीना के सुसाइड नोट मिलने के बाद पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। कन्नूर सिटी पुलिस कमिश्नर निधी-नराज ने कहा कि सुसाइड नोट में जिन लोगों के नाम खुलकर लिखे हुए मिले, उन्हें गिरफ्तार किया गया है। सुसाइड नोट में राजीना ने लिखा था कि तीनों उसे और उसके पुरुष मित्र को जिंदा नहीं छोड़ेंगे।मामला 15 जून से शुरू हुआ जब राजीना अपने दोस्त रहीस के साथ बात कर रही थी। तभी एसडीपीआई से जुड़े लोगों का ग्रुप समूह वहां आया और मारपीट शुरू कर दी। राजीना का रहीस से मिलना उन्हें पसंद नहीं था। उन लोगों ने राजीना को वहां से जाने दिया और रहीस को उठा ले गए।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने में देरी हुई तो उच्चतम न्यायालय जाएंगे : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, 21 जून (एजेंसियां)।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि यदि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने में अत्यधिक देरी हुई, तो उनकी पार्टी उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी।

फारूक अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''चुनाव के बाद लोग चाहते थे कि उनके मुद्दों का तुरंत समाधान हो, लेकिन राज्य का दर्जा (बहाल न किया जाना) हमें ऐसा करने से रोक रहा है। लोगों की कई मांगें हैं जैसे कि वे चाहते हैं कि वह (नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक अल्ताफ कालू) मंत्री बनें, लेकिन जब तक राज्य का दर्जा बहाल नहीं हो जाता, यह कैसे संभव है? ''

उन्होंने कहा, '' हम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अगर वे (केंद्र) लंबा समय लेंगे, तो हमारे पास उच्चतम न्यायालय जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। मुझे उम्मीद है कि जब राज्य का दर्जा बहाल होगा, तो हमें सभी अधिकार मिलेंगे।''

इजराइल-ईरान संघर्ष को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष ने कहा कि वह अल्लाह से दुआ करते हैं कि वह दोनों देशों को युद्ध रोकने की सदबुद्धि प्रदान करें। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, '' मैं दुआ करता हूं कि अल्लाह इजराइल और ईरान दोनों को सद्बुद्धि दे और (डोनाल्ड) ट्रंप को भी सद्बुद्धि प्रदान करे, ताकि वह युद्ध की नहीं शांति की बात करें। मुद्दों का समाधान केवल शांतिपूर्ण तरीके से ही हो सकता है और शांति के बिना कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता।''

इससे पहले, अब्दुल्ला ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया। अब्दुल्ला ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि हमलावर बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों और ड्रोन जैसी तकनीकों की मौजूदगी के बावजूद बैसरन तक पहुंचने और हमला करने में कामयाब रहे।अब्दुल्ला ने सवाल किया, ''उन्होंने (केंद्र ने) कहा कि हमने यहां आतंकवाद को खत्म कर दिया है, फिर वे (पहलगाम के हमलावर) कहां से आए? हमारे पास इतने सारे बल, इतने सारे ड्रोन आदि हैं। वे चार (हमलावर) कहां से आए?''

उन्होंने कहा, ''हम अभी तक पहलगाम के हमलावरों को नहीं ढूंढ पाए हैं। हम कहते हैं कि हम अब एक शक्तिशाली राष्ट्र हैं और हमारा कोई मुकाबला नहीं है, लेकिन हम उन चारों को नहीं ढूंढ पाए हैं।'' पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गये, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

लोकतंत्र की कीमत समझने के लिए आपातकाल के बारे में ज्यादा से ज्यादा जाना जाए : धनखड़

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को यहां राज्य सभा के इंटर्नशिप कार्यक्रम में शामिल युवाओं के एक समूह को संबोधित करते हुए उन्हें लोकतंत्र की कीमत समझने के लिए देश में 1970 के दशक में उस समय की सरकार द्वारा लागू किये गये आपात काल के बारे में ज्यादा से ज्यादा पढ़ने और जानने का सुझाव दिया।श्री धनखड़ ने 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित करने के सरकार के पिछले वर्ष के निर्णय को उचित और महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह आपातकाल की घटना के इस गंभीर संदेश की याद दिलाने के लिए है कि हमें स्वयं लोकतांत्रिक मूल्यों का संरक्षक और प्रहरी बनना होगा। उन्होंने सातवें राज्य सभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के समापन समारोह में युवाओं से कहा, मैं आप सभी से समय का सदुपयोग करने का आग्रह करता हूं। एक होमवर्क मौलिक कर्तव्य था, दूसरा है कि कृपया आपातकाल के बारे में जितना हो सके सीखें, तब आपको लोकतंत्र की कीमत पता चलेगी। उन्होंने कहा, भारत की स्वतंत्रता के 28वें वर्ष में 25 जून, 1975 की मध्यरात्रि थी, तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर देश में आपातकाल की घोषणा पर हस्ताक्षर किये। श्री धनखड़ ने कहा, यह पहली बार था। अब, आप समझदार हैं, एक राष्ट्रपति किसी व्यक्ति,(अकेले) प्रधानमंत्री की सलाह पर काम नहीं कर सकता। उन्होंने संविधान की उस व्यवस्था का उल्लेख किया कि राष्ट्रपति की सहायता और सलाह के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक मंत्रिपरिषद होती है।उप राष्ट्रपति ने कहा कि उस समय संविधान का उल्लंघन किये जाने का परिणाम यह हुआ कि उस दौरान देश में 100,000 से अधिक नागरिकों को कुछ ही घंटों में उनके घरों से घसीट कर सलाखों के पीछे डाल दिया गया था। उन्होंने कहा, हमारा संविधान खत्म हो गया, हमारे मीडिया को बंधक बना लिया गया। कुछ प्रतिष्ठित अखबार, जैसे इंडियन एक्सप्रेस, और भी हैं, स्टेट्समैन एक और अखबार है। उनके संपादकीय खाली थे..।उन्होंने कहा कि उस समय जिन्हें अचानक सलाखों के पीछे डाल गया था, उनमें से कई बाद में देश के प्रधानमंत्री बने (अटल बिहारी वाजपेयी, मोरारजी देसाई और चंद्रशेखर) और कई मुख्यमंत्री, राज्यपाल, वैज्ञानिक, प्रतिभाशाली लोग बने। उप राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा, उनमें से कई आपकी उम्र के थे। उन्होंने कहा, उस समय देश के नौ उच्च न्यायालयों ने शानदार ढंग से परिभाषित किया कि आपातकाल हो या न हो, लोगों के पास मौलिक अधिकार हैं। न्याय प्रणाली तक पहुंच है। दुर्भाग्य से, सुप्रीम कोर्ट ने सभी नौ उच्च न्यायालयों को पलट दिया और एक ऐसा फैसला दिया जो दुनिया में किसी भी न्यायिक संस्थान के इतिहास में सबसे काला फैसला होगा जो कानून के शासन में विश्वास करता है।

उप राष्ट्रपति ने कहा, उच्चतम न्यायालयों की व्यवस्था के खिलाफ उच्चतम न्यालय का निर्णय यह था कि कार्यपालिका की इच्छा है कि वह आपातकाल को जितने समय के लिए उचित समझे, लागू करे। दूसरी बात यह कि आपातकाल के दौरान कोई मौलिक अधिकार नहीं होते, इसलिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय ने इस भारत भूमि, जो कि सबसे पुराना और अब सबसे जीवंत लोकतंत्र है, में तानाशाही, निरंकुशता को वैध बना दिया।

उन्होंने कहा, इसलिए सरकार ने बहुत समझदारी से सोचा और 11 जुलाई, 2024 को एक अधिसूचना (25 जून को संविधान हत्या दिवस' घोषित करने की अधिसूचना) जारी की ...।श्री धनखड़ ने युवा प्रशिक्षुओं को राज्य सभा की इंटरर्नशिप कर चुके अपने पुराने साथियों से संपर्क में रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इससे बड़ी शक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा, आपको बता सकता हूं, वह मंच जिसे आप तैयार करने की प्रक्रिया में हैं और महासचिव बहुत उत्सुकता से इस पर विचार कर रहे हैं।

डीजीसीए ने एयर इंडिया के खिलाफ उठाया सख्त कदम

डिविजनल वाइस प्रेसिडेंट समेत तीन वरिष्ठ अधिकारी हटाए गए

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के खिलाफ चालक दल के सदस्यों (क्रू मेंबरों) की ड्यूटी अनुक्रम में नियमों का जानबूझकर उल्लंघन करने पर कार्रवाई करते हुए तीन वरिष्ठ अधिकारियों को सेवा से हटाने का आदेश दिया है।शुक्रवार को हस्ताक्षरित आदेश में डीजीसीए ने जिन तीन वरिष्ठ अधिकारियों को हटाने के निर्देश दिए हैं, उनमें डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट श्री चूड़ा सिंह, ऑपरेशंस डायरेक्टोरेट में क्रू शेड्यूलिंग से जुड़ी सुश्री पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग-प्लानिंग की सुश्री पायल अरोड़ा शामिल हैं। आदेश पत्र में कहा गया है कि तीनों अधिकारियों ने नियमों के खिलाफ चालक दल का संयोजन बनाने के साथ ही लाइसेंस तथा रेसेंसी नियमों का उल्लंघन किया है।

डीजीसीए ने माना है कि तीनों अधिकारियों ने इस विषय में बार-बार और गंभीर गलतियां की हैं। आदेश पत्र में कहा गया कि लाइसेंसिंग, आराम और रीसेंसी आवश्यकताओं में चूक के बावजूद फ्लाइट क्रू को शेड्यूल और संचालित करने के संबंध में एयर इंडिया द्वारा बार-बार मनमानी और नियमों के गंभीर उल्लंघनों का खुलासा किया गया। इन उल्लंघनों का पता विमानन संसाधन प्रबंधन प्रणाली से सीएई फ्लाइट और क्रू मैनेजमेंट सिस्टम की समीक्षा के दौरान चला।डीजीसीए ने कहा कि क्रू शेड्यूलिंग, अनुपालन निगरानी और आंतरिक जवाबदेही में एयर इंडिया की प्रणालीगत विफलताओं की ओर इशारा करते हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि इन परिचालन चूकों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार तीनों प्रमुख अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक उपाय नहीं किए गए हैं।

इंडिगो की गुवाहाटी-चेन्नई उड़ान को विशेष परिस्थिति में बेंगलुरु में उतारा गया

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। इंडिगो एयरलाइंस के गुवाहाटी से चेन्नई जा रहे एक विमान को शनिवार सुबह इंधन की कमी के कारण विशेष परिस्थिति में बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे पर उतरना पड़ा।एयरलाइंस के सुत्रों ने बताया कि विमान में इंधन भरने के बाद नये चालक दल के साथ दो घंटे बाद विमान चेन्नई रवाना हुआ।सुत्रों ने बताया कि विमान को करीब 07 बजकर 40 मिनट पर चेन्नई पहुंचना था लेकिन हवाई अड्डे पर उड़ानों की भीड़भाड़ होने के कारण उसे उतरने की अनुमति नहीं मिली। इस दौरान विमान का इंधन कम हो गया। पायलट ने विमान को बेंगलुरु हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया और वहां उसने 'फ्यूल मेडे' (इंधन संकट) की कॉल देकर वहां तुरंत उतरने की इजाजत मांगी।एयरबस विमान को बेंगलुरु हवाई अड्डे पर सवा आठ बजे सुरक्षित उतार लिया गया। विमान के यात्रियों को हवाई अड्डे पर जलपान आदि की सुविधा दी गयी और इस दौरान विमान में इंधन भरा गया।सुत्र ने बताया कि इस प्रक्रिया में करीब दो घंटे लगे जिसके बाद विमान नये चालक दल के साथ चेन्नई के लिए प्रस्थान कर गया।सुत्र ने कहा कि विमान में कोई गड़बड़ी नहीं थी और कोई खतरा भी नहीं था। चेन्नई हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक ज्यादा होने के कारण उसे विशेष परिस्थिति में बेंगलुरु हवाई अड्डे पर उतरना पड़ा।

मदुरई में मंदिर तोड़ने से सुप्रीम कोर्ट ने रोका

मदुरई, 21 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक रिहायशी सोसाइटी के अंदर बनाए गये मंदिर को तोड़ने पर फिलहाल रोक लगा दी है। तमिलनाडु के मदुरई स्थित विस्तारा रेसिडेंसी में ये मंदिर है। इसे मदुरई वेलफेयर एसोसिएशन ने बनवाया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जवल भुयान और जस्टिस मनमोहन की खंडपीठ ने ये फैसला लिया है। ये याचिका विस्तारा वेलफेयर एसोसिएशन ने दायर किया था। एसोसिएशन के वकील शेषाद्रि नायडू ने कहा कि कोर्ट ने पक्षों को बगैर सुने ही आदेश जारी कर दिया।इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन किसी को भी लाइसेंस या मंदिर बनाने के लिए ओएसआर की जमीन नहीं दे सकता। मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस एसएम सुब्रह्मण्यम ने मंदिर तोड़ने का आदेश जारी करते हुए कहा था कि तमिलनाडु टाउन एंड कंट्री प्लानिंग एक्ट, 1971 के तहत ओएसआर जमीन को खुला ही रखना है और इसके लिए 4 सप्ताह का वक्त दिया था।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग में शरीक हुए सीएम

योग से भारत ने विश्व कल्याण का मार्ग दिखाया : योगी

गोरखपुर, 21 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योग भारतीय मनीषा की अनुपम देन है।योग को लोक कल्याण का माध्यम बनाकर भारत ने विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। यही वजह है कि आज 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के करीब 190 देश भारतीय योग की विरासत के साथ जुड़कर गौरवान्वित हो रहे हैं। सीएम योगी 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में योगाभ्यास करने के पूर्व योग साधकों, प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि योग भारत की ऋषि परंपरा का ऐसा मंत्र है जो स्वस्थ काया के साथ स्वस्थ मस्तिष्क भी उपलब्ध कराता है। भारतीय मनीषा ने योग के महत्व को प्राचीनकाल से ही विस्तृत रूप से अवगत कराते हुए कहा है, शरीरमाद्यं खलु धर्म साधनम्। (शरीर ही धर्म के पालन का साधन है)। सीएम योगी ने कहा कि मानव जीवन के चारों पुरुषार्थ धर्म, अर्थ काम, मोक्ष की प्राप्ति स्वस्थ शरीर से ही संभव है। स्वस्थ शरीर ही संसार सांसारिक उत्कर्ष और आध्यात्मिक उन्नयन का माध्यम है। धनोपार्जन से लोक कल्याण हो, कामनाओं की पूर्ति हो या फिर मुक्ति का मार्ग, इन सबके लिए स्वस्थ शरीर ही माध्यम है। उन्होंने कहा कि धर्म पालन का साधन बनाने और चारों पुरुषार्थ की प्राप्ति के लिए शरीर को स्वस्थ रखने का कार्य योग से होता है। इसी योग को भारती ने लोक कल्याण का माध्यम बनाया और फिर इसके जरिये विश्व कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज योग के अलग-अलग आयाम देखने को मिलते हैं। भारतीय मनीषा ने योग के माध्यम से चेतना के उच्च आयाम से दुनिया को अवगत कराया। व्यक्तित्व विकास से लेकर ब्रह्मांड के रहस्यों को उद्घाटित करने तक योग के समृद्ध ज्ञान को विरासत के रूप में वेदों, उपनिषदों, पुराणों, स्मृतियों और शास्त्रों में प्रस्तुत किया।

सीएम योगी ने कहा कि योग की प्राचीन भारतीय परंपरा को आधुनिक युग में आगे बढ़ने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है। ऐसे दौर में जब बाहरी लोग योग के आसनों को पेटेंट कराने लगे थे और भारत अपनी विरासत से वंचित हो रहा था, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में पहल कर योग को वैश्विक मान्यता दिलाई। पीएम मोदी के ही प्रयास से 21 जून 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की शुरुआत हुई। आज भारत ही नहीं, दुनिया के 190 देश योग दिवस से जुड़े हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन भारत की ऋषि परंपरा के प्रति कृतज्ञापित करने और आने वाली पीढ़ी को विरासत से जोड़ने का प्रयास है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योग से बीमारियों से मुक्ति पाना संभव है। कहा भी गया है, न तस्य रोगो न जरा न मृत्युः प्राप्तस्य योगाग्रिमयं शरीरम् (योगाभ्यास से तपा हुआ शरीर रोग, जरा (बुढापा) एवं मृत्यु से मुक्त हो जाता है)। सीएम ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर महायोगी गुरु गोरखनाथ की पावन धरा पर योग के कार्यक्रम से जुड़ने के अवसर को अपने लिए सौभाग्य बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि योग का उत्साह स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के माध्यम से लोक कल्याण, समाज कल्याण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव संबोधन देखा व सुना। इसके बाद उन्होंने सभागार में उपस्थित योग साधकों व प्रशिक्षुओं के साथ योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम, ध्यान का अभ्यास किया। योग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नियमित दिनचर्या का अनिवार्य व अपरिहार्य हिस्सा है। गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक फतेह बहादुर सिंह, महेंद्रपाल सिंह, विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल सहित कई अधिकारियों, योग साधकों, प्रशिक्षुओं और जनसामान्य ने योगाभ्यास किया। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार के अतिरिक्त भवन के बाहर और मंदिर परिसर के विभिन्न हिस्सों में भी सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

योग दिवस पर वृद्धाश्रमों और सर्वोदय विद्यालयों में हुआ सामूहिक योग

लखनऊ, 21 जून (एजेंसियां)। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेश के सभी 75 जिलों में संचालित वृद्धाश्रमों और जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में विशेष योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ के तहत आयोजित इन कार्यक्रमों में बुजुर्गों, छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने सामूहिक योगाभ्यास में हिस्सा लिया। योग प्रशिक्षकों ने योग के लाभ और जीवन में इसकी महत्ता पर जागरूकता फैलाई, जिससे समाज के वंचित वर्गों को स्वस्थ और सशक्त बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाया गया।

प्रदेश के सभी 75 जिलों में संचालित वृद्धाश्रमों में रहने वाले 6,500 से अधिक बुजुर्गों ने इस अवसर पर योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में योगाभ्यास किया। वहीं, सर्वोदय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों और प्रशिक्षकों के साथ मिलकर सामूहिक योग कर निरोग जीवन का संकल्प लिया। योगी सरकार का समाज कल्याण विभाग प्रदेश के प्रत्येक जिले में 150 क्षमता वाले वृद्धाश्रम का संचालन कर रही है। इस अवसर पर वाराणसी वृद्धाश्रम में बीएचयू के योग विशेषज्ञ विनोद कुमार पटेल द्वारा सभी वृद्धजनों और स्टाफ को योग कराया गया और उन्हें नियमित योग से होने वाले लाभों की जानकारी दी गई।

महोबा के आधारशिला वृद्धाश्रम में योगाचार्य प्रेम नारायण स्वर्णकार ने विशेष सत्र का संचालन किया। बहराइच के अमीनपुर नगरौर वृद्धाश्रम में योगाचार्य अजय कुमार चौधरी, डॉ. राम गोपाल व अन्य विशेषज्ञों ने बुजुर्गों को सरल योगासन सिखाए। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षकों ने वृद्धजनों को प्रेरित किया कि वे हर दिन योग करें और स्वस्थ जीवन जिएं।

योग दिवस के अवसर पर जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में भी योग कार्यक्रमों का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। चकिया, चंदौली स्थित हेतिमपुर विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। विद्यार्थियों ने प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, वज्रासन, ताड़ासन जैसे योगासन किए। योग प्रशिक्षकों ने उन्हें एकाग्रता बढ़ाने, मानसिक तनाव को दूर करने और जीवनशैली में अनुशासन लाने की विधियां बताईं। कार्यक्रम के दौरान सभी संस्थानों में योग को जीवनशैली में शामिल करने पर बल दिया गया।

प्रशिक्षकों ने बताया कि योग न केवल शरीर को लचीला और मजबूत बनाता है, बल्कि यह मन को भी शांत करता है। विशेष रूप से बुजुर्गों और किशोरों के लिए योग दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है।

समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक कृष्ण प्रसाद ने बताया कि योग दिवस विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और सेहत को बढ़ाने की दिशा में एक सशक्त पहल है। विभाग द्वारा कक्षा 6 से 12 तक 100 सर्वोदय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें आवासीय सुविधा, गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ-साथ जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग भी दी जाती है। योगी सरकार द्वारा योग को जन-जन तक पहुंचाने और इसे रोजमर्रा की दिनचर्या में शामिल करने के प्रयासों को समाज कल्याण विभाग के माध्यम से जमीनी स्तर पर क्रियान्वित किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जैसे आयोजनों के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य और जागरूकता का संदेश पहुंचे। योग दिवस पर प्रदेश भर में समाज कल्याण विभाग की यह पहल न केवल बुजुर्गों को आत्मबल और स्वास्थ्य प्रदान कर रही है, बल्कि विद्यार्थियों को एक सकारात्मक और अनुशासित जीवन की ओर भी प्रेरित कर रही है।

गोरक्षकों ने बचाई 36 गायों की जान

यूपी की गायें ले जा रहे थे कश्मीर

मेरठ, 21 जून (एजेंसियां)। मेरठ से कश्मीर ले जाई जा रही 36 गायों को गोरक्षकों ने पंजाब में छुड़ाया। छुड़वाए गए गोवंश की हालत अत्यंत दयनीय हो चुकी थी। भयंकर गर्मी में कंटेनरों में गायों को भूंसे की तरह ठूंस-ठूंस कर रखा था। जगह इतनी कम थी कि गायें सांस भी नहीं ले पा रही थीं। ऊपर से कंटेनर को तिरपाल से सील कर रखा था।

पंजाब के रूपनगर में गो रक्षा दल पंजाब की टीम ने तीन माल वाहक वाहनों में गोवंश की तस्करी के मामले का पर्दाफाश किया। ये गोवंश मेरठ, उत्तर प्रदेश से लाए जा रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने एक बंद बाडी कंटेनर व दो कैंटर को जब्त कर लिया है। इनमें 32 गोवंश और चार बछड़ों को ठूंस-ठूंस कर भरा गया था। कंटेनर पर पीछे डाक पार्सल लिखा है। पुलिस ने पांच चालकों व सहायकों को गिरफ्तार कर इनके खिलाफ पशु क्रूरता निवारण एक्ट और काऊ स्लॉटर एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है गो रक्षा दल ने पुलिस के साथ वीरवार रात पौने बारह बजे इन मालवाहनों को रुकवाया तो इनमें गोवंश ठूंस-ठूंसकर भरे थे। कंटेनर में 13 गाये व दो बछड़े तथा दो कैंटरों में से एक में आठ गायें व दो बछड़े और दूसरे में सात गायें थीं। इन वाहनों में सांस लेने की भी व्यवस्था नहीं थी, न ही पीने के लिए पानी या खाने के लिए तूड़ी का प्रबंध था। कंटेनर में गोवंश को तिरपालों से ढंका गया था।

इससे स्पष्ट है कि गोवंशों को बूचडख़ाने ले जाने की योजना थी। इन वाहनों पर एचआर 58 नंबर अंकित है। पकड़े गए आरोपित उत्तर प्रदेश के जिला शामली के रहने वाले हैं। इनमें गांव जीआना का नदीम, गांव किराना का महबूब, गांव बनत का मोहसीन, जान मोहम्मद और इरशाद शामिल हैं। सभी गोवंशों को रूपनगर के गोशाला में रखा गया है। गो रक्षा दल के पंजाब के प्रधान निकसन कुमार ने बताया कि गोवंशों को बूचडख़ाने ले जाने के लिए पठानकोट और श्रीनगर लेकर जाना था। गोवंश की तस्करी का साजिशकर्ता बंटी पठानकोट जिले के सुजानपुर का निवासी है, जो लंबे समय से इस अवैध व्यापार में संलिप्त है।

गो रक्षा दल के पंजाब के प्रधान निकसन कुमार ने बताया कि गोवंशों को बूचडख़ाने ले जाने के लिए पठानकोट और श्रीनगर लेकर जाना था। गोवंश की तस्करी का साजिशकर्ता बंटी पठानकोट जिले के सुजानपुर का निवासी है, जो लंबे समय से इस अवैध व्यापार में संलिप्त है। इससे पहले भी बंटी को खन्ना पुलिस ने गोवंश से भरे ट्रक के साथ पकड़ा था, लेकिन तब मामला रफादफा हो गया था। रूपनगर सिटी के एसएचओ पवन चौधरी ने कहा कि बंटी की भूमिका की जांच की जाएगी और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात रहे कि पंजाब में गोवंश सरकारी लापरवाही का शिकार है, राज्य में सरकार करोड़ों रुपये गोकर के रूप में वसूलती है परंतु इसके बावजूद गोवंश सडक़ों पर भटकने को मजबूर है, जो आसानी से कसाईयों के शिकार हो जाते हैं।

नेपाल से दिल्ली की दूरी कम करेगा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे

लखनऊ/गोरखपुर, 21 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों से शुक्रवार को हुए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के भव्य लोकार्पण ने नेपाल आने-जाने वाले यात्रियों की सहूलियतें भी बढ़ा दी हैं। इसके साथ ही यूपी का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एक्सप्रेस-वे अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब पहुंच गया है, जहां से यात्रियों को वाया पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, आगरा एक्सप्रेस-वे और यमुना एक्सप्रेस-वे नई दिल्ली तक की यात्रा बेहद सुखद हो जाएगी। 91 किलोमीटर लंबा फोरलेन एक्सप्रेस-वे गोरखपुर से आजमगढ़ तक फैला है और नेपाल की अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह मार्ग नेपाल से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए सुगमता और सामरिक दृष्टि से भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। साथ ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार को भी इससे अत्यंत लाभ होगा।

नेपाल आने जाने वाले यात्रियों के लिए यह एक्सप्रेस-वे एक वरदान है। गोरखपुर, जो आगे महाराजगंज में सोनौली बॉर्डर के जरिए नेपाल से जुड़ा है, नेपाल से आने और नेपाल जाने वाले पर्यटकों और तीर्थयात्रियों का प्रमुख प्रवेश द्वार है। इसके साथ ही यह एक्सप्रेस-वे नेपाल से बीमारी का इलाज कराने आने वाले रोगियों और उनके तीमारदारों के लिए भी वरदान साबित होगा। यह एक्सप्रेस-वे गोरखपुर से लखनऊ तक का सफर केवल साढ़े तीन घंटे में पूरा करेगा, जिससे नेपाल से आने वाले लोग आसानी से उत्तर प्रदेश की राजधानी और वहां से दिल्ली, आगरा जैसे शहरों तक पहुंच सकेंगे। सोनौली बॉर्डर से गोरखपुर तक बस या टैक्सी से पहुंचने वाले यात्रियों को अब पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के साथ यह मार्ग तेज और सुरक्षित कनेक्टिविटी देगा। इससे लुंबिनी, पोखरा और काठमांडू जैसे स्थानों से भारत आने वाले पर्यटकों को समय की बचत होगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

सामरिक दृष्टि से यह एक्सप्रेस-वे भारत-नेपाल सीमा के नजदीक होने के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। गोरखपुर से 100 किलोमीटर दूर नेपाल सीमा के समानांतर यह मार्ग भारत की सीमा सुरक्षा को मजबूत करेगा। आपात स्थिति में सैन्य बलों और संसाधनों की त्वरित तैनाती में यह सहायक होगा। साथ ही, यह भारत-नेपाल व्यापार को गति देगा, क्योंकि नेपाल अपनी आयात आवश्यकताओं के लिए भारत पर निर्भर है। आगे चलकर यह एक्सप्रेस-वे गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे, जो नेपाल सीमा के और करीब होगा, इस मार्ग के साथ मिलकर क्षेत्र में व्यापार और कनेक्टिविटी के साथ ही सामरिक दृष्टि से भी भारत को और सशक्त करेगा। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे योगी सरकार की उस नीति का हिस्सा है, जिसने उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेस-वे प्रदेश बनाया है।

यूनेस्को धरोहर में शामिल हुआ 1.4 अरब साल पुराना फॉसिल

सोनभद्र, 21 जून (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे पुराने सलखन के 1.4 अरब साल पुराने फॉसिल्स (पार्क) को विश्व धरोहरों की सूची में शामिल करने में बड़ी सफलता मिली है। यूनेस्को की विश्व धरोहरों की संभावित सूची में शामिल कर लिया गया है। यूनेस्को की वेबसाइट और एक्स हैंडल पर इसकी जानकारी दी गई है। आगे विश्व धरोहर समिति इसका आकलन करेगी और आगे निर्णय लेगी।

विश्व धरोहर घोषित होने से सोनभद्र जिले को और सलखन को पर्यटन के क्षेत्र में नया आयाम मिलेगा। दुनिया भर के लोग सलखन के 1.4 अरब साल पुराने फॉसिल्स पार्क को देखने पहुंचेंगे। नए रोजगार का सृजन होगा। सलखन का फॉसिल्स पार्क 25 एकड़ में फैला हुआ है। कैमूर वन्यजीव अभ्यारण्य के मध्य स्थित इस पार्क में लगभग 1.4 अरब साल पुराने जीवाश्मों का समृद्ध भंडार है। भू वैज्ञानिकों का दावा है कि यहां दुनिया के सबसे पुराने संरक्षित जीवाश्म हैं। ये जीवाश्म पृथ्वी के प्रारंभिक चरण में जीवन के उत्पत्ति के महत्वपूर्ण जानकारियों को समेटे हुए हैं।

यूनेस्को प्रतिनिधि मंडल में शामिल बीएचयू के डॉ राणा प्रवीण ने बताया कि भारत की ओर से प्रतिनिधिमंडल द्वारा तीन श्रेणियों में देश के 63 स्थलों को विश्व धरोहर घोषित करने का प्रस्ताव पेश किया है। 50 सांस्कृतिक और दस प्राकृतिक श्रेणी के स्थल शामिल है और तीन मिश्रित श्रेणी के स्थल शामिल हैं।सलखन का फॉसिल्स पार्क प्राकृतिक श्रेणी में रखा गया है।

16 जिलों में 144 औद्योगिक प्लॉट्स की होगी मेगा ई-नीलामी

लखनऊ, 21 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के 16 जिलों में 144 औद्योगिक प्लॉट्स के आवंटन के लिए मेगा ई-नीलामी करने जा रही है। सीएम योगी का स्पष्ट निर्देश है कि प्रदेश में नए उद्यम लगाने के लिए इच्छुक उद्यमियों को औद्योगिक प्राधिकरणों द्वारा न केवल भूमि उपलब्ध करायी जाए, बल्कि यह सुनिश्चित किया जाए कि पारदर्शी तरीके से प्रक्रिया को पूरा किया जाए। ऐसे में, उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) द्वारा मेगा ई-नीलामी की जो स्कीम पेश की गई है उसके जरिए 300 स्क्वेयर मीटर से लेकर 13,197 स्क्वेयर मीटर तक के प्लॉट्स के आवंटन की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा।

इस प्रक्रिया के जरिए मथुरा, मैनपुरी, शाहजहांपुर, हमीरपुर, जालौन, झांसी, फतेहपुर, कानपुर, बांदा, बागपत, उन्नाव, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, हापुड़, वाराणसी व अमेठी में औद्योगिक भूखंड आवंटन का मार्ग प्रशस्त होगा। उल्लेखनीय है कि इसमें से बागपत में चिह्नित 5097.10 वर्ग मीटर का प्लॉट उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन नीति (यूपीआईआईईपीपी-2022) के अंतर्गत इन्वेस्ट यूपी अनुमोदित मेगा प्रोजेक्ट के लिए आरक्षित है। इन सभी प्लॉट्स के रिजर्व प्राइस तय हैं तथा इनके लिए 5 जुलाई तक आवेदन किया जा सकता है। सभी आवेदनों में से पात्र आवेदनों को चिह्नित कर 11 जुलाई को होने वाली मेगा ई-नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा जिसके जरिए वह संबंधित प्लॉट्स की बोली लगा सकेंगे।

यूपीसीडा द्वारा तैयार की गई मेगा ई-नीलामी प्रक्रिया में प्रदेश के 16 जिलों में कुल 144 औद्योगिक भूखंडों की नीलामी का मार्ग प्रशस्त होगा। इसमें सर्वाधिक 33 प्लॉट्स अमेठी में नीलामी के लिए उपलब्ध होंगे। इसमें आईआईडीसी बंथरा में 300 स्वेंयर मीटर के प्लॉट्स सबसे छोटे हैं जिसमें प्रत्येक की रिजर्व प्राइस 16.47 लाख रुपए है। यहां पर लेदर गुड्स मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना हो सकेगी। जबकि सबसे बड़ा प्लॉट 13,197 स्क्वेयर मीटर का है जो कि कानपुर के मलवां स्थित है जिसकी रिजर्व प्राइस 3.74 करोड़ रुपए है और इसका उपयोग सामान्य कैटेगरी के औद्योगिक इकाई लगाने में हो सकेगा। प्रक्रिया के जरिए मथुरा में 14, मैनपुरी में 11, शाहजहांपुर में 9, हमीरपुर में 9, जालौन में 8, झांसी में 4, पतेहपुर में 15, कानपुर में 9, बांदा में 3, उन्नाव में 7, सहारनपुर में 8, मुजफ्फरनगर में 4, हापुड़ में 7 तथा वाराणसी में 2 औद्योगिक प्लॉट्स की ई-नीलामी प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा जिससे नए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा।

यूपीसीडा द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार, मेगा ई-ऑक्शन में भाग लेने के लिए सभी इच्छुक आवेदनकर्ता कैटलॉग फीस, प्रोसेसिंग फीस व ईएमडी भुगतान 4 जुलाई तक कर सकते हैं। जबकि, सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 5 जुलाई निर्धारित की गई है। इन सभी आवेदन की स्क्रीनिंग करने के बाद पात्र आवेदनकर्ताओं को 11 जुलाई को होने वाली मेगा ई-नीलामी में हिस्सा लेकर बोली लगाने का मौका मिलेगा।

प्रपत्र डाउनलोड व पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और सारी प्रक्रिया ऑनलाइन ही पूरी की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए यूपीसीडा की आधिकारिक वेबसाइट और निवेश मित्र पोर्टल पर लॉगिन किया जा सकता है।

ये आदतें नष्ट कर देती हैं शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता

आदतें ही होती हैं जो हमारे जीवन, सेहत और चरित्र आदि का निर्माण करती हैं। स्वस्थ रहने के लिए आपको एक आदर्ष जीवशैली और अच्छी आदतों का पालान करना होता है। जिसमें नियमित व्यायाम व पौष्टिक आहार आदि शामिल होते हैं। इस तरह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और शरीर रोगों से दूर रहता है। वहीं हमारी जीवनशैली से जुड़ी खराब आदतें हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं। लेकिन कुछ खराब आदतें ऐसी भी होती हैं, जिनसे शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता खतम हो जाती है।

अकसर जाने-अनजानें हमारी कई आदतें हमें कई रोगों की ओर ढ़केल देती हैं। इन आदतों के चलते शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और शरीर बीमारियों से लड़ नहीं पाता है और बीमारियों के बैक्टीरिया और वाइरस शरीर की प्रणाली पर हमला कर आसानी से उसे खराब करने लगते हैं। इसमें से कई आदतों के बारे में तो हमें पता ही नहीं चलता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता कम करने वाली आदतें

- लगातार देर तक धूप में रहने से इम्यून पावर कमजोर हो सकती है। यूं तो सुबह की ताजी सूरज की रोशनी से शरीर को विटामिन डी मिलता है जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है लेकिन बहुत ज्यादा तेज धूप में रहने से त्वचा को नुकसान हो सकता है और त्वचा कैंसर तक की समस्या हो सकती है।
- बहुत ज्यादा तनाव से भी रोग प्रतिरोधक क्षमता घटने लगती है। तनाव होने पर शरीर में कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है जिससे इम्यूनिटी तो कमजोर होती ही है, साथ ही पाचन क्रिया भी पूरी तरह से गड़बड़ा जाती है।
- साफ-सफाई के प्रति लचर व्यवहार भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को नाकारात्मक तरीके से प्रभावित करता है। शरीर का साफ-सफाई पर ध्यान ना देने से हानिकारक कीटाणु शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। जिससे कई बीमारियों और इंफेक्शन हो जाते हैं। साथ ही बहुत ज्यादा शराब का सेवन या धूम्रपान भी शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है।
- जाने-अनजाने में ही सही लेकिन खाने की गलत आदतें और बदपरहेजी धीरे धीरे रोग प्रतिरोधक त्क्षमता को खत्म करती हैं और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का कारण भी बन सकती हैं। एक ताजा शोध के अनुसार तो डिब्बाबंद और माइक्रोवेव में बनाए खाद्य को खाने से कैंसर सहित कई गंभीर बीमारी हो सकती हैं। इसके अलावा पर्याप्त नींद न लेने से ये दिमाग व पाचन क्रिया को सीधे-सीधे प्रभावित करती है। और इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घटती है। इसलिए समय से सोएं और पूरी नींद लें। नियमित एक्सरसाइज करें और अच्छा भोजन करें। इस तरह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी और रोग आपको छू भी नहीं पाएंगे।

लैवेंडर तेल और बर्न्स - क्या फायदे हैं?

लैवेंडर तेल के उपयोग करने का मुख्य लाभ, प्राकृतिक रूप से त्वचा के जलने का उपचार है। हालांकि बाजार में कई तरह की बर्न क्रीम मिलती है, लेकिन उनमें से ज्यादातर में हानिकारक केमिकल मौजूद होते हैं। अगर आप अपने स्वास्थ्य और भलाई की परवाह करते हैं तो आवश्यक तेल जैसे लैवेंडर त्वचा के जलने के उपचार के लिए एक बढ़िया घरेलू उपाय हो सकता है।

मोटापा कम करने के लिए मुद्राएं

मोटापा ऐसी समस्या है जो अपने साथ कई तरह की बीमारी लेकर आती है। समय रहते काबू पाना बहुत जरूरी है। मोटापा कम करने में योग बहुत कारगर होता है। योगासनों के जरिए आप आसानी से मोटापा कम कर सकते हैं। मोटापे को दूर करने के लिए पृथ्वी मुद्रा का प्रयोग किया जाता है। और दूसरी मुद्रा है अपान वायु मुद्रा। इनका अभ्यास नियमित रूप से कम से कम 15 से 45 मिनट तक करेंगे, तभी इनका फायदा मिलेगा।

खुशखबरी देने का सही समय है बारहवां हफ्ता

गर्भावस्था का बारहवां हफ्ता यानी गर्भवर्ती महिला दूसरी तिमाही में प्रवेश करने वाली है। अब गर्भपात का जोखिम न के बराबर है। यदि मां बनने वाली महिला दोस्तों और रिश्तेदारों को यह खुशखबरी नहीं दी है तो अब उन्हें यह खबर दे सकती हैं। दूसरी तिमाही में प्रवेश करने पर महिलाएं राहत महसूस करती हैं। अब उन्हें जल्द ही मां बनने का अहसास मन ही मन खुशी देता है। इस समय कुछ महिलाओं का बेबी बंप दिखाई देने लगता है, जब्कि कुछ का दिखाई भी नहीं देता। यदि गर्भवर्ती महिला के अंदर कोई शारीरिक बदलाव नहीं हो रहा तो परेशानी होने की काई बात नहीं है। आंतरिक परिवर्तन लगातार जारी हैं।

बच्चे का विकास

दूसरी तिमाही में प्रवेश कर लिया है, अब बच्चे के विकास में तेजी आएगी। मस्तिष्क हार्मोन का उत्पादन शुरू करेगा और तंत्रिका कोशिकाएं भी जल्द बढ़ेंगी। गर्भ में पल रहा शिशु तरल पदार्थ को चूसना और आहार को निगलना शुरू कर देगा। सब कुछ सही रहने पर शिशु की लंबाई और आकार में परिवर्तन होता रहेगा।

बच्चे की मुठ्ठी, खोलने और बंद करने की प्रक्रिया भी अब शुरू होने लगती है। समय समय पर बच्चे के होठ और भौंहे सिकुड़ने लगते हैं। आंखें और कान चेहने के अनुपात में विकसित होने शुरू हो जाता हैं। हफ्तों और महीनों का समय बीतने के साथ शिशु की बनावट में और भी बदलाव आने लगता है।

शरीर में परिवर्तन

गर्भावस्था के बारहवें सप्ताह के दौरान बच्चे की स्थिति में होने वाले परिवर्तन के कारण गर्भाश्य के आकार में भी परिवर्तन दिखाई देगा। अब मां का पेट पहले से बड़ा होना शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही वजन में दो से तीन पाउंड की वृद्धि हो जाएगी। त्वचा के रंग में भी कुछ परिवर्तन होगा। यदि त्वचा पर दाग हैं तो ये गर्भावस्था के दौरान और गहरे हो सकते हैं। कुछ महिलाओं में पेट के केंद्र से एक गहरे रंग का रेशा दिखाई देना शुरू हो सकता है, यह शिशु के जन्म के बाद गायब भी हो सकता है।

हर महिला के गर्भावस्था के दौरान अलग-अलग लक्षण होते हैं, इसलिए यदि किसी महिला के लक्षण किसी से भिन्न हैं तो चिंता की बात नहीं है। गर्भावस्था के बारहवें सप्ताह में मां बनने वाली महिला के दिल में जलन भी अधिक हो सकती है। इसमें कमी लाने के लिए दिन भर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में आहार लें। चिकित्सक से ऐसे खाद्य पदार्थ के बारे में जानकारी करें, जिनके सेवन से दिल में जलन न हो। यह समय मोलर गर्भावस्था का हो सकता है। इस समय नाल ठीक से विकसित नहीं होती। धब्बे या योनि से खून बहता दिखाई दे सकता है। इस तरह की परेशानी होने पर बिना किसी लापरवाही के चिकित्सक से परामर्श करें। इस तरह की परेशानी गर्भपात का कारण भी बन सकती है।

क्या उम्मीद की जाती है

दूसरी तिमाही में जाने पर गर्भपात का जोखिम काफी कम हो गया है। सुबह को होने वाली परेशानी, थकान और मितली जैसी दिक्कतें भी कम होंगी। पहले से अच्छा महसूस कर रही होगी। आपके हार्मोन बच्चे के विकास के साथ समायोजन कर रहे हैं और सब अच्छी तरह से चल रहा होना चाहिए। त्वचा सूर्य के प्रकाश के प्रति अतिसंवेदनशील बनी महसूस हो सकती है। इस समय त्वचा पर दाग या काले धब्बे बन सकते हैं। धूप में जाने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल फायदेमंद रहेगा। संतुलित आहार योजन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं रखें। जो महिलाएं पहले गर्भवती रह चुकी हैं, उनसे बात करें और उनके अनुभवों को जानने की कोशिश करें। अपने और बच्चे के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए समय-समय पर चिकित्सक से मिलते रहें।

सुझाव / सलाह

सफलता पूर्वक पहली तिमाही पूरी कर ली है। अब दूसरी तिमाही की शुरूआत हो चुकी है। पहले के मुकाबले शारीरिक व मानसिक रूप से बेहतर महसूस कर रही हैं। यदि आने वाले दिनों में गर्भवर्ती महिला को यात्रा करने का विचार बन रहा है तो उसके लिए यह समय बेहतर है। सुबह को होने वाली परेशानी से भी राहत मिलेगी। दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने वाली बधाईयां आपकी खुशी को दोगुना कर देंगी। अन्य महिलाओं की गर्भावस्था के दौरान की बातों को सुनकर उनसे अपने अनुभवों की तुलना न करें। जरूरी नहीं कि हर महिला की गर्भावस्था के दौरान का अनुभव एक जैसा ही हो। यदि इस सबके बाद मन में अगर कोई प्रश्न है तो चिकित्सक से परामर्श करना अच्छा रहेगा।

गर्भावस्था के बारहवें हफ्ते में

- पहली तिमाही के मुकाबले गर्भवर्ती महिला को कम थकान और मितली भी कम आएगी। इस समय कोशिश करें कि तनाव न लें। इससे ऊर्जा स्तर में वृद्धि होगी।
- अब एरोबिक्स एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में लागू कर सकती हैं। इसके लिए यह सही समय है।
- अपनी दिनचर्या में हल्की एक्सरसाइज को शामिल करें, इससे मां और गर्भस्थ शिशु दोनों ही स्वस्थ रहेंगे।

कैंसर से लड़ने में मददगार हैं ये जादुई फूल

कैंसर रोग पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी समस्या बना हुआ है। कैंसर के तेजी से बढ़ते मामले और जटिल इलाज के चलते लोगों के लिए यह रोग काफी डरावना बन चुका है। इसका बारे में बात करने से भी लोग घबराते हैं। शोध बताते हैं कि कैंसर दुनिया भर में हर साल हज़ारों मौतों का कारण बनता है। यह दरअसल शरीर में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि होती है, जो ऊतकों को मार देती हैं और अंततः शारीरिक प्रणाली को नष्ट कर देती हैं। कैंसर मानव प्रणाली के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है। कैंसर के सबसे आम प्रकार में स्तन कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, पेट के कैंसर, ल्यूकेमिया, प्रोस्टेट कैंसर व लिम्फोमा आदि शामिल होते हैं। लेकिन ऐसा भी माना जाता है कि कुछ प्राकृतिक औषधियों की मदद से भी कैंसर का इलाज किया जा सकता है। चलिए इस विषय के बारे में विस्तार से जानने का प्रयास करते हैं। जैसे कि माना जाता है कि डेंडलाइन का फूल कैंसर के उपचार में मददगार होता है।

कैंसर का इलाजः हालांकि कैंसर के कई प्रकारों का इलाज करना संभव होता है, लेकिन इस बीमारी के दोबारा होने का भी बड़ा जोखिम रहता है, जिसके चलते ये बीमारी और भी घातक हो जाती है। इस रोग के साथ इलाज के स्थायी होने की कोई गारंटी नहीं होती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य संगठनों और अनुसंधान केन्द्रों द्वारा कैंसर के लिए एक स्थायी समाधान खोजने के प्रयास में हर साल लाखों-करोड़ों रुपए खर्च किया जा रहे हैं। हालांकि कैंसर के इलाज के लिये दवाएं, कीमो थेरेपी तथा जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन आदि कि मदद से कैंसर के उपचार और बचाव को प्रभावी बनाया जा सकता है। ऐसा भी माना जाता है कि कैंसर के उपचार और रोकथाम के लिए प्राकृतिक नुस्खों की मदद भी ली जा सकती है। डेंडलाइन का फूल जिसे कामफूल के नाम से भी जाना जाता है, के फूल के बारे में भी ऐसा माना जाता है कि इसमें कैंसर से लड़ सकने वाले असाधारण औषधीय गुण होते हैं।

कैंसर से लड़ने की क्षमताः डेंडलाइन का फूल, खासतौर पर इसकी जड़ में असंख्य विटामिन और खनिज होते हैं, जोकि मानव प्रणाली को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक होते हैं। डेंडलाइन का फूल विटामिन डी, सी और बी, आयरन, सिलिकॉन, जिंक व पोटेशियम आदि पोषक तत्वों का शरीर में संचार करता है। इन सबके मनुष्य के लिए विभिन्न स्वास्थ्य लाभ होते हैं। यह फूल कोशिकाओं को पोषण देता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। इसके साथ - साथ डेंडलाइन कब्ज, गुर्दे और यकृत रोग, पीलिया, वायरल फ्लू, आदि को भी दूर कर सकता है। यह फूल नई बनी मां के दूध का उत्पादन भी कुशलता से बढ़ा सकता है। डेंडलाइन के फूल को एक उत्कृष्ट रक्त शोधक भी माना जाता है, जो कि चयापचय दर को ठीक बनाए रखने और रक्त विकारों को रोकने में मदद करता है। इस सभी स्वास्थ्य लाभों के साथ डेंडलाइन में कैंसर से लजडने की काबिलियत बी होती है।

विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों से पता चलता है कि डेंडलाइन की जड़ में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कर सकने वाले गुण होते हैं।

जानें पोकवीड केब हर्ब्स के गुणों के बारे में

पोकवीड एक बारहमासी जड़ीबूटी है, जो पूर्वी उत्तर अमेरिका का मूल निवासी है और दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है। इसके बेरीज् और सूखी जड़ों का इस्तेमाल हर्बल उपचार में किया जाता है। पोकवीड सप्लीमेंट अर्क, टिंचर, पाउडर और पुलटिस के रूप में उपलब्ध है। पोकवीड के लिए कोई मानक खुराक निश्चित नहीं हैं।

पोकवीड के गुण

पोक एंटीबायोटिक, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-रूमेटिक, एंटी-स्कर्वीजनक, एंटी-सिफिलिटिक और एंटी-ट्यूमर के रूप में कार्य करता है। इस संयंत्र के कुछ हिस्सों जैसे बेरीज् और जड़ों को हर्बल उपचार के लिए उपयोग किया जाता है। पोकवीड एक तीखी कड़वी जड़ी-बूटी है जो प्रतिरक्षा और लसीका प्रणालियों के कार्य में मददगार होती है।

बीमारियों के लिए पोकवीड

पोकवीड की जड़ का इस्तेमाल दर्दनाक मसल्स, जोड़ों (गठिया) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही यह नाक, गला, और सीने में सूजन के अलावा टांसिलाइटिस, कर्कश गले, लसीका ग्रंथियों की सूजन, ब्रेस्ट में दर्द और सूजन किया जाता है। परंपरागत रूप से, हालांकि, पोकवीड जड़ का इस्तेमाल कभी कभार ही करना चाहिए। अमेरिका के मूल निवासी पोकवीड का चिकित्सा के रूप में इसकी जड़ का सबसे आम उपयोग उल्टी को प्रेरित करने के लिए रेचक के रूप में होता है। बेरीज् को भोजन में रंग एजेंट के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है, और वास्तव में अभी भी खाद्य उद्योग में इसका प्रयोग किया जाता है। जब इसे कच्चा खाया जाता है तो संयंत्र द्वारा उत्पादित एंजाइम जैसे लेक्टिंस लाल रक्त कोशिकाओं आपस में जुड़ जाती है। लेक्टिंस चिपकने वाले प्रोटीन हैं। ऐसे लेक्टिंस जो ब्लड टाइप के साथ मेल नहीं खाते, शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। भोजन से आने वाले कई लेक्टिंस हानिकारक नहीं होते हैं, लेकिन थोड़ा बहुत असर होता है। अगर ये लेक्टिंस ब्लड ग्रुप के साथ मेल नहीं खाता, तो शरीर में जलन, सूजन हो सकती है। पोकवीड को अवसादरोधी दवाओं, डिसुलफिरम, ओरल गर्भ निरोधकों और प्रजनन की दवाएं ले रहे लोगों को द्वारा प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। हमेशा किसी भी जड़ी बूटियों कको लेने से पहले अपने चिकित्सक और फार्मासिस्ट बताओ।

महिलाओं के लिए पोकवीड

पोकवीड महिलाओं की कई विशिष्ट बीमारियों को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एंडोमेट्रिओसिस, पोकवीड के निर्धारित उपयोग के साथ हटाया जा सकता है। पीरियड्स से पहले ब्रेस्ट और पेट में दर्द को भी इसके इस्तेमाल से दूर किया जा सकता है। पोकवीड की जड़ में थोड़ी सी मात्रा मे तेल मिलाकर पेट पर हल्के हाथों से रगड़ने से आराम मिलता है। वैकल्पिक रूप से टिंचर की कम खुराक इस्तेमाल की जानी चाहिए। इन्टर्स्टिशल सिस्टाइटिस एक और भड़काऊ बीमारी है जिसे इसी टिंचर से ठीक किया जा सकता है। बवासीर के दर्द को भी इसकी जड़ों के सत्व से ठीक किया जा सकता है।

पोकवीड को इस्तेमाल कैसे करें

परंपरागत रूप से, पोकवीड के लाल पत्तों को लाकर पानी में उबलकर, अच्छे से निचोड़कर निकाल लें। फिर एक बार और उबला लें। ऐसा कम से कम तीन बार करना चाहिए और हर बार पानी को बाहर फेंक देना चाहिए। इन उबले हुए पत्तों का इस्तेमाल सलाद के रूप में या चाय के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा, यंग शूट को शतावरी के विकल्प के रूप में भी खाया जा सकता है। बेरीज् से रेड जूस निकाल कर फिर इसे पकाया जाता है। इस जूस का इस्तेमाल पाइ बनाने के लिए किया जाता है। इसका इस्तेमाल अन्य जूस में जेली बनाने के लिए भी किया जाता है। पोकवीड के किसी भी हिस्से को कच्चा, असंसाधित नहीं खाया जा सकता है।

अर्थराइटिस

पुराने दिनों से, रूमेटाइड अर्थराइटिस से जुड़े दर्द और सूजन को दूर करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए टिंचर उपयोगी है। वैकल्पिक रूप से एक या दो सूखी बेरी लेकर उसे पूरा ही खा लें। बहुत कम मात्रा में टिंचर का इस्तेमाल सिर दर्द को कम करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए।

प्रतिरक्षा प्रणाली में मजबूती

पोकवीड में प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित रोगों के इलाज की क्षमता भी होती है, क्योंकि इसमें एंटी एड्स दवा के गुण और क्षमता होती है। यह प्रचुर मात्रा में टी-कोशिकाओं पर परस्पर प्रभाव डाल प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

श्वसन संक्रमण का इलाज

पोकवीड के काढ़े का सामान्यत गले में दर्द और टांसिलाइटिस, ग्रसनीशोथ, अपच जैसे श्वसन संक्रमण के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है, यह ग्रंथियों की सूजन और पुराने संक्रमण के इलाज में भी कारगर है।

कैंसर का इलाज

जल्द ही पोकवीड ने कैंसर का इलाज करने की क्षमता हासिल कर लोक्रिपयता प्राप्त कर ली है, विशेष रूप से स्तन और गर्भाशय के कैंसर के लिए। शोधों से पता चला है कि कैंसर की प्राकृतिक चिकित्सा के लिए यह जड़ी-बूटी बहुत ही फायदेमंद है। पोक की जड़ एंटीटॉक्सिन थेरेपी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो कुछ प्रकार के ट्यूमर विकास में बाधा उत्पन्न करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

रेसिपी

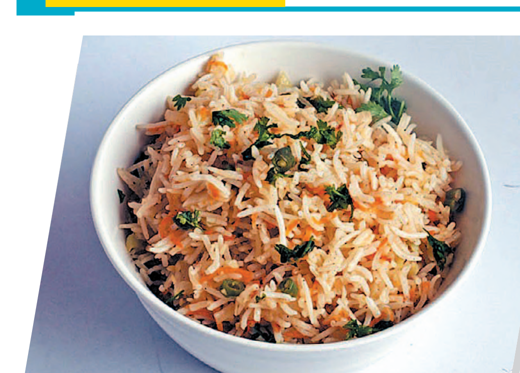

बटर गार्लिक फ्राइड राइस

सामग्री

दो कप पके हुए चावल, लहसुन की 6 कलियां बारीक कटी हुई, आधा कप हरा लहसुन बारीक कटा हुआ, एक प्याज बारीक कटा हुआ, एक बड़ी चम्मच फ्रेंच बींस बारीक कटी हुई, आधा कप पत्तागोभी बारीक कटी हुई, आधा कप फूलगोभी बारीक कटी हुई, एक गाजर छीलकर कद्दूकस कर लें, एक बड़ा चम्मच लहसुन का पेस्ट, दो बड़े चम्मच मक्खन, स्वादानुसार नमक

विधि

गैस पर नॉन स्टिक पैन में मक्खन गर्म करें। इसमें लहसुन और प्याज डालकर मध्यम आंच पर एक मिनट तक फ्राई करें। अब पैन में फ्रेंच बींस, फूलगोभी, पत्तागोभी, गाजर और नमक डालकर मिक्स करें। अब पके चावल, लहसुन का पेस्ट और थोड़ा पानी छिड़ककर इन्हें मिलाएं। अब हरा लहसुन डालकर इसे मिक्स करें। फिर पैन को ढक दें और धीमी आंच पर इसे 3 से 4 मिनट तक पकाएं। गैस को बंद करे 2 मिनट बाद पैन का ढक्कन खोलकर चावल को अच्छी तरह चलाएं। तैयार है बटर गार्लिक फ्राइड राइस। इन्हें प्लेट में निकालकर गर्मागर्म सर्व करें।

चिल्ली पनीर

सामग्री

पनीर - 300 ग्राम, ग्रीन कैप्सीकम - 1 (कटी हुई), रैड कैप्सीकम - 1 (कटी हुई), कार्न फ्लोर - 3-4 स्पून, टमाटो सास - 1/4 कप, तेल- 3 -4 चम्मच, सिरका-2 छोटी चम्मच, सोया सास- 2 छोटी चम्मच, चिल्ली सास- 2 छोटी चम्मच, हरी मिर्च - 2-3 (छोटी काटी हुई), अदरक - 1 इंच टुकड़ा (कद्दूकस), नमक स्वादानुसार, काली मिर्च पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, चिल्ली फ्लेक्स -1/4 छोटी चम्मच, अजीनो मोटो-2 पिंच, पोदीना के पत्ते- 12

विधि

पनीर क्यूब्स को एक बाउल में रखें, उसमें डालें नमक, अदरक-लसहुन पेस्ट, मैदा, 1 छोटा चम्मच टोमाटो चिल्ली सॉस और अच्छे से मिलाएं। हरे प्याज को मोटा-मोटा काटें। एक नॉन स्टिक पैन में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें। लाल मिर्चों के छोटे टुकड़े करके उनके बीज निकालें और पैन में डालें। फिर हरे प्याज डालकर भूने। पैन में शिमला मिर्चें डालें और अच्छी तरह मिलाएं। नमक डालकर कुछ देर पकाएं। 1 बड़ा चममच टोमाटो चिल्ली सॉस डालें और 2 मिनिट तक पकने दें फिर आंच बुझा दें। पनीर के क्यूब्स को पैन में डालें और अच्छी तरह मिलाएं। गारमागरम परोसें।

जिज्ञासा

कुदरती गीजर क्या हैं?

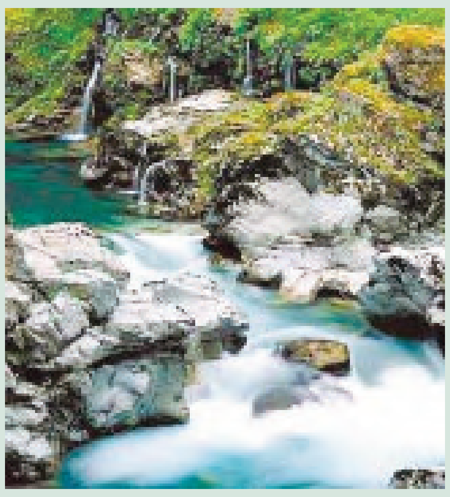

आपने गर्म पानी के चश्मों के बारे में किसी ना किसी से जरूर सुना होगा। कहीं ना कहीं से आपने यह बात जरूर सुनी होगी कि फलां जगह से गर्म पानी के चश्मे फूटते हैं। पर क्या आपने सोचा है कि इस पानी को प्राकृतिक रूप से गर्म कौन कर देता है। या यह कुदरती गीजर क्या हैं, जिनके कारण धरती के जीतर से निकलने वाला पानी गर्म हो जाता है?

आपने घरों में लगे गीजर तो देखे ही हैं। यह पानी गर्म करने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इसी प्रकार गीजर एक प्रकार का गर्म पानी का स्रोत होता है, जो समयसमय पर धरती के कुछ हिस्सों में फूटता है। इसमें से गर्म पानी और भाप निकलती है। गीजर के लिए अनुकूल जल भौमिकी की आवश्यकता होती है, जो पृथ्वी के कुछ ही स्थानों पर मौजूद है। असल में पृथ्वी की सतह का पानी जमीन के अंदर जाकर जमा होता है और ऐसी चट्टान से टकराता है, जो मैग्मा से तप रही हो। इससे पानी गर्म होने लगता है और फिर ऊपर उठता है और किसी चट्टान की दरार से होकर बाहर फूट पड़ता है।

दुनिया में कोई एक हजार गीजर हैं, जिनमें से आधे अमरीका के यैलोस्टोन नैशनल पार्क में हैं। गर्म पानी का इस्तेमाल करने के लिए बिजली की जिस मशीन (गीजर) का इस्तेमाल होता है, उसका नाम भी शायद इसी पर पड़ा होगा। चूंकि जमीन से फूटने वाले गर्म पानी के इन चश्मों को वैज्ञानिक भाषा में गीजर ही कहा जाता है।

जानें अपने देश को...

भारत को कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था। इसने दुनिया को बहुत कुछ दिया। आइए इसके बारे में कुछ और तथ्यों पर नजर डालें–

- सबसे प्राचीन उपचार प्रणाली आयुर्वेद है। आयुर्वेद की खोज 2500 साल पहले भारत में ही की गई थी।

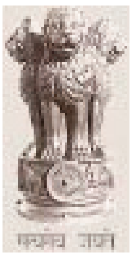

- बीजगणित और रेखा गणित की खोज भी भारत की धरती पर ही हुई।
- अब यह भी साबित हो चुका कि विश्व प्रसिद्ध खेल शतरंज की खोज भी भारत में ही हुई थी।
- हिंदू, बौद्ध, जैन अथवा सिख धर्मों का उदय भी यहीं हुआ।
- कम्प्यूटर के लिए सबसे उपयु त भाषा भी संस्कृत ही मानी है, जो प्राचीन भारत की बोलचाल की भाषा हुआ करती थी।
- अंकगणित का आविष्कार 100 ईसा पूर्व भारत मे हुआ था।
- हमारी संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी मानी जाती है। यूरोपीय भाषाएं भी संस्कृत पर आधारित मानी जाती है।
- संसार का प्रथम विश्वविद्यालय 700 ईपू तक्षशिला में स्थापित की गई थी। फिर चौथी शताब्दी में नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना की गई।
- 5000 वर्ष पूर्व जब अन्य संस्कृतियां खानाबदोश व वनवासी जीवन जी रही थीं, तब भारतीयों ने सिंधु घाटी की सभ्यता में हड़प्पा संस्कृति की स्थापना की।
- महर्षि सुश्रुत सर्जरी के आविष्कारक माने जाते हैं। 2600 साल पहले उन्होंने अपने समय के स्वास्थ्य वैज्ञानिकों के साथ प्रसव, मोतियाबिंद, कृत्रिम अंग लगाना, पत्थरी का इलाज और प्लास्टिक सर्जरी जैसी कई तरह की जटिल शल्य चिकित्सा के सिद्धांत प्रतिपादित किए।

फॉरबिडन सिटी

फॉरबिडन सिटी में सिर्फ सम्राट के परिवार के सदस्य या उनके संबंधी ही प्रवेश कर सकते थे, आम जनता को यहां आने की मनाही थी। दुनिया की नजरों से दूर रहने के कारण ही विदेशियों ने इसे नाम दिया- फॉरबिडन सिटी यानी वर्जित शहर..

फॉरबिडन सिटी मिंग सम्राज्य से लेकर किंग साम्राज्य के अंत तक लगभग 500 साल तक चीन के सम्राटों का शाही महल और चीनी सरकार की राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र रही है। 1987 में इसे यूनैस्को द्वारा वर्ल्ड हैरिटेज साइट घोषित कर दिया गया। बीजिंग के मध्य में स्थित फॉरबिडन सिटी को अब पब्लिक –यूजियम बना दिया गया है। इसका सरकारी नाम 'पैलेस –यूजियम' है, जिसे देखने दुनियाभर से लाखों लोग आते हैं।

चीन में बीजिंग के लोग उस 'पर्पल सिटी' को देखकर आश्चर्यचकित होते थे, जो उनसे चालीस फुट ऊंची दीवार के पीछे छुपा कर रखी गई थी, जहां उनके सम्राट रहा करते थे। किसी धूप खिले दिन में जो उन्हें दिखता था, वह थी हल्के बैंगनी रंग की टाइलों वाली इसकी छतें। किसी भी आम व्यक्ति को वहां काम करने की इजाजत नहीं थी, शहर के साधारण लोगों को कभी महल के भीतर आने के लिए निमंत्रण नहीं मिलता था, यहां तक कि इसे करीब से देखने की भी इजाजत नहीं थी। इसमें सिर्फ सम्राट के परिवार के सदस्य या उनसे संबंध रखने वाले लोग ही प्रवेश कर सकते थे।

सम्राट खुद को पृथ्वी का केंद्र मानता था और जो लोग उसके इस स्वर्ग को स–मान नहीं देते थे, उनको कड़ी सजा दी जाती थी। इसी कारण विदेशियों ने महल के इस क्षेत्र को 'द फॉरबिडन सिटी' का नाम दिया।

फॉरबिडन सिटी का इतिहास

मिंग साम्राज्य के सम्राट जहू दी ने अपना सरकारी तख्त नानजिंग से नई राजधानी बीजिंग मे स्थानांतरित करने का फैसला किया। कला के खजानों से भरपूर फॉरबिडन सिटी का निर्माण 1406–1420 ईस्वी के दौरान हुआ। इस काम पर एक लाख कारीगर तथा दस लाख गुलाम कुली लगाए गए। सम्राट के लिए आरक्षित 178 एकड़ जगह में एक शाही महल, शाही परिवारों से जुड़े महत्वपूर्ण व्यक्तियों के लिए आवास और आधिकारिक समारोहों के लिए औपचारिक हाल बनाए गए। 720,000 वर्गमीटर (74 हैक्टेयर) में बनी फॉरबिडन सिटी में 800 इमारतें हैं, जिनमें कुल 9,000 कमरे हैं।

फॉरबिडन सिटी मिंग साम्राज्य के 14 और किंग साम्राज्य के 10 सम्राटों का शाही आवास रहा है। विदेशी आक्रमणों के दौरान भी फॉरबिडन सिटी को काफी नुकसान झेलना पड़ा। 1860 में दूसरे ओपियम युद्ध के दौरान एंगलो–फ्रैंच सैनिकों ने फॉरबिडन सिटी पर कब्जाा कर लिया था और लड़ाई के खत्म होने तक यह उनके पास ही रहा। 1933 में जापान ने घुसपैठ करके फॉरबिडन सिटी का सारा खजाना ले लिया, हालांकि दूसरे विश्व युद्ध के बाद इसका कुछ हिस्सा उसने चीन को वापस लौटा दिया। माओ–त्से–तुंग की सा–यवादी विजय के बाद इस महल को जनता के लिए खोल दिया गया। दर्शकों की अथाह भीड़ इसमें प्रवेश पाने के लिए 'नून गेट' पहुंच गई, जहां से यह प्रसिद्ध 'हाल ऑफ दी आईएस्ट हार्मनी' में पहुंची, जो लकड़ी से बनाई गई सत्रहवीं शताब्दी की इमारत है। इसे कीलों की बजाय लकड़ी की खूंटियों से आपस में जोड़ा गया था।

महल की आंतरिक सज्जा

पहले फॉरबिडन सिटी की अधिकांश इमारतें लकड़ी की बनाई गई थीं, पर इनमें से अधिकांश जल कर नष्ट हो गईं। जब इनका पुनर्निर्माण किया गया, तो इनमें बहुत बदलाव कर दिए गए। फॉरबिडन सिटी की आज की वास्तुकला मुख्य रूप से 18वीं शताब्दी की है। हाल का भीतरी भाग 115 फुट ऊंचा है और इसकी छत को सख्त लकड़ी के बने 24 सतंभों से सहारा दिया गया है। इसमें से आधों पर सोने का पत्तर चढ़ाया गया है। हाल के मध्य में शाही सिंहासन है। इस पर भी सोने का पत्तर चढ़ा है। इसके पीछे छत के ऊपर से लटकता एक ड्रैगन है। यहीं से सम्राट 'स्वयंभू दिव्य पुत्र' के तौर पर अपने दरबारियों को आदेश और निर्देश जारी करते थे।

दूसरा शाही सिंहासन इसके साथ वाले 'हॉल ऑफ परफैक्ट हार्मनी' में स्थित है। यद्यपि इस पर तड़क–भड़क वाली सजावट कम की गई है। स्वर्ग तथा पृथ्वी के बीच तीसरे 'गार्डियन ऑफ हार्मनी हाल' का इस्तेमाल सभाओं और दावतों के लिए किया जाता था। आज पीपुल्स रिपब्लिक यहां अपने पुरातात्विक खजानों की नुमाइश लगाता है।

इस प्रदर्शनी में दिखाई जाने वाली वस्तुओं के अलावा कला के और भी बहुत से नमूने फॉरबिडन सिटी में प्रदर्शित किए गए हैं। इसके इंटीरियर्स में अनमोल रूम पार्टीशंस तथा नक्काशी की गई है। इसमें चीनी पौराणिक कथाओं से लिए जानवरों की पत्थर तथा कांस्य से बनी विशाल प्रतिमाएं हैं, जिनमें कछुए और सारस लंबी आयु और सिंह शाही ताकत के प्रतीक हैं। एक विशेष रूप से भयानक पंजे को ऊपर उठाए सिंह यह संदेश देता है कि सम्राट उनको कुचल देगा, जो उसकी आज्ञा नहीं मानेंगे।

महल के भीतर 9,000 अलग–अलग कमरे हैं। सारा साल असंख्य हिजड़ों और रखैलों के लिए नए कमरों की जरूरत पड़ती थी। पार–परिक रूप से सम्राट को तीन पत्नियां, पसंद की छह औरतें और 72 रखैलें रखने की आज्ञा थी, लेकिन सम्राट के लिए यह पर्याप्त नहीं थीं। चीन के संबंध में विशेषज्ञों ने पाया है कि चीन में कुछ 'दैवीय पुत्रों' की 2000 तक रखैलें होती थीं। अपनी स्थिति दर्शाने के लिए महिलाएं सोने की जंजीरें पहनती थीं, जिन पर उनकी जन्मतिथि और स्थान का नाम खुदा होता था। ये आभूषण भी यहां देखे जा सकते हैं।

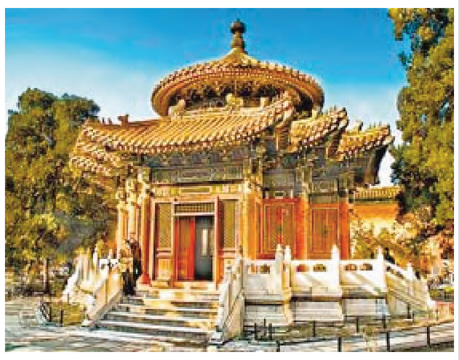

हमारे पशु

नाक पर है सींग

गैंडा जंगली जानवरों की श्रेणी का वीर योद्धा है। उसकी विशेषता उसके नाक पर सींग का होना है। नाक पर लंबे–लंबे और अति मोटे बाल एक लेसदार पदार्थ से चिपककर सींग का रूप धारण कर लेते हैं। सींग का नाक की हड्डी से कोई संबंध नहीं होता। शत्रु पर वह सींग से प्रबल प्रहार करता है।

प्राचीन काल में गैंडे की खाल से ढाल बनाए जाते थे। तलवार के वार का उस पर कोई असर नहीं होता। किंतु यह विचार गलत है कि गोली का उस पर असर नहीं होता। गैंडा शाकाहारी जंतु है। उसका प्रधान भोजन लंबी घास है, किंतु वह सींग से जड़ें खोदकर भी खाता है। गैंडा उन जंगलों में रहता है, जहां लंबी घास होती है। दिन के समय वह घंटों कीचड़ में पड़ा रहता है। दलदल या छिछले तालाबों के सूख जाने पर, वह स्थान बदल लेता है। घास के घने जंगलों में गैंडे अपने मार्ग बना लेते हैं। इन संकरे रास्तों से वे प्रतिदिन गुजरते हैं, जो लंबी घास के झुकने के कारण सुरंग की भांति बन जाते हैं। गैंडा इन खुफिया रास्तों से लंबी–लंबी दूरियां बिना देखे तय कर लेता है।

अन्य भारी पशुओं की तरह गैंडा भी आलसी तथा आराम तलब स्वभाव का होता है। पेट भरने के बाद चुपचाप एकांत में जाकर लेटता है। उसकी खाल की परतों में बड़ी संख्या में कीड़े रहते हैं। इन्हें खाने के लिए प्रत्येक गैंडे के साथ कई पक्षी रहते हैं। वे गैंडे को कीड़ों से ही छुटकारा नहीं देते, बल्कि उसे सचेत भी करते हैं। इनकी संकेत ध्वनि को गैंडा खूब समझता है, पक्षियों की खतरे की सूचना पाते ही भाग खड़ा होता है।

क्यों आता है तूफान

जब नमी से भरी हुई ढेर–सी गर्म हवा तेजी से ऊपर की ओर उठती है तब तूफान आते हैं। तुमने तूफान की शुरुआत से पहले हवा को तेज होते हुए देखा होगा। जब बादल को बड़े होते जाते हैं और गहरे होते हुए आसमान में अंधेरा छाने लगता है। ये तूफान के लक्षण हैं। बादलों के अंदर पानी के कण तेजी से घूमते हैं और आपस में टकराते हैं, जिससे बिजली पैदा होती है। बिजली पैदा होने का काम तब–तक चलता रहता है जब तक वह बड़ी–सी चिंगारी बनकर एक बादल से दूसरे बादल तक होती हुई धरती तक जोरदार चमक बन कर कौंध नहीं जाती।

डांस के जरिए मैसेज

मधुमक्खियां विगल डांस के जरिए अपने साथियों को खतरे के प्रति आगाह कर देती हैं। ऐनिमल बिहेवियर मैग्जीन में छपी स्टडी में बताया गया है कि अगर फूलों के आस–पास मंडराते समय उन्हें खतरे का आभास होता है, तो वे अपने ही अंदाज में अपने साथियों को खतरे का मैसेज भेज देती हैं।

इस बात की जानकारी वैज्ञानिकों को उस समय हुई, जब उन्होंने मरी हुई मधुमक्खियों को फूलों के पास रख दिया। फिर उन्होंने अध्ययन किया कि वहां आने वाली अन्य मधुमक्खियां खतरे के प्रति क्या प्रतिक्रिया देती हैं। अध्ययन से पता चला कि खतरे को भांपते ही वे एक अनोखे डांस (वैगल डांस) के जरिए दूसरी मधुमक्खियों तक संदेश पहुंचा देती हैं कि आगे खतरा है।

जब मधुमक्खियां अपने छत्ते की ओर वापस आती हैं, तो ये एक जटिल किस्म का डांस करती हैं। इसके बाद वैज्ञानिकों ने एक नया प्रयोग किया, मधुमक्खियों को दो कृत्रिम फूलों के पास भेजा गया, जिनमें एक समान खाना उपलब्ध था। इनमें से एक फूल पर दो मरी हुई मक्खियों को रख दिया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि जब मधुमक्खियां ऐसे फूलों के पास से वापस आती हैं, जहां उन्हें भरपूर भोजन मिलेगा, तो वे 20–30 बार ज्यादा डांस करती हैं।

लेकिन यदि उन्हें लगता है कि फूलों के आस–पास मकड़ियों आदि के जाल में फंसने का खतरा है, तो वे छत्ते पर लौटकर ऐसा नहीं करतीं। इसका मतलब यह हुआ कि मधुमक्खियां यह पता लगा लेती हैं कि कुछ फूलों के पास जाना खतरनाक हो सकता है।

बहादुर मोर

मोर बहुत कम उड़ते हैं। जब आपात स्थिति हो, तब एक पेड़ से दूसरे पेड तक, नदी के एक किनारे से दूसरे किनारे तक उड़ते हैं। इसकी दृष्टि व सूंघने की शक्ति तेज होती है।

चालाक खरगोश

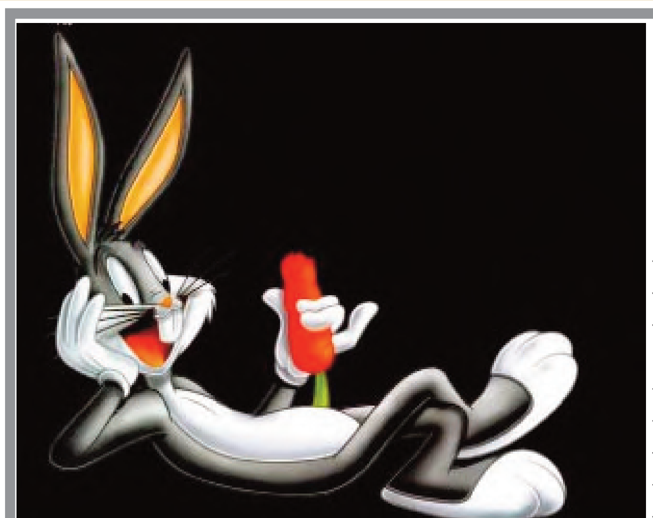

पुराने समय की बात है। तब जानवर भी आपस में मनुष्यों की तरह बातें किया करते थे। जंगल में सभी जानवर मिल–जुलकर प्यार से रहा करते थे। किसी भी जानवर को एक- दूसरे से किसी तरह की कोई परेशानी नहीं थी। सभी मिल–बांटकर खाते–पीते थे। जंगल का सारा काम- काज बड़े अच्छे तरीके से चल रह था।

ईमानदारी इतनी थी कि हर जानवर एक–दूसरे पर अंधा विश्वास करता था। सभी जानवर अपना–अपना काम पूरी ईमानदारी से पूरा करते थे। इसी जंगल में एक खरगोश का जन्म हुआ। धीरे–धीरे वह बड़ा हुआ। किसी को यह पता नहीं था कि वह इतना चालाक होगा। जैसे–जैसे वह बड़ा होता गया, उसकी चालाकियां सामने आने लगीं। वह दूसरे जानवरों के साथ कई तरह की चालाकियां करके उन्हें तंग करता। कई जानवर उससे परेशान रहने लगे। इसी जंगल में एक सियार से उसकी दोस्ती हो गई। दोनों सारा दिन इकट्ठे खेलते–कूदते। हर काम एक–दूसरे से पूछकर करते। एक दिन वे दोनों पहले की तरह आपस में खेल रहे थे। खेलते–खेलते वह एक गांव की ओर चल दिए। जब वे काफी दूर तक निकल आए, तो वहां पर उन्हें दो रास्ते मिले। एक रास्ता चमड़े का था और दूसरा लोहे का था। सियार बोला, 'मैं, चमड़े वाले रास्ते से जाऊंगा।' सियार चमड़ेवाले रास्ते चल पड़ा और खरगोश ने लोहेवाले रास्ते पर चलना शुरू किया।

लोहेवाले रास्ते में एक बाबाजी की कुटिया मिली। खरगोश को जोर की भूख लगी थी, इसलिए वह तो बाबाजी की कुटिया में घुस गया। कुटिया में इधर- उधर देखा, तो उसे वहां पेड़े मिले।

खरगोश ने डटकर पेड़े खा लिए और फिर कुटिया का दरवाजा बंद करे वह वहां आराम से सो गया। कुछ देर बाद बाबाजी आए। अपनी कुटिया का दरवाजा बन्द देखा, तो उन्होंने पूछा, 'मेरी कुटिया में कौन है?'

अंदर से खरगोश ने बड़े रौब के साथ कहा- 'मैं खरगोश हूं खरगोश!

बाबाजी! भाग जाओ।

भाग जाओ,

नहीं तो तुम्हारी तुम्बी तोड़ दूंगा।'

सुनकर बाबाजी तो डर गए और भाग खड़े हुए। गांव में जाकर एक पटेल को बुला लाए। कुटिया के पास पहुंचकर पटेल ने पूछा, 'बाबाजी की कुटिया में कौन है?'

अंदर से रौब–भरी आवाज में खरगोश बोला- 'मैं खरगोश हूं, खरगोश!

पटेल, पटेल, भाग जाओ।

भाग जाओ,

नहीं तो तुम्हारी पटेली छीन लूंगा।'

पटेल भी डरा और भाग गया। फिर पटेल मुखिया को बुला लाया। मुखिया ने पूछा, 'बाबाजी की कुटिया में कौन है?'

खरगोश ने लेटे–लेटे ही रौब–भरी आवाज में पहले की तरह ही कहा–

'मैं खरगोश हूं, खरगोश!

मुखिया, मुखिया, भाग जाओ।

भाग जाओ,

नहीं तो तुम्हारा मुखियापन खत्म कर दूंगा।'

सुनकर मुखिया भी डर गया और भाग खड़ा हुआ। फिर तो बाबाजी भी चले गए। जब सब चले गए, तो खरगोश कुटिया से बाहर निकला। वह सियार से मिला और उसको सारी बातें सुनाईं।

सियार की इच्छा हुई कि वह भी पेड़े खाए। बोला, 'तो मैं भी कुटिया में जाकर खा लेता हूं।'

खरगोश ने पूछा, 'अगर बाबाजी आ गए, तो तुम कुटिया के अंदर से क्या कहोगे?'

सियार ने कहा, 'मैं भी कहूंगा–

'मैं सियार हूं, सियार!

बाबाजी, भाग जाओ।

भाग जाओ

नहीं तो तुम्हारी तुम्बी तोड़ दूंगा।'

खरगोश बोला, 'अच्छी बात है। तो अब तुम भी पेड़ों का स्वाद चख आओ!'

बाद में सियार कुटिया के अंदर गया। कुछ ही देर में बाबाजी आए और बोले–

'मेरी कुटिया में कौन है?'

सियार ने धीमी आवाज में कहा–

'मैं सियार हूं, सियार!

बाबाजी, भाग जाओ।

भाग जाओ,

नहीं, तो तुम्हारी तुम्बी तोड़ दूंगा।'

बाबाजी ने आवाज पहचान ली और कहा, 'ओह हो! यह तो सियार है!' बाद में बाबाजी ने दरवाजा खोल लिया। वे अंदर गए। सियार को बाहर निकाला, और जमकर उसकी पिटाई की और कुटिया से निकाल बाहर किया।

हम बताएं, आप बनाएं

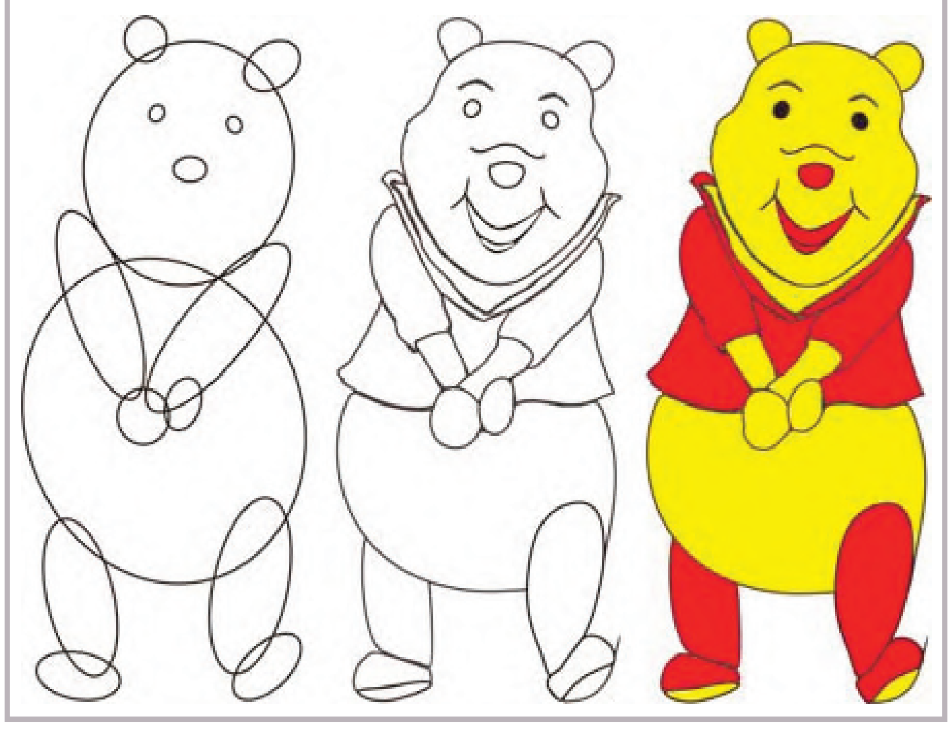

भड़के ट्रंप कहा–ईरान को लेकर खुफिया चीफ गबार्ड ने गलत जानकारी दी

वाशिंगटन, 21 जून (एजेंसियां)।

ईरान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जो खुफिया जानकारी दी गई थी वो सही नहीं है। इस पर राष्ट्रपति भड़क गए हैं। उनका गुस्सा इतना ज्यादा बढ़ा हुआ है कि अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड पर भी कार्रवाई की जा सकती है। इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की आकलन रिपोर्ट को खारिज करते हुए अपनी ही राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके बाद उनकी नौकरी खतरे में पड़ गई है। न्यू जर्सी में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मेरी खुफिया एजेंसियां गलत थीं।

हालांकि वाइट हाउस के सूत्रों के अनुसार, ट्रंप व्यक्तिगत तौर पर तुलसी गबार्ड को नापसंद नहीं करते, लेकिन उनकी नौकरी खतरे में है। खासकर ऐसे समय में जब ईरान को लेकर प्रशासन के भीतर मतभेद उभरकर सामने आ रहे हैं।

गबार्ड ने कहा था ईरान ने परमाणु हथियार पर फैसला नहीं लिया

मार्च में अमेरिकी कांग्रेस में पेश रिपोर्ट में तुलसी गबार्ड ने कहा था कि अमेरिकी खुफिया समुदाय का मानना है कि ईरान ने अब तक परमाणु हथियार बनाने का कोई फैसला नहीं लिया है। यह बयान ऐसे समय आया जब ईरान और इजरायल के बीच युद्ध की स्थिति बनी हुई है और अमेरिका पर भी हस्तक्षेप का दबाव बढ़ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के नागरिक परमाणु ऊर्जा के दावों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ईरान के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक है, तो फिर उन्हें नागरिक उपयोग के लिए परमाणु ऊर्जा की जरूरत क्यों है यह समझ से बाहर है। ट्रंप ने आने वाले नाटो शिखर सम्मेलन से पहले एक और विवादास्पद बयान देते हुए कहा कि अमेरिका को 5 प्रतिशत जीडीपी रक्षा खर्च के लक्ष्य को पूरा नहीं करना चाहिए, लेकिन अन्य देशों को करना चाहिए। उन्होंने कहा, हम बहुत लंबे समय से नाटो को सपोर्ट कर रहे हैं। अब दूसरों की बारी है। स्पेन का नाम लेते हुए ट्रंप ने कहा कि यह बहुत कम भुगतान करने वाला देश है। ट्रंप ने तंज कसते हुए कहा कि या तो वे अच्छे वार्ताकार हैं या फिर सही काम नहीं कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाक सेना और सरकार में ठनी: पीएम को पूछा तक नहीं और लंच करने यूएस पहुंच गए मुनीर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शहबाज सरकार और सेना के बीच विवाद शुरु हो गया है। वजह ये है कि प्रधानमंत्री

शहबाज शरीफ की अनदेखी कर सेना प्रमुख आसिम मुनीर अमेरिका पहुंच गए ट्रंप के साथ लंच करने। लंच के बाद आतंकवाद का पर्याय बन चुके पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग कर दी है। इस सबके बीच भारत ने आसिम मुनीर की इस मुलाकात की घटना को पाकिस्तान और वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के लिए शर्मनाक बताया है। जब आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाए जाने पर पूछा गया तो उन्होंने तीखे लहजे में कहा, कुछ हलकों में ऐसी अटकलें पहले से थीं, लेकिन जब यह हुआ तो उसे एक तरह की हास्य और अविश्वासकी मिश्रित भावना से देखा गया। ऐसा लगता है जैसे किसी ने खुद को ही फील्ड मार्शल बना लिया हो। इधर भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि यह पाकिस्तान के लिए शर्मनाक है कि उसके सेना प्रमुख को अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात का निमंत्रण मिला, जबकि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को कोई जगह नहीं दी गई। यह स्पष्ट संकेत है कि पाकिस्तान में वास्तविक सत्ता सेना के हाथों में है। एक इंटरव्यू में रक्षा सचिव सिंह ने कहा, किसी देश के लिए यह बहुत अजीब और शर्मनाक स्थिति है कि उसका सेना प्रमुख वाइट हाउस जाता है और प्रधानमंत्री का कहीं कोई नामोनिशान नहीं होता। यह काफी हैरान करने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि आसिम मुनीर का आर्थिक मामलों में दखल पाकिस्तान के ढांचे को उजागर करता है।

इजराइल का ईरान के कोम शहर पर हमला, यहीं पर है उसका फोर्डो ईंधन संवर्धन संयंत्र

तेहरान (ईरान)। इजराइल ने ईरान के कोम शहर में हमला किया है। कोम को ईरान का सबसे पवित्र शहर माना जाता है। ईरान का शक्तिशाली फोर्डो ईंधन संवर्धन संयंत्र कोम में एक पहाड़ के नीचे है। इजराइल के कोम शहर की एक अवासीय इमारत में की गई बमबारी में दो लोगों की मौत हो गई। आवासीय इमारत में लगी आग, दो की मौत सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के हवाले से यह खबर प्रसारित की है। इसमें कहा गया है कि शनिवार को मध्य ईरानी शहर कोम में एक आवासीय इमारत पर हुए हमले में दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। इमारत की चौथी मंजिल पर हुए हमले की सूचना इजराइल रक्षा बलों के यह कहे जाने के कुछ समय बाद मिली कि उसने ईरान में हमलों की एक नई लहर शुरू कर दी है। सीएनएन के अनुसार, कोम प्रांतीय प्रशासन के प्रवक्ता मोर्टेजा हैदरी के बयान के आधार पर ईरानी मीडिया ने कहा कि मारे गए लोगों में से एक 16 वर्षीय लड़का भी है। अमेरिकी चैनल का कहना है कि जियोलोकेटेड वीडियो में दक्षिण-पश्चिमी कोम में एक इमारत को हुए नुकसान को दिखाया गया है। वीडियो में एक बहुमंजिला इमारत की ऊपरी मंजिलों पर आग लगी हुई है।

ड्रैगन की नई चाल: चीन से ईरान जा रहे सीक्रेट विमान कहां हो रहे गायब

तेहरान। चीन के कई सीक्रेट विमान लगातार युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान में पहुंच रहे हैं। बीते एक हफ्ते से अंतरराष्ट्रीय रडार पर जो कुछ दिखाई दे रहा है, उसने दुनियाभर के रक्षा विश्लेषकों और कूटनीतिक गलियारों की चिंता बढ़ा दी है। चीन से उड़ान भरने वाले कई बोइंग 747 विमान एक के बाद एक ईरान की ओर जाते देखे गए हैं। यह सब ऐसे समय पर हो रहा है जब ईरान अपने परमाणु ठिकानों पर इजरायल के हमलों का सामना कर रहा है। अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या चीन, ईरान की मदद के लिए आगे आ गया है डेटा के मुताबिक, 14 जून से अब तक कम से कम पांच बोइंग 747 विमानों ने चीन से ईरान की ओर उड़ान भरी है। इन विमानों ने चीन के उत्तरी हिस्से से पश्चिम की ओर उड़ते हुए कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को पार किया और जैसे ही ईरान की सीमा के पास पहुंचे, वे रडार से गायब हो गए।

व्हाइट हाउस से मिले न्यौते के बदले मुनीर ने नोबेल शांति पुरस्कार के लिए भेजा ट्रंप का नाम

इस्लामाबाद, 21 जून (एजेंसियां)।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस से लंच का न्योता मिला। इससे गदगद मुनीर तत्काल न्योते पर पहुंचे और बदले में यूएस राष्ट्रपति को शांति का नोबल पुरस्कार की वकालत कर दी। पाकिस्तान सरकार ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक बयान जारी करते हुए कहा, पाकिस्तान सरकार ने हाल ही में भारत-पाकिस्तान संकट के दौरान उनके निर्णायक कूटनीतिक हस्तक्षेप और महत्वपूर्ण नेतृत्व के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के नाम की औपचारिक रूप से 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सिफारिश करने का फैसला किया है।

पाकिस्तान सरकार ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए औपचारिक रूप से नामांकित कर दिया है। इस नामांकन का आधार ट्रंप के निर्णायक कूटनीतिक हस्तक्षेप और महत्वपूर्ण नेतृत्व को बताया गया है, जिसने 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पाकिस्तान का दावा है कि ट्रंप की इस पहल ने दोनों परमाणु-सशस्त्र देशों के बीच व्यापक युद्ध को टालने में मदद की। दरअसल इससे पहले खुद पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने वाइट हाउस में न्योते के बदले वादा किया था कि उनका देश ट्रंप के नाम की सिफारिश 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए करेगा। अब ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने अपना वादा पूरा कर दिया है।

यह नामांकन ट्रंप और पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के बीच 18 जून को व्हाइट हाउस में हुई एक दुर्लभ मुलाकात के बाद आया है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अन्ना केली ने पुष्टि की थी कि यह मुलाकात मुनीर के ट्रंप को नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकित करने की सिफारिश के बाद हुई थी। यानी अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान ने पहले ही इस बात का अश्वासन दिया था कि वे नोबेल शांति पुरस्कार के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के नाम की सिफारिश करेंगे, जिसके बाद ही मुनीर को वाइट हाउस आने का न्योता दिया गया था। ट्रंप ने इस मुलाकात के दौरान दावा किया, मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका। दोनों परमाणु देश हैं, और मैंने इसे रोका। भारत ने ट्रंप के दावों और अमेरिका की किसी भी मध्यस्थता की भूमिका को सिरे से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने स्पष्ट किया कि 10 मई को हुए युद्धविराम का फैसला भारत और पाकिस्तान के सैन्य चैनलों के बीच सीधी बातचीत के जरिए लिया गया था, जिसमें किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जून को ट्रंप के साथ 35 मिनट की फोन पर बातचीत में भी यही बात दोहराई, कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम द्विपक्षीय सैन्य संवाद का परिणाम था। मिसरी ने जोर देकर कहा, भारत ने कभी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया है और न ही भविष्य में करेगा।

ट्रंप का नोबेल पुरस्कार का दावा

ट्रंप ने कई मौकों पर नोबेल शांति पुरस्कार की अपनी इच्छा जाहिर की है। उन्होंने न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन में संवाददाताओं से कहा, मुझे भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने के लिए नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए था। मुझे इसे चार या पांच बार जीतना चाहिए था। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उन्होंने कांगो और रवांडा, सर्बिया और कोसोवो जैसे अन्य क्षेत्रों में भी शांति स्थापित करने में योगदान दिया है। हालांकि, उन्होंने शिकायत की कि यह पुरस्कार केवल उदारवादियों को दिया जाता है।

सपना देखकर भविष्य बताने वाली तात्सुकी ने कहा- 5 जुलाई को आएगी सुनामी

टोक्यो, 21 जून (एजेंसियां)।

नींद में आए सपनों के जरिए भविष्य बताने वाली मंगा आर्टिस्ट रियो तात्सुकी ने पांच जुलाई को लेकर डराने वाली भविष्यवाणी की थी। उन्होंने दावा किया है कि 5 जुलाई, 2025 को जापान में भीषण सुनामी आने वाली है। इस भविष्यवाणी का खौफ इस कदर लोगों में बैठ गया है कि धड़ाधड़ टिकट कैंसल करवाए जाने लगे हैं। हांगकांग से जापान के 80 फीसदी टिकट्स जून और जुलाई में कैंसल हो चुके हैं।

रियो तात्सुकी एक मंगा आर्टिस्ट थीं और उनकी किताब में कई भविष्यवाणियां प्रकाशित हुई हैं। अतीत में तात्सुकी की कई भविष्यवाणियां सच भी हो चुकी हैं।

जापान सरकार और वैज्ञानिक हुए सक्रिए

भविष्यवाणी के वायरल होने के बाद जापान की सरकार और एक्सपर्ट्स भी एक्टिव हो गए हैं। जापान के डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटीज के अधिकारी और सरकार से जुड़े लोगों ने जनता से शांत रहने का आग्रह किया है। उन्होंने भविष्यवाणी को निराधार और किसी भी वैज्ञानिक डेटा द्वारा समर्थित नहीं बताते हुए खारिज कर दिया है। हालांकि, इसके बाद भी लोग सोशल मीडिया और तमाम प्लेटफॉर्म्स पर भविष्यवाणी की चर्चा करते नजर आ रहे हैं।

कौन-कौन सी भविष्यवाणियां हुई हैं सच

तात्सुकी ने भी कई भविष्यवाणियां कीं, जो बाद में सच साबित हुईं। उन्होंने प्रिंसेस डायना और फ्रेडी मर्करी की मौत, साल 2011 में आए तोहोकू भूकंप और कोरोना वायरस जैसे मामलों की पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी। बाद में यह घटनाएं सच साबित हुई हैं। उन्होंने बताया है कि साल 2030 में जानलेवा वायरस की फिर से वापसी होगी।

तात्सुकी ने मंगा कॉमिक द फ्यूचर आई सी में एक भीषण आपदा का जिक्र किया है। उन्होंने कहा है कि जापान के दक्षिणी समुद्र में पानी उबलने लगेगा और फिर एक ज्वालामुखी फटेगा। इससे भयंकर सुनामी आएगी। इस भविष्यवाणी में डराने वाली बात यह भी कही गई है कि 2011 में आई जापान की सुनामी से यह तीन गुना ज्यादा बड़ी होगी।

गले लगाकर भावनात्मक सुकून देती है सैमी वुड, कमाती है लाखों

41 वर्षीय सैमी वुड अपने अनोखे पेश की वजह से चर्चाओं में है। ब्रिटेन के बेडफोर्ड की रहने वाली सैमी एक प्रोफेशनल कडल थेरेपिस्ट हैं, जो लोगों को गले लगाकर न सिर्फ उन्हें भावनात्मक सुकून देती हैं, बल्कि इससे अच्छा-खासा पैसा भी कमाती हैं। सैमी का मानना है कि गले लगना इंसानी ज़रूरत है और इसमें कोई शर्म की बात नहीं है। साल 2024 में उन्होंने अपनी इस सेवा की शुरुआत की थी। एक घंटे के कडल सेशन के लिए वह 65 पाउंड यानी करीब 7,000 रुपये और 90 मिनट के सेशन के लिए 85 पाउंड यानी करीब 9,000 रुपये चार्ज करती हैं। सैमी बताती हैं कि उनके क्लाइंट्स में 20 साल के युवा से लेकर रिटायर हो चुके बुज़ुर्ग तक शामिल हैं। कोई अकेलापन मिटाने, कोई भावनात्मक ज़ख्म भरने, तो कोई सिर्फ एक प्यारे स्पर्श की चाह में उनसे संपर्क करता है। उन्होंने बताया कि गले लगने से शरीर में ऑक्सिटोसिन और सेरोटोनिन जैसे खुशी के हार्मोन बढ़ते हैं, जबकि तनाव का हॉर्मोन कॉर्टिसॉल घटता है। यह वही एहसास होता है जो मां और बच्चे के रिश्ते में देखने को मिलता है। सैमी हर सेशन से पहले कंसेंट फॉर्म साइन करवाती हैं, जिसमें साफ लिखा होता है कि सेशन के दौरान क्या ठीक है और क्या नहीं।

ढाका में विवि छात्रों के निष्कासन का विरोध, सड़क कर दी जाम

ढाका, 21 जून (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की राजनीति में हावी छात्रों का असर हर क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। जुल्म और सितम के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद कर निर्वाचित सरकार की विदाई की जा चुकी है। उसके बाद बनी अंतरिम सरकार आगामी राष्ट्रीय चुनाव की तारीख के संकट से जूझ रही है। कुछ विश्वविद्यालयों के छात्रों को परीक्षा में कम अंक आने पर निष्कासन का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे छात्रों के धैर्य का बांध टूट गया और वह सड़क पर उतर आए।

इससे जाम लग गया। खबर के अनुसार, यूनाइटेड इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (यूआईयू) के छात्रों के एक समूह ने राजधानी ढाका के भटारा नटुन बाजार इलाके में मुख्य सड़क को जाम कर दिया। इन लोगों ने अंतिम वर्ष के 26 ऑनर्स छात्रों को निष्कासित किए जाने का विरोध किया।

जाम के कारण कुरील विश्व रोड से बड्डा की ओर जाने वाले वाहनों की आवाजाही सड़क के एक तरफ रुकी रही। इस जाम का असर विपरीत दिशा के यातायात पर नहीं पड़ा।

भटारा थाना प्रभारी रकीबुल हसन ने कहा कि लगभग 25-30 छात्रों ने सुबह आठ बजे सड़क पर कब्जा कर लिया और निष्कासन आदेश वापस लेने की मांग की। हसन के अनुसार, छात्रों को सालाना परीक्षाओं में बहुत कम अंक आने पर निष्कासित कर दिया गया है। यह छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों का दावा है कि निष्कासन मनमाना है। वह विश्वविद्यालय अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी कर रहे हैं।

ब्राजील में हॉट एयर बैलून में आग लगने से 8 यात्रियों की मौत, 13 अन्य घायल

ब्रासीलिया,21 जून। ब्राजील के सांता कैटरीना राज्य में शनिवार को 21 यात्रियों को ले जा रहे एक हॉट एयर बैलून में अचानक आग लग गई। इस हादसे में 8 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमों ने शवों को मोर्चरी में रखवाया और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस अब बैलून में आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

राज्य अग्निशमन विभाग के अनुसार, सुबह के समय उड़ान के दौरान पर्यटन गुब्बारे में अचानक आग लग गई और उसके बाद वह प्रिया ग्रांडे शहर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 8 पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए।

स्थानीय गवर्नर जोर्जिन्हो मेलो ने कहा, हम सभी इस दुर्घटना से स्तब्ध हैं। बचाव दल घटनास्थल पर मौजूद हैं और घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। चिकित्सा टीम उपचार में जुटी हुई है।

घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक हॉट एयर बैलून को आसमान में आग पकड़ते हुए दिखाया गया है।

इसके बाद बैलून हवा से भरकर जमीन पर गिर जाता है। बता दें कि प्रिया ग्रांडे शहर गर्म हवा के गुब्बारे के लिए एक आम गंतव्य है, जो जून के त्योहारों के दौरान ब्राजील के दक्षिण के कुछ हिस्सों में एक लोकप्रिय गतिविधि है।

इस दौरान सेंट जॉन जैसे कैथोलिक संतों को सम्मानित किया जाता है।

दिल्ली में 1 जुलाई से नया फ्यूल नियम लागू होगा

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)।

दिल्ली में 1 जुलाई से 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को पेट्रोल पंप से फ्यूल नहीं मिलेगा। यह नियम अब पूरे देश में रजिस्टर्ड पुराने वाहनों पर लागू होगा, भले ही वे किसी भी राज्य से पंजीकृत हों। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 21 जून को इसकी पुष्टि की।

10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को नहीं मिलेगा ईंधन

यह कदम उन लोगों के लिए बड़ा झटका है जो दिल्ली में नियमों से बचने के लिए अपने पुराने वाहनों को दूसरे राज्यों में रजिस्टर करवा रहे थे। योग ने अप्रैल में ही यह निर्देश जारी किया था कि 1 जुलाई से ऐसे ओवरएज वाहनों को ईंधन न दिया जाए।

सीएक्यूएम के एक तकनीकी सदस्य ने कहा कि हमारे दिशा-निर्देशों में ऐसा नहीं है कि सिर्फ दिल्ली में रजिस्टर्ड एंड ऑफ लाइफ (ईओएल) वाहनों को ही ईंधन नहीं मिलेगा।

दिल्ली की सड़कों पर बाहर के राज्यों से पंजीकृत वाहन भी चलते हैं और ये भी प्रदूषण फैलाते हैं। पिछले साल हुए एक सर्वे में सामने आया था कि दिल्ली-एनसीआर के 75 फीसदी परिवारों में कम से कम एक सदस्य को लगातार खांसी या गले में खराश की शिकायत रहती है।

वहीं आधे परिवारों ने बताया कि उनके किसी न किसी सदस्य को दम घुटने या अस्थमा जैसी दिक्कतें हो रही हैं, जिसकी बड़ी वजह जहरीली हवा है। दिल्ली में अब पेट्रोल पंपों पर लगे कैमरे पुराने और नियम तोड़ने वाले वाहनों की पहचान करेंगे।

राजधानी के 520 में से 500 फ्यूल स्टेशनों पर ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे लगाए जा चुके हैं। बाकी बचे हुए पंपों पर यह व्यवस्था 30 जून तक पूरी कर दी जाएगी। दिल्ली से सटे पांच जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाज़ियाबाद, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) और सोनीपत में 1 नवंबर से ईंधन बिक्री पर रोक लागू कर दी जाएगी। इन जिलों में 31 अक्टूबर तक एएनपीआर कैमरे लगाए जाने की तैयारी है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बाकी जिलों में यह नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। तब तक वहां भी एएनपीआर कैमरे लगाना जरूरी होगा।

न्यूज ब्रीफ

एचडीबी फाइनेंशियल आईपीओ की कीमतों में भारी कटौती, फीडबैक के बाद तय हुआ प्राइस बैंड

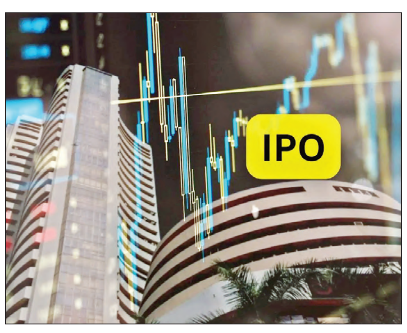

नई दिल्ली। एचडीबी फाइनैंशियल के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम की पेशकश कीमतों में भारी कटौती म्युचुअल फंडों, बीमा कंपनियों और अग्रणी विदेशी संस्थागत निवेशकों समेत उच्च गुणवत्ता वाले निवेशकों के साथ व्यापक रोडशो और उनसे मिले फीडबैक के बाद की गई। कंपनी के प्रबंधन और आईपीओ से जुड़े बैंकरों ने यह बताया। आईपीओ का कीमत दायरा इस कंपनी के शेयरों की असूचीबद्ध बाजार में हो रही ट्रेडिंग के मुकाबले काफी कम है। अगर आरबीआई के परिपत्र का मसौदा लागू हुआ तो एचडीबी की प्रवर्तक एचडीएफसी बैंक को अपनी हिस्सेदारी घटाकर 20 फीसदी पर लानी पड़ सकती है। बैंकरों ने कहा कि असूचीबद्ध बाजार में मूल्य निर्धारण किसी भी प्रबंधन इनपुट के बगैर है। एचडीबी फाइनैंशियल ने अपने आईपीओ के लिए 700 से 740 रुपये का कीमत दायरा तय किया है। आईपीओ 25 को खुलकर 27 जून को बंद होगा। 24 जून को एंकर निवेशक आवेदन कर पाएंगे।

मई माह में पैसेंजर व्हीकल्स की बिक्री में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर की रफ्तार मई 2025 में कुछ धीमी रही। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जहां पैसेंजर व्हीकल्स की बिक्री में मामूली 0.8प्रतिशत की गिरावट आई, वहीं दोपहिया वाहनों की बिक्री में 2.2प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। मई में कुल 3,44,656 पैसेंजर व्हीकल्स बिके, जो पिछले साल इसी महीने 3,47,492 यूनिट थे। हालांकि कुल वाहन बिक्री 1.8प्रतिशत की बढ़त के साथ 2.01 मिलियन यूनिट्स रही, जो संतोषजनक कही जा सकती है। कंपनियों के प्रदर्शन की बात करें तो मारुति सुजुकी और हुंडई की बिक्री में गिरावट आई। मारुति की बिक्री 1,44,002 से घटकर 1,35,962 यूनिट्स रही, वहीं हुंडई ने 49,151 के मुकाबले 43,861 यूनिट्स बेचे। दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए 52,431 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले साल से 21प्रतिशत अधिक है। दोपहिया वाहनों की बिक्री 16,55,927 यूनिट्स तक पहुंची। खासतौर पर स्कूटरों की मांग में 7.1प्रतिशत की बढ़त देखी गई। मोटरसाइकिल बिक्री लगभग स्थिर रही। तिपहिया वाहन सेगमेंट में गिरावट दर्ज हुई और 3.3 प्रतिशत कम होकर बिक्री 53,942 यूनिट्स रही। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन के अनुसार, हालिया गिरावट चिंता का कारण नहीं है। आने वाले महीनों में त्योहार और मानसून जैसे कारक बिक्री में तेजी ला सकते हैं।

बेक टू स्कूल ' ऑफर की घोषणा की एप्पल ने

नई दिल्ली। भारतीय छात्रों और शिक्षकों के लिए एप्पल ने 'बेक टू स्कूल ' ऑफर की घोषणा की है। कंपनी का यह आफर 30 सितंबर 2025 तक लागू रहेगा। यह ऑफर एप्पल स्टोर ऑनलाइन, एप्पल स्टोर ऐप और फिजिकल एप्पल स्टोर्स पर उपलब्ध है। इस ऑफर के तहत छात्र और शिक्षक चुनिंदा मेकबुक, आईपेड और आईमेक पर मुफ्त या मामूली अतिरिक्त भुगतान के साथ एयरपोडस, एप्पल पेसिंल प्रो और अन्य एक्सेसरीज़ प्राप्त कर सकते हैं, जिनकी कीमत रुपए 27,900 तक हो सकती है। इस प्रमोशनल स्कीम का फायदा हर ग्राहक केवल एक आईपेड और एक मेक डिवाइस पर ही ले सकता है। यानी एक व्यक्ति एक से ज़्यादा डिवाइस खरीदकर कई फ्री एक्सेसरीज़ नहीं पा सकता। यह ऑफर आईपेड मिनी, आईपेड दसवीं जेन, मेक मिनी, मेक स्टूडियो, मेक प्रो और रीफर्बिश्ड डिवाइसेज़ पर लागू नहीं होता। मेकबुक एयर या मेकबुक प्रो खरीदने वाले छात्र मुफ्त में मेजिक कीबोर्ड, मेजिक माउस, मेजिक ट्रकपेड या नए एयरपोडस 4 में से एक का विकल्प चुन सकते हैं।

भारत का योग मार्केट 2030 तक 12,667 अरब डॉलर का होगा!

ग्रोथ सालाना 12.2 फीसदी की दर से हो रही है

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)।

भारत का योग मार्केट 2023 में 5,672.7 अरब अमेरिकी डॉलर था और 2030 तक यह बढ़कर 12,667 अरब डॉलर हो जाएगा। यह ग्रोथ सालाना 12.2 फीसदी की दर से हो रही है, जो किसी भी इंडस्ट्री के लिए बेहद प्रभावशाली आंकड़ा है। आश्चर्य की बात यह है कि यह विकास न सिर्फ घरेलू बाजार में है बल्कि भारत दुनिया भर में योग को एक एक्सपोर्टेबल प्रोडक्ट के रूप में पेश कर रहा है। इससे न सिर्फ भारत की छवि विश्वगुरु के रूप में मजबूत हुई है, बल्कि रोजगार, विदेशी मुद्रा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भी नई जान फूंकी है। यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि भारत न सिर्फ अपनी पारंपरिक योग विद्या को पुन: स्थापित कर रहा है, बल्कि उसे वैश्विक व्यापार में बदलकर रोजगार, निर्यात और पर्यटन जैसे कई क्षेत्रों को गति भी दे रहा है। यह ट्रेंड दिखाता है कि योग अब 'स्पिरिचुअल से सर्विस सेक्टर' तक की यात्रा तय कर चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में सबसे ज्यादा कमाई ऑफलाइन योग कोर्स से हुई, जहां लोग योग स्टूडियो, कैंप और वर्कशॉप्स में भाग लेते हैं। हालांकि आने वाले वर्षों में 'ऑनलाइन योग कोर्स' सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेगमेंट साबित होगा। यह जानकारी एक अध्ययन से सामने आई, जो कहता है कि कोविड-19 महामारी के बाद लोगों की जीवनशैली में आए बदलाव ने योग को डिजिटल रूप दे दिया है। अब घर बैठे मोबाइल या लैपटॉप पर योग सीखना अधिक सुविधाजनक और पसंदीदा विकल्प बन गया है। यही कारण है कि ऑनलाइन योग की मांग लगातार बढ़ रही है और यह सेगमेंट तेजी से विस्तृत हो रहा है। यही रिपोर्ट यह भी बताती है कि भारत अब एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ता योग मार्केट बन चुका है। हालांकि, अभी तक चीन इस क्षेत्र में कुल योग आय में आगे है, लेकिन विकास दर के मामले में भारत आगे निकल चुका है।

इस वर्ष मई में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए कम हुई महंगाई

नई दिल्ली। कृषि श्रमिकों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण श्रमिकों (सीपीआई-आरएल) के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति दर सालाना आधार पर इस साल मई में घटकर क्रमश: 2.84 प्रतिशत और 2.97 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह क्रमश: 7 प्रतिशत और 7.02 प्रतिशत दर्ज की गई थी। यह जानकारी श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार उजागर की गई है। मासिक आधार पर भी मुद्रास्फीति दर में कमी दर्ज की गई है।
इससे पहले अप्रैल में सीपीआई-एएल के लिए मुद्रास्फीति दर 3.48 प्रतिशत और सीपीआई-आरएल के लिए मुद्रास्फीति दर 3.53 प्रतिशत थी। पिछले सात महीनों में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए मुद्रास्फीति दर में लगातार गिरावट आ रही है। यह उन कमजोर वर्गों के लिए राहत की बात है, जो बढ़ती कीमतों से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इससे उनके पास अधिक पैसे बचते हैं, जिससे उनकी जीवनशैली बेहतर होती है। कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए मुद्रास्फीति में गिरावट देश की समग्र उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में पिछले वर्ष मई की तुलना में इस वर्ष मई में 2.82 प्रतिशत की गिरावट की पृष्ठभूमि में आई है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह फरवरी 2019 के बाद से खुदरा मुद्रास्फीति का सबसे निचला स्तर है।

बीमा क्षेत्र में सरकार दे सकती है बोर्ड में विदेशी निदेशकों की मंजूरी

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)।

बीमा विधेयक तैयार, आगामी मॉनसून सत्र में पेश किए जाने की संभावना

सरकार विदेशी बीमा कंपनियों को अन्य प्रमुख प्रबंधन कर्मियों (केएमपी) के अलावा बोर्ड में बहुसंख्य अनिवासी सदस्यों को नियुक्त करने की अनुमति दे सकती है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के मुताबिक बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को मौजूदा 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी किए जाने के बाद ऐसा किया जा सकता है।

यह अमेरिका की सरकार और अमेरिकी बीमा उद्योग की एक प्रमुख मांग रही है। हाल में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) व कोअलिशन ऑफ सर्विसेज इंडस्ट्रीज (सीएसआई) दोनों ने इस मुद्दे को उठाया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि बीमा विधेयक हमारी ओर से तैयार है और उसे आगामी मॉनसून सत्र में पेश किए जाने की संभावना है।

हम निदेशकों की नियुक्ति से संबंधित प्रावधानों को आसान बना रहे हैं। अगर कोई अमेरिकी नागरिक या कोई विदेशी पेशेवर नेतृत्व की भूमिका निभाता है तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। विदेशी बीमा कंपनियां पहले से ही बीमा नियामक आईआरडीएआई के जरिये पूरी तरह विनियमित हैं। इन बदलावों के कारण उनके कारोबार अथवा संरचना पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि इन सुधारों का उद्देश्य विदेशी नियंत्रण के लिए दरवाजे खोलना नहीं बल्कि नेतृत्व की भूमिकाओं में वैश्विक भागीदारी का स्वागत करना है। मगर दूसरे अधिकारी ने कहा कि सरकार का मानना है कि इस अनुमति के बावजूद विदेशी बीमा कंपनियां ऐसे पदों को भरने के लिए अनिवासी भारतीय पेशेवरों पर अधिक निर्भर रहेंगी।

उन्होंने कहा, 'इस समय अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में कई भारतीय पेशेवर काम कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि उनमें से कुछ वापस लौटकर भारतीय बीमा क्षेत्र में योगदान देंगे।

वाटसऐप में विज्ञापन दिखाने की शुरुआत की मेटा ने

पहली बार मेटा कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म वाटसऐप में विज्ञापन दिखाने की शुरुआत कर दी है। अब यूजर्स को इस मैसेजिंग ऐप के भीतर विज्ञापन दिखाई देंगे। मेटा ने स्टेटस फीचर के जरिए प्रायोजित कंटेंट पेश किया है, जो ऐप में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इससे मेटा को वाटसऐप से भी विज्ञापन के जरिए कमाई का जरिया मिल गया है। कंपनी ने अपने आधिकारिक ब्लॉग के जरिए इस अपडेट की घोषणा की, जिसमें तीन नए फीचर्स की जानकारी दी गई: चैनल मेंबरशिप, प्रचारित चैनल और स्टेटस में विज्ञापन। वाटसऐप अब विज्ञापन दिखाने के लिए यूजर की सीमित जानकारी का उपयोग करेगा, जिसमें उनका शहर, देश और भाषा जैसी सामान्य जानकारी शामिल होगी। यदि यूजर वाटसऐप को अपने मेटा अकाउंट सेंटर से लिंक कर देता है, तो उसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर दिखाई देने वाले कंटेंट पर भी इसका असर पड़ सकता है। मेटा ने यह स्पष्ट किया है कि यूजर्स की प्राइवेसी को गंभीरता से लिया जाएगा।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह अबतक 1.39 फीसदी घटकर 4.59 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में गिरावट दर्ज हुई है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अबतक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.59 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 1.39 फीसदी कम है, क्योंकि अग्रिम कर संग्रह धीमा रहा है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में अब तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.45 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 4.86 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है।

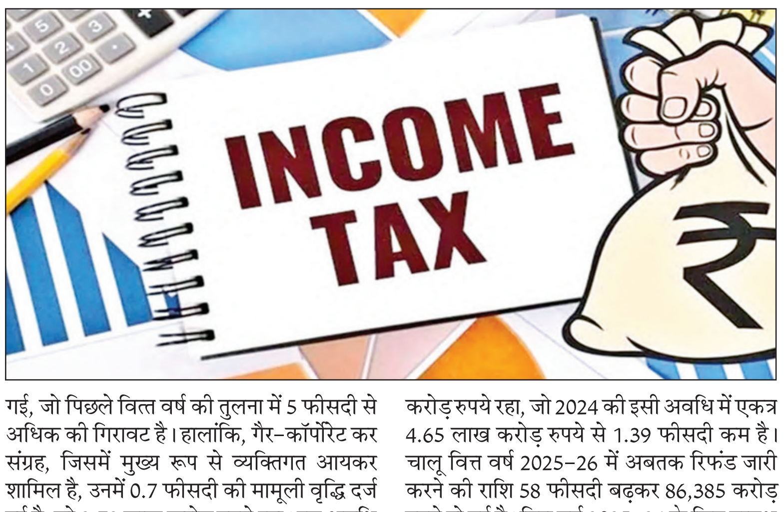

आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 19 जून तक 4.86 फीसदी बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान 5.19 लाख करोड़ रुपये का संग्रह हुआ था। 01 अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान अग्रिम कर संग्रह मात्र 3.87 फीसदी बढ़कर 1.56 लाख करोड़ पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2024-25 की तुलनात्मक अवधि में अग्रिम कर संग्रह में 27 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई थी। विभाग ने बताया कि 01 अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान कॉर्पोरेट कर संग्रह में करीब 1.73 लाख करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट है। हालांकि, गैर-कॉर्पोरेट कर संग्रह, जिसमें मुख्य रूप से व्यक्तिगत आयकर शामिल है, उनमें 0.7 फीसदी की मामूली वृद्धि दर्ज हुई है, जो 2.73 लाख करोड़ रुपये रहा। इस अवधि के दौरान प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) 12 फीसदी बढ़कर 13,013 करोड़ रुपये हो गया।

कुल मिलाकर 01 अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह लगभग 4.59 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 2024 की इसी अवधि में एकत्र 4.65 लाख करोड़ रुपये से 1.39 फीसदी कम है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अबतक रिफंड जारी करने की राशि 58 फीसदी बढ़कर 86,385 करोड़ रुपये हो गई है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रत्यक्ष कर (डीटी) संग्रह और अग्रिम कर संग्रह के आंकड़े 19 जून तक जारी कर दिए गए हैं। ये आंकड़े आयकर विभाग की राष्ट्रीय वेबसाइट के लिंक पर उपलब्ध हैं।

दो पहिया वाहनों के लिए एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम होगा अनिवार्य

जनवरी, 2026 से सभी नए निर्मित वाहनों पर होगा लागू

नई दिल्ली,21 जून (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार अगले साल जनवरी, 2026 से सभी नए निर्मित दो पहिया वाहनों के लिए एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) अनिवार्य बनाने की तैयारी कर रही है। इनमें स्कूटर, मोटरसाइकिल और बाइक शामिल होंगे। इसके अलावा, मंत्रालय एक नियम लागू करने की तैयारी कर रहा है जिसके तहत सभी टू-व्हीलर निर्माताओं और डीलरशिप को हर नए वाहन के साथ भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा प्रमाणित दो हेलमेट उपलब्ध कराने होंगे। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि ये पहल भारत में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को कम करने में महत्वपूर्ण होंगी। एक खबर के अनुसार दो पहिया वाहन चालकों की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में लगभग 44 फीसदी हिस्सेदारी है। इनमें से अधिकांश मौतें सिर की सुरक्षा के अभाव में लगने वाली गंभीर चोटों से जुड़ी हैं। परिवहन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, फिलहाल एबीएस केवल 125 सीसी से ऊपर की बाइक पर अनिवार्य है।

यह देखते हुए कि इनमें से अधिकांश वाहन 70 किमी/घंटा से अधिक की गति से यात्रा कर सकते हैं, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि स्किडिंग और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बेहतर ब्रेकिंग सिस्टम मौजूद हों। एबीएस को आपातकालीन ब्रेकिंग स्थितियों के दौरान व्हील लॉक-अप को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

फॉक्सवैगन टेरा की ब्राजील में डिलीवरी शुरू

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी फॉक्सवैगन की नई एसयूवी टेरा लैटिन एनकैप क्रैश टेस्ट में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। इस नई एसयूवी को विशेषतौर पर लैटिन अमेरिकी और अफ्रीकी बाजारों के लिए ब्राजील में तैयार किया गया है। यह एसयूवी ब्रांड की सुरक्षा के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। टेरा की ब्राजील में डिलीवरी शुरू हो चुकी है। परीक्षण में इस्तेमाल मॉडल में 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल , सीट बेल्ट रिमाइंडर, बेल्ट प्रीटेंशनर, लोड लिमिटर और स्पीड असिस्ट सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर्स शामिल थे। एडल्ट ऑक्यूपेंट सेफ्टी में टेरा ने 89.88प्रतिशत स्कोर किया। ड्राइवर और फ्रंट पैसेंजर की सिर और गर्दन की सुरक्षा अच्छी रही, जबकि छाती की सुरक्षा ड्राइवर के लिए मामूली और यात्री के लिए अच्छी पाई गई। साइड इम्पैक्ट में सिर, पेट और श्रोणि की सुरक्षा बेहतरीन रही, जबकि छाती के लिए पर्याप्त सुरक्षा देखी गई। साइड पोल टेस्ट में भी इसी तरह के नतीजे मिले। टेरा ने यूएन आर 32 रियर इम्पैक्ट आवश्यकताओं को भी पूरा किया और एईबी सिटी टेस्ट में पूरे अंक प्राप्त किए। चाइल्ड ऑक्यूपेंट सेफ्टी में टेरा ने 87.25 प्रतिशत स्कोर किया। इसोफिक्स सिस्टम दोनों आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्रभावी रहा, हालांकि छाती की सुरक्षा कुछ हद तक सीमित थी। साइड इम्पैक्ट में दोनों डमी को पूर्ण सुरक्षा मिली। पैदल यात्री सुरक्षा में टेरा ने 75.77 प्रतिशत स्कोर किया। हालांकि विंडस्क्रीन और ए-पिलर की सुरक्षा कमजोर पाई गई, लेकिन अन्य क्षेत्रों में पर्याप्त से लेकर अच्छी सुरक्षा दर्ज की गई।

जसप्रीत बुमराह ने बेन डकेट को किया बोल्ड, पाकिस्तान को लगा 440 बोल्ट का झटका, छीन गया बड़ा ताज

लीड्स,21 जून (एजेंसियां) । जसप्रीत बुमराह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में एक के बाद एक विकेट चटका रहे थे। दूसरी तरफ भारत के दूसरे गेंदबाज लगातार जूझ रहे थे। अब इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से पहले मैच के दूसरे दिन कुछ ऐसा ही देखने को मिला। हेडिंग्ले के मैदान पर जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर में जैक क्राउली को आउट किया। इसके बाद ओली पोप और बेन डकेट में शतकीय साझेदारी हुई। बुमराह ने डकेट को बोल्ड कर भारतीय टीम को दूसरी सफलता दिलाई।

बेन डकेट को आउट करते ही जसप्रीत बुमराह ने बड़ा कारनामा कर दिया। वह डएछ- देश यानी साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन गए हैं।

बुमराह ने पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम को पीछे छोड़ा। अकरम ने डएछ- देशों में 32 टेस्ट खेले और 146 विकेट लिए। बुमराह ने भी 32वें टेस्ट में ही 147 विकेट पूरे कर लिए हैं। हालांकि बुमराह ने अकरम से करीब 1400 गेंदें कम डाली हैं। स्ट्राइक रेट के साथ औसत में भी बुमराह अकरम पर भारी है।

जसप्रीत बुमराह ने सिर्फ वसीम अकरम ही नहीं बल्कि वकार यूनिस को भी पीछे छोड़ा है। जैक क्राउली के विकेट के साथ एशिया से बाहर उनके 159 विकेट हो गए। वह एशिया से बाहर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों में वकार यूनिस (158 विकेट) से आगे निकल गए हैं।

इस लिस्ट में 200 विकेट के साथ अनिल कुंबले पहले नंबर पर हैं।

जसप्रीत बुमराह ने 2018 में साउथ अफ्रीका में टेस्ट डेब्यू किया था। वह अपने करियर का 46वां मैच खेल रहे हैं। अभी तक वह 207 बल्लेबाजों का शिकार कर चुके हैं।

टेस्ट में 200 से ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में सिर्फ जसप्रीत बुमराह का औसत से 20 से कम का है। वहीं स्ट्राइक रेट में उनसे ऊपर सिर्फ साउथ अफ्रीका का कागिसो रबाडा हैं। हालांकि बुमराह पूरी तरह फिट नहीं है। वह इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज के सभी मुकाबले नहीं खेल पाए। वह इस मैच के बाद किसी दो ही मुकाबलों में नजर आएंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सत्ता के बदले ...

मुताबिक मुहम्मद यूनुस को राष्ट्रपति, तारिक रहमान को प्रधानमंत्री और जमात-ए-इस्लामी नेता डॉ. शफीकुर रहमान को उपराष्ट्रपति बनाया जाएगा। उस सरकार में बीएनपी, जमात, हिज्ब उत-तहरीर, हिफाजत-ए-इस्लाम, यूनुस की नेशनल सिटिजन पार्टी और यहां तक कि अंसार अल-इस्लाम जैसे आतंकवादी संगठनों के सदस्य शामिल होंगे। इस तरह बांग्लादेश में आम चुनाव कराने की संभावना पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी और बांग्लादेश का लोकतंत्र मुर्दाघर नहीं तो शीत गृह में डाल दिया जाएगा।

राजनीतिक समर्थन के साथ, यूनुस अब बांग्लादेश सशस्त्र बलों को खत्म करने पर तुला है। यूनुस ने संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं के जरिए शीर्ष सैन्य अधिकारियों को मानवाधिकारों के हनन के अपराधी के रूप में ब्रांडेड करने के लिए अभियान चला रखा है। पहले से ही, पूर्व डीजीएफआई प्रमुखों और आतंकवाद निरोधक अधिकारियों पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) में मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप दर्ज हैं। कई अधिकारी घर में नजरबंद हैं। यूनुस शासन इन मामलों का लाभ उठाकर सेना पर दबाव बना रहा है, जिसका लक्ष्य इसे एक नए अर्धसैनिक बल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी आर्मी (आईआरए) से बदलना है।

यूनुस इस बात से आशंकित है कि स्थायी सत्ता के बदले बांग्लादेश की संप्रभुता को बेच डालने के उसके कुचक्र में बांग्लादेश के सुरक्षाबल विद्रोह न कर दे। इसलिए सुरक्षाबल को शक्तिहीन करने की लगातार कोशिशें चल रही हैं। यूनुस को डर है कि उसे सबसे ज्यादा और खतरनाक प्रतिक्रिया बांग्लादेश सशस्त्र बलों से मिल सकती है। अगर तथाकथित जुलाई चार्टर घोषित किया जाता है और संविधान को रद्द कर दिया जाता है, तो सेना के पास हस्तक्षेप करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाएगा। इस तरह के हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप यूनुस को सत्ता से हटाया जा सकता है और उनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए जा सकते हैं, जिसमें मानवता के खिलाफ अपराध, भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन का बड़े पैमाने पर गबन शामिल है। इसकी आशंका के चलते बांग्लादेश में दमन बढ़ने की उम्मीद है। असहमति पर व्यापक कार्रवाई, न केवल राजनीतिक विरोधियों बल्कि सैन्य कर्मियों, पत्रकारों और विदेशी आलोचकों पर भीषण दमन की आशंका है।इसी वजह से यूनुस ने सत्तावादी अधिग्रहण को वैध बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र को हथियार बनाया है। संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ग्विन लुईस ने हाल ही में बांग्लादेश की तथाकथित सुधार प्रक्रिया के साथ अटूट एकजुटता व्यक्त की और चौंकाने वाले तरीके से अवामी लीग को बाहर करने का समर्थन किया। लुईस ने यह घोषणा भी कर दी कि आम चुनाव अवामी लीग के बिना भी हो सकते हैं। इस बयान से ही साजिश के संकेत समझ में आने लगे हैं। ट्रंप प्रशासन यूनुस का समर्थन कर रहा है। ट्रंप को यह मालूम है कि यूनुस हिलेरी क्लिंटन और जॉर्ज सोरोस का दलाल है, लेकिन अमेरिकी एजेंडे के कारगर होने के नाते ट्रंप चुप हैं। चालाक यूनुस ने एलन मस्क की स्टारलिंक को बांग्लादेश में काम करने का लाइसेंस दिया है और डोनाल्ड ट्रंप जूनियर के करीबी दोस्त जेंट्री बीच को व्यावसायिक अवसर देने का वादा किया है। ट्रंप के करीबी लोग उसी तरह से बड़े पैमाने पर लाभ कमा रहे हैं जैसे कभी क्लिंटन ने किया था।

यह ध्यान रखें कि अराकान कॉरिडोर योजना महज एक रणनीतिक पहल नहीं है, यह बांग्लादेश की संप्रभुता, स्थिरता और भविष्य पर खंजर की तरह है। यह लागू हुआ तो बांग्लादेश के लीबिया, सीरिया या इराक जैसा बनने में देर नहीं होगी। मुहम्मद यूनुस बांग्लादेश को रसातल की ओर ले जा रहा है। अगर इसे अभी नहीं रोका गया, तो यह साजिश गणतंत्र के हर लोकतांत्रिक स्तंभ को ध्वस्त कर देगी और इसे विदेशी महत्वाकांक्षाओं और घरेलू भयावहता के युद्धक्षेत्र में बदल देगी।

आंतरिक एवं ...

जहां हर समाज योग से जुड़े और तनाव से मुक्त हो। जहां योग मानवता को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम बने। जहां योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ एक वैश्विक संकल्प बन जाए।

पीएम मोदी ने कहा कि योग लोगों को विश्व के साथ एकता की यात्रा पर ले जाता है। दुनिया भर में कुछ तनाव की स्थिति बनी हुई है। मेरा विश्व से अनुरोध है कि इस योग दिवस को मानवता के लिए योग 2.0 की शुरुआत मानें, जहां आंतरिक शांति वैश्विक नीति बन जाए। योग एक महान व्यक्तिगत अनुशासन है, यह एक ऐसी प्रणाली है जो लोगों को मैं से हम की ओर ले जाती है और यह वह विराम बटन है जिसकी मानवता को सांस लेने, संतुलन बनाने और पुनः संपूर्ण बनने के लिए आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में संयुक्त राष्ट्र में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने की भारत की पहल को याद किया। उन्होंने कहा, मुझे याद है जब भारत ने संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव रखा था कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाए। बहुत ही कम समय में 175 देश इस पहल का समर्थन करने के लिए आगे आए। ऐसी एकता और जबरदस्त वैश्विक समर्थन वास्तव में असाधारण था। यह केवल एक प्रस्ताव पर सहमत होने के बारे में नहीं था, यह मानवता की भलाई के लिए उठाया गया एक सामूहिक कदम था। यह एक स्वस्थ, अधिक जागरूक दुनिया के लिए एक साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है। आज हम देख सकते हैं कि योग दुनिया भर में कई लोगों के जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि कैसे योग पृथ्वी के हर कोने तक पहुंच गया है। स्वास्थ्य और शांति का वैश्विक प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि चाहे सिडनी ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों, एवरेस्ट की चोटियां हों या समुद्र का विस्तार। हर जगह संदेश एक ही है, योग सभी का है और सभी के लिए है। योग की वैश्विक स्वीकृति सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह मानव कल्याण के लिए एक संयुक्त प्रयास है। प्रधानमंत्री ने दुनियाभर के लोगों को योग दिवस शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज 11वीं बार पूरी दुनिया 21 जून को एक साथ योग कर रही है। योग का सीधा सा मतलब है जुड़ना। यह देखना अद्भुत है कि कैसे योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है।

देश-दुनिया में मनाए जाने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग, तय किया गया था। विशाखापत्तनम में आरके बीच से भोगापुरम तक 26 किलोमीटर का कॉरिडोर बनाया गया था, जिसमें एक साथ 3.19 लाख लोगों ने योग किया। इस महा-आयोजन के सुचारू संचालन के लिए 1,000 लोगों की क्षमता वाले 326 कम्पार्टमेंट तैयार किए गए थे। 3.32 लाख टी-शर्ट और योग के लिए पांच लाख चटाइयों की व्यवस्था की गई थी।

आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार ने 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की थीं। इस बार योग के लिए राज्य में 2.39 करोड़ लोगों ने योग दिवस के लिए पंजीकरण कराया, जो शुरुआती अनुमान 2 करोड़ से कहीं अधिक है। 25,000 आदिवासी छात्रों ने आंध्र यूनिवर्सिटी में 108 मिनट तक सूर्य नमस्कार कर एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। इस योगांध्र पहल के तहत राज्य में 1.3 लाख स्थानों पर योग सत्र आयोजित किए गए, जिसमें 3.32 लाख टी-शर्ट और 5 लाख योगा मैट वितरित किए गए।

भारत ने योग दिवस पर विशेष उपलब्धि हासिल की। आंध्र प्रदेश और गुजरात ने योग में रिकॉर्ड कायम करते हुए गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज कराया। प्रधानमंत्री मोदी के गृह राज्य गुजरात और गृहनगर वडनगर ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। यहां दो हजार लोगों ने दो मिनट नौ सेकेंड तक भुजंगासन करके यह उपलब्धि हासिल की। वहीं आंध्र प्रदेश ने दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए। यहां तीन लाख के अधिक लोगों ने एक साथ योग करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। वहीं 2,000 आदिवासी छात्रों ने एक साथ 108 मिनट में 108 सूर्य नमस्कार करके बड़ी उपलब्धि हासिल की।गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के आधिकारिक निर्णायक रिचर्ड स्टनिंग ने बताया कि योग में कोबरा मुद्रा (भुजंगासन) करने वाले सबसे अधिक लोगों का रिकॉर्ड शनिवार को बना। हमने रिकॉर्ड के लिए प्रतिभागियों की न्यूनतम संख्या 250 तय की थी। उन्हें कम से कम एक मिनट के लिए कोबरा मुद्रा में योग करना था। करीब 2184 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया और दो मिनट और नौ सेकेंड तक 2121 प्रतिभागियों ने योग किया। उन्होंने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ा। इसमें शामिल सभी लोगों को बधाई, और यह एक शानदार उपलब्धि है।

गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात और भारत के लिए यह गर्व का क्षण है। वडनगर में खूबसूरत शर्मिष्ठा झील पर 2,121 लोगों ने एक साथ भुजंगासन किया। जिससे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना। भुजंगासन रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन में सुधार करता है। पीठ को मजबूत करता है और फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाता है। इस विश्व रिकॉर्ड के लिए और स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति आपकी बढ़ती जागरूकता के लिए गुजरात के लोगों को बधाई। वडनगर का प्राचीन शहर, आध्यात्मिकता, कला और संस्कृति का संगम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मस्थान है। यहां योग के दौरान एक शांत और भव्य दृश्य देखने को मिला, जिसमें योग ने पूरे स्थान को अलौकिक सौंदर्य से भर दिया। प्रधानमंत्री मोदी का आभार। योग भारत के ऋषियों द्वारा दिया गया ज्ञान का एक शाश्वत उपहार है।

आंध्र प्रदेश ने दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए। यहां तीन लाख लोगों ने एक साथ योग करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। वहीं 2,000 आदिवासी छात्रों ने एक साथ 108 मिनट में 108 सूर्य नमस्कार करके बड़ी उपलब्धि हासिल की। विशाखापत्तनम में तीन लाख से अधिक लोग योग करने के लिए एकत्र हुए और इतिहास रच दिया। वहीं करीब 22,000 आदिवासी छात्रों ने एक साथ 108 मिनट में 108 सूर्य नमस्कार किए। पूरे आंध्र प्रदेश में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग में भाग लेने के लिए 2.45 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया।

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देहरादून की पुलिस लाइन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने योग किया। कार्यक्रम में शामिल राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) और मंत्री सुबोध उनियाल ने भी योग किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, योग भारत की प्राचीनतम और गौरवशाली परंपरा का अमूल्य उपहार है। योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण भी प्रदान करता है।

मुस्लिम देशों...

ही अखिल भारतीय कांग्रेस की गतिविधियों पर। इन अकाउंट्स की गतिविधि पिछले एक महीने में खास तौर पर तेज हुई है और इनका ध्यान सिर्फ असम कांग्रेस और एक विशेष नेता की पोस्ट्स पर है, जिन्हें ये लाइक और कमेंट के जरिए बढ़ावा दे रहे हैं। हालांकि सीएम सरमा ने उस कांग्रेस नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन स्पष्ट है कि उनका इशारा असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई की ओर है, जिन्हें मई के अंतिम सप्ताह में यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इन सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए न केवल असम कांग्रेस के पक्ष में प्रचार हो रहा है, बल्कि इस्लामी कट्टरता से जुड़ा कंटेंट भी जमकर शेयर किया जा रहा है। जिनमे प्रो-फिलिस्तीन, ईरान समर्थन और बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस से संबंधित पोस्ट्स शामिल हैं। ये अकाउंट्स सिर्फ राजनीतिक प्रचार तक सीमित नहीं हैं। इनके जरिए संवेदनशील और उत्तेजक सामग्री भी फैलाई जा रही है, जो चिंता का विषय है। इस संदर्भ में उन्होंने चेतावनी दी कि ये सिर्फ एक राजनीतिक चाल नहीं, बल्कि सुनियोजित डिजिटल हस्तक्षेप है, जो राज्य की आंतरिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है।

हालांकि यह पहली बार नहीं है जब मुख्यमंत्री हिमंत ने इस तरह का दावा किया हो। इसी महीने की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि करीब 2,000 फेसबुक अकाउंट्स असम की राजनीति पर टिप्पणी कर रहे हैं, जिनमें से आधे से ज्यादा पाकिस्तान और बांग्लादेश से संचालित हैं। उन्होंने तब यह भी दावा किया था कि पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) असम के 2026 के विधानसभा चुनावों में किसी को जिताने की कोशिश कर रही है। तब असम पुलिस की विशेष शाखा को इन अकाउंट्स की जांच का जिम्मा सौंपा गया था।

मुख्यमंत्री के अनुसार पहली बार असम की राजनीति में इतनी बड़ी संख्या में विदेशी दखल देखने को मिली है। उनका आरोप है कि यह दखल आगामी चुनावों के मद्देनजर राज्य के राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सरमा ने भारत सरकार से इस मामले की गहन जांच और उचित कार्रवाई की मांग करते हुए कहा, हमने केंद्र को इसकी पूरी जानकारी दे दी है। यह सिर्फ असम की सियासत का मसला नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। हमें यह समझना होगा कि इन अकाउंट्स के पीछे कौन है और उनका असल मकसद क्या है?बता दें कि असम में 2026 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार और कांग्रेस के बीच सियासी जंग तेज होने की उम्मीद है। गौरव गोगोई के असम कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद हुए इस खुलासे से न केवल कांग्रेस पर दबाव बढ़ा सकता है, बल्कि राज्य की राजनीति में एक नया विवाद भी खड़ा कर सकता है। वहीं समाचार लिखे जाने तक असम कांग्रेस ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

हिमंत बिस्व सरमा का यह दावा असम की सियासत में एक नए तूफान के साथ-साथ एक नए तरह के खतरे की ओर इशारा करता है। मुख्यमंत्री के दावे के अनुसार यह एक गंभीर चेतावनी है कि चुनावों को केवल जमीन पर नहीं, बल्कि स्क्रीन के पीछे बैठे अनदेखे हाथों से भी लड़ा जा सकता है। अगर इन आरोपों की जांच में और भी ठोस सबूत सामने आते हैं, तो यह न केवल असम बल्कि पूरे देश की राजनीति में हलचल मचा सकता है।

उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हिंदू पर्यटकों को चुन-चुन कर मारे जाने की घटना के पहले कांग्रेस नेता के पाकिस्तान जाने और 15 दिनों तक वहां पाकिस्तान की खातिरदारी में रहने की बात उजागर हुई थी। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा के इस सनसनीखेज खुलासे पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण भी सामने नहीं आया था। उसके पहले गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से नजदीकी संबंधों का मामला भी उजागर हुआ था। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई के अमेरिकी धनपशु एवं भारत के खिलाफ षडयंत्र करने वाले जॉर्ज सोरोस से नजदीकी संबंधों का भी मामला सामने आ चुका है। वैसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी जॉर्ज सोरोस के साथ खूब अंतरंग हैं। गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पाकिस्तान के योजना आयोग के वरिष्ठ सलाहकार अली तौकीर शेख के साथ काम कर चुकी है।

वीडियो जारी होने...

दल को किसी विशेष बूथ पर कम वोट मिलते हैं तो वह सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आसानी से पहचान सकता है कि किस मतदाता ने वोट दिया है और किस मतदाता ने नहीं। उसके बाद उन्हें परेशान या धमकाया जा सकता है। निश्चित रूप से चुनाव आयोग सीसीटीवी फुटेज को 45 दिनों की अवधि के लिए अपने पास रखता है, जो पूरी तरह से एक आंतरिक प्रबंधन है। यह अनिवार्य आवश्यकता नहीं है। यह प्रक्रिया भी चुनाव याचिका दायर करने के लिए निर्धारित अवधि की वजह से है।

आयोग ने साफ किया कि परिणाम की घोषणा के 45 दिनों के बाद किसी भी चुनाव को चुनौती नहीं दी जा सकती है। इसलिए इस अवधि से अधिक समय तक फुटेज को अपने पास रखने से गैर-प्रतियोगियों कर ओर से गलत सूचना और दुर्भावनापूर्ण खबरें फैलाने के लिए सामग्री का दुरुपयोग होने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि यदि 45 दिनों के भीतर चुनाव याचिका दायर की जाती है, तो सीसीटीवी फुटेज को नष्ट नहीं किया जाता है और मांगे जाने पर इसे सक्षम न्यायालय को भी उपलब्ध कराया जाता है।

मतदाता की गोपनीयता बनाए रखना चुनाव आयोग के लिए अपरिहार्य है। आयोग ने कानून में निर्धारित इस आवश्यक सिद्धांत पर कभी समझौता नहीं किया है, जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा है। अपने इलेक्ट्रॉनिक डेटा के दुर्भावनापूर्ण जरिया बनने के डर से चुनाव आयोग ने अपने राज्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यदि उस अवधि के भीतर अदालतों में फैसले को चुनौती नहीं दी जाती है, तो वे 45 दिनों के बाद चुनाव प्रक्रिया के सीसीटीवी कैमरे, वेबकास्टिंग और वीडियो फुटेज को नष्ट कर दें।

भारत पहुंचते ही...

सभी ने भारत मां की सरजमीं पर आकर सजदा किया। भारत सरकार का बहुत धन्यवाद। मैं भारत से प्यार करता हूं। ईरान से देश लौटीं तजकिया फातिमा जब अपने परिवार से मिली तो वो फूले नहीं समा रही थी। उन्होंने कहा कि वहां अभी जंग के हालात थे। हमें लग रहा था कि हम कैसे निकलेंगे, लेकिन भारत सरकार के हम शुक्रगुजार हैं। उन्होंने हमें बहुत अच्छे तरीके से निकाल लिया। महबूब अली मुशर्रफ की दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचते ही आखें नम हो गई। उन्होंने भारत आते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार का शुक्रिया अदा करते हैं। वहां बहुत मुश्किल हालात थे। वहां एक-एक पल बहुत भारी लग रहा था, हिंदुस्तान जिंदाबाद। ईरान से भारत लौटे मोहम्मद अली काज़िम ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह मशहद शहर से लौटे हैं और घर वापस आकर बहुत अच्छा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हम धार्मिक यात्रा पर गए थे, लेकिन वहां हालात खासकर तेहरान में बहुत खराब हैं। ऐसे में भारतीय सरकार ने हमारी बहुत मदद की, हमें बॉर्डर पार करवाया और भारत लाने की पूरी व्यवस्था की। इसके साथ ही काजिम ने उत्तर प्रदेश सरकार का भी धन्यवाद किया और कहा कि वे उन्हें घर पहुंचाने में पूरा सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने भारत सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, हमें सुरक्षित वापस लाकर बहुत बड़ा काम किया गया है।

ईरान से सुरक्षित भारत लौटीं भारतीय नागरिक जिया कुलसुम ने बताया कि वहां के हालात ठीक नहीं थे और वे बहुत परेशान थीं। उन्होंने कहा कि ईरान की स्थिति अच्छी नहीं थी। हम सब बहुत चिंतित थे। लेकिन भारत सरकार ने हमारी बहुत मदद की और हमें सुरक्षित घर वापस ले आई। इसके साथ ही जिया ने सरकार के इस कदम के लिए आभार जताया और कहा कि अब वे खुद को सुरक्षित और सुकून में महसूस कर रही हैं।

गौरतलब है कि ईरान से 290 भारतीयों को लेकर एक विमान शुक्रवार देर रात दिल्ली पहुंचा। इसमें ज्यादातर छात्र हैं जो जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। ईरान ने एक विशेष पहल करते हुए 1,000 भारतीयों को निकालने के लिए अपना हवाई क्षेत्र खोल दिया। इन भारतीयों को तीन चार्टर्ड विमानों से लाया जा रहा है, जिसमें से यह पहला विमान था। भारत ने इजराइल और ईरान से भारतीयों को निकालने के लिए ऑपरेशन सिंधु शुरू किया है। ईरान पर इजराइली हमलों के बाद भारतीयों को तेहरान से मशाद शहर ले जाया गया था। वहां से निकासी उड़ानें ईरान एयरलाइन महान की ओर से संचालित की जा रही हैं जिसका प्रबंध भारत ने किया है। मशाद से दो उड़ानों के शनिवार दिन में किसी समय नई दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। वहीं, तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात से भारतीयों को लेकर एक और उड़ान भी आने वाली है। इस उड़ान से आने वाले भारतीयों को सड़क मार्ग से तेहरान से अश्गाबात पहुंचाया गया था।

मोदी कार्यकाल में ...

लेकिन महामारी के बाद यह राशि फिर कम होने लगी। यह गिरावट सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। कई बड़े देशों के नागरिकों के स्विस बैंकों में जमा पैसे में भी कमी आई है। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन के नागरिकों के जमा 2015 में 44 अरब स्विस फ्रैंक थे, जो 2024 में घटकर 31 अरब स्विस फ्रैंक रह गए। चीन के जमा भी 5.01 अरब से घटकर 4.3 अरब स्विस फ्रैंक हो गए।

पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी यही रुझान दिखा। पाकिस्तानी नागरिकों के जमा 2015 में 947 मिलियन स्विस फ्रैंक थे, जो 2024 में 241 मिलियन स्विस फ्रैंक पर आ गए, यानी 75 फीसदी की भारी गिरावट हुई। बांग्लादेश के जमा भी 48 मिलियन से घटकर 12.6 मिलियन स्विस फ्रैंक हो गए, जो 73 फीसदी की कमी है। सबसे बड़ी गिरावट अमेरिकी नागरिकों के जमा में देखी गई, जो 2015 के 64.2 अरब स्विस फ्रैंक से 2024 में 24.4 अरब स्विस फ्रैंक पर आ गए, यानी 62 फीसदी की कमी। सऊदी अरब के जमा भी 8.3 अरब से घटकर 4.8 अरब स्विस फ्रैंक हो गए।

तेलंगाना फोन...

भाजपा के अध्यक्ष थे। फोन टैपिंग मामले में 17 जून को पुलिस ने तेलंगाना कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ के भी बयान दर्ज किए हैं। गौड़ ने कहा कि फोन टैपिंग मामले में जो भी शामिल थे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि तेलंगाना में बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान कथित तौर पर कई राजनेताओं, शीर्ष अधिकारियों और जजों के फोन टैप किए गए थे। सत्ताधारी पार्टी को फायदा पहुंचाने के मकसद से यह साजिश रची गई थी। इस मामले का प्रमुख आरोपी तेलंगाना के स्पेशल इंटेलिजेंस ब्यूरो के पूर्व प्रमुख टी प्रभाकर को बताया जा रहा है। पुलिस टी प्रभाकर से पूछताछ कर रही है।

बुध ग्रह आज कर्क राशि में प्रवेश करेंगे

वैदिक ज्योतिष में बुध एक महत्वपूर्ण ग्रह है। बुध को ग्रहों का राजकुमार कहा जाता है। बुध को तर्क शक्ति, मीडिया, लेखक, वकील, व्यापार और गणित का कारक कहा जाता है। बुध ग्रह जब एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं तो उसका सभी मनुष्यों पर असर होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि बुध ग्रह 22 जून 2025 को मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। यहां वो 30 अगस्त तक रहने वाले हैं। ज्योतिष में बुध ग्रह को गहों का राजकुमार कहा गया है जोकि बल, बुद्धि, तर्क क्षमता, वाणी और व्यापार के कारक होते हैं। ऐसे में जून का महीना उनके लिए बेहद खास रहेगा, जिनकी कुंडली में बुध मजबूत हैं । बुध को बुद्धि और वाणी का कारक ग्रह माना जाता है। बुध मिथुन और कन्या राशि के स्वामी हैं और मीन राशि में नीचराशिगत तथा कन्या राशि उच्चराशिगत संज्ञक माने जाते हैं।

बुध सूर्य का निकटतम ग्रह है। बुध ग्रह को बुद्धि का प्रदाता कहा गया है। बुध ग्रह के लक्षण की बात करें तो यह व्यक्ति में बुद्धि, विवेक, हाज़िर जवाबी और हास्य-विनोद का प्रतिनिधित्व करता है। यह एक शुभ ग्रह है लेकिन कुछ स्थितियों में बुध अशुभ ग्रह में बदल सकता है। बुध कम्युनिकेशन का ग्रह है। बुध ग्रह के अधिदेवता भगवान विष्णु हैं। बुध व्यापार के देवता तथा व्यापारियों के रक्षक हैं। बुध चन्द्र और तारा के पुत्र है। बुध सौरमंडल के ग्रहों में सबसे छोटा और सूर्य से निकटतम है। बुध के हाथों में तलवार, ढाल, गदा तथा वरमुद्रा धारण की हुई है।

बुध का गोचर

22 जून को बुध कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। 25 जून को पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। 7 जुलाई को अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इसके बाद 18 जुलाई को व्रकी होंगे। 29 जुलाई को पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और 11 अगस्त को मार्गी होंगे। 22 अगस्त को अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और 30 अगस्त को सिंह राशि में प्रवेश करेंगे।

ज्योतिष में बुध ग्रह का विशेष महत्व

किसी भी जातक की लग्न कुंडली में बुध की मजबूत स्थिति के चलते ही अच्छे स्वास्थ्य और तेज बुद्धि की प्राप्ति होती है। जातक को करियर में उच्च सफलता मिलती है और अनुकूल परिणाम भी प्राप्त करता है। ज्योतिष के मुताबिक बुध ग्रह यदि अशुभ ग्रहों जैसे राहु/केतु और मंगल आदि के साथ युति करते हैं तो जातकों को जीवन में कई तरह की समस्याएं आती है। बुध मंगल के साथ युति करते हैं तो जातक की मति मारी जारी है और बुरे काम में फंस जाता है। बुध यदि बृहस्पति जैसे शुभ ग्रहों के साथ युति करते हैं तो इसके प्रभाव से जातकों को व्यापार, ट्रेड और सट्टेबाज़ी में दोगुने परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

बुध है नपुंसक ग्रह

बुध पुरुष ग्रह होने के बावजूद नपुंसक ग्रह कहलाता है। अर्थात यह जिस ग्रह के साथ बैठ जाए उसकी तरह व्यवहार करने लगता है। वक्री बुध यदि किसी खराब ग्रह के साथ बैठ गया और उसके खराब फल में वृद्धि हो जाती है।

बुध का वैदिक मंत्र

ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रति जागृहि त्वमिष्टापूर्ते सं सृजेथामयं च।
अस्मिन्त्सधस्थे अध्युत्तरस्मिन् विश्वेदेवा यजमानश्च सीदत।।

बुध का तांत्रिक मंत्र

ॐ बुं बुधाय नमः
बुध का बीज मंत्र
ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

क्या होगा असर

बुध के राशि परिवर्तन से लोगों में रचनात्मकता बढ़ेगी। शेयर मार्केट बढ़ने की संभावना है। बाजार में खरीदारी बढ़ सकती है। बिजनेस करने वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। अनाज और खाने की चीजों के दाम बढ़ सकते हैं। बड़े देशों के बीच इंपोर्ट-एक्सपोर्ट बढ़ेगा। बड़े एग्रीमेंट या बिजनेस समझौते होने के योग बन रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लेन-देन बढ़ेगा। कुछ देशों की करंसी मजबूत होगी। कुछ बड़े देश नई व्यापारिक रणनीति पर काम शुरू कर सकते हैं।

उपाय

बुध से पीड़ित व्यक्ति को मां दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। बुधवार के दिन गाय को हरा चारा खिलाना चाहिए और साबूत हरे मूंग का दान करना चाहिए। बुधवार के दिन गणपति को सिंदुर चढ़ाएं। बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। दूर्वा की 11 या 21 गांठ चढ़ाने से फल जल्दी मिलता है। पालक का दान करे। बुधवार को कन्या पूजा करके हरी वस्तुओं का दान करे।

बुध के इस गोचर का सभी 12 राशियों पर शुभ-अशुभ प्रभाव

मेष राशि

समय अच्छा है। आपको यात्राओं से अच्छा फायदा होगा। हालांकि इस समय आपको अपनी सेहत का भी ध्यान रखना होगा। हृदय रोग से पीड़ित लोगों के लिए समय अच्छा नहीं है। आपकी मानसिक सेहत के लिए भी समय थोड़ा तकलीफ भर रह सकता है। आपके शत्रुओं से आपको पीड़ा हो सकती है।

वृषभ राशि

आपको यात्राओं से अच्छा फायदा होगा। आपका कम्युनिकेशन अच्छा होगा। आपके भाग्य की वृद्धि होगी। अपने पिता और गुरुओं से आपको अच्छा सहयोग प्राप्त होगा। आप अपने मित्र के साथ कहीं बाहर घूमने के लिए भी जा सकते हैं।

मिथुन राशि

इस समय आपकी वाणी अच्छी होगी। आपको अच्छा आर्थिक फायदा भी होगा। आप अपने परिवार के भौतिक सुख सुविधा पर धन खर्च कर सकते हैं। अगर आप पैतृक व्यवसाय करते हैं तो आपको अच्छा सम्मान प्राप्त होगा। समुद्री व्यापार से भी अच्छे धन प्राप्ति के योग बने हुए हैं।

कर्क राशि

अगर काफी समय से आपका विवाह नहीं हो रहा है तो आपके विवाह की संभावना इस समय बन सकती है। इसके अलावा आपको अपने विदेशी संबंधों से भी मुनाफा प्राप्त हो सकता है। आपके भाई बहन इस समय आपका सहयोग करने वाले होंगे और उनके माध्यम से आपका कोई कार्य भी पूरा हो सकता है।

सिंह राशि

आपको अपनी आर्थिक स्थिति को अच्छी बनाने के लिए मेहनत करने की आवश्यकता है। इस समय आपको सलाह दी जाती है कि किसी भी व्यक्ति को सोच समझकर ही पैसा उधार देना है। अगर आप नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो समय फिलहाल अच्छा नहीं है।

कन्या राशि

यह गोचर बहुत अच्छा रहने वाला है। इस दौरान आप अपने व्यवसाय में जिस लाभ की उम्मीद कर रहे थे वह आपको प्राप्त होगा। आपका अगर काफी समय से कोई काम अटका हुआ था तो अपने मित्रों की मदद से वह काम भी पूरा हो जाएगा। शेयर मार्केट में काम कर रहे जातकों के लिए बुध का यह गोचर बहुत अच्छा है।

तुला राशि

कार्यस्थल पर अच्छा रहने वाला है। आपको कामकाज के सिलसिले में कुछ बड़ी यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। इस समय आपका मन धर्म कर्म और मंत्र में लगने वाला है। आप अपने मित्रों के माध्यम से किसी धार्मिक यात्रा के भी गवाह बन सकते हैं और उन धार्मिक यात्राओं में आपको साधु संतों की सेवा करने का मौका प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि

इस समय आपकी इच्छाएं पूरी होंगी। आपके घर परिवार में भौतिक सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी। कोर्ट कचहरी के मामलों में आपको सफलताएं प्राप्त हो सकती हैं। देवी देवताओं की पूजा करने का मौका प्राप्त होगा। धर्म में रुचि बढ़ेगी। आपकी वाणी प्रभावित होगी।

धनु राशि

इस समय अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आपको मौसम से जुड़ी कोई बीमारियां हो सकती हैं। आपको अपने मित्रों से धोखा प्राप्त हो सकता है। आप अपनी कमजोरी किसी को पता न चलने दे और अपने मन की बात किसी से ना करें संपत्ति को लेकर विवाद खड़ा हो सकता है।

मकर राशि

इस समय आपको अपने जीवनसाथी के साथ व्यर्थ के बाद विवाद से बचना चाहिए। आपको अपने जीवनसाथी की सेहत का भी ख्याल रखना होगा। आपके प्रेम संबंधों के लिए बुध का यह गोचर अनुकूल है। आप अपने प्रेमी को परिवार के लोगों से रूबरू भी करवा सकती हैं। परिवार और समाज में मान सम्मान की वृद्धि होगी।

कुंभ राशि

यह गोचर मिला-जुला रहने वाला है। आपको फायदा भी होगा लेकिन दूसरी और आपको कुछ सावधानियां भी रखनी होगी। इस समय आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहना होगा। आपको अपच, कब्ज और पेट से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है। कोई नई नौकरी भी प्राप्त हो सकती है।

मीन राशि

इस समय आप अपनी संतान के साथ बहुत अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आप अपने मित्रों के साथ मिलकर कोई नया स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं। आपके व्यापार के लिए समय बहुत अच्छा है। आपकी भावुकता इस समय चरम पर होगी। आप अपनी पत्नी के साथ एक अच्छा समय व्यतीत करने वाले हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शमी के पेड़ के नीचे जलाएं तिल के तेल का दीपक शनि की पीड़ा और नकारात्मक ऊर्जा होगी दूर

हिंदू धर्म शमी के पौधे को विजय, साहस और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। यह शनि ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है और भगवान शिव से भी संबंधित है। वहीं, तिल का तेल भी न्याय के देवता शनि और साहस के देवता भैरव जी से जुड़ा है।

शमी के पौधे के पास तिल का तेल का दीपक लगाने से कई तरह के लाभ मिलते हैं। इससे न सिर्फ नेगेटिव एनर्जी दूर होती है, बल्कि जीवन में आ रही परेशानियां भी खत्म होती हैं। व्यक्ति को सुख और समृद्धि मिलती है और जीवन में चल रही आर्थिक परेशानियों का अंत भी होता है।

इस पौधे के नीचे तिल के तेल का दीपक लगाने से व्यक्ति को हर काम में सफलता मिलती है। उसके अंदर किसी भी काम को करने का साहस जाग जाता है। तिल का तेल नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने का

भगवान भैरव और शनि देव की पूजा में तिल के तेल का विशेष रूप से उपयोग किया जाता है।

बुरी नजर और तांत्रिक प्रयोग से बचाता है

शमी के पेड़ के नीचे जब तिल के तेल का दीपक लगाया जाता है, तो यह उपाय करने वाले व्यक्ति और उसके परिवार को बुरी नजर से बचाता है। इसके अलावा यदि व्यक्ति के ऊपर किसी तरीके का तांत्रिक प्रयोग किया गया है, तो उससे भी रक्षा करता है।

शमी के पेड़ के नीचे तिल का तेल का दीपक लगाने से मां लक्ष्मी और भगवान भैरव की कृपा होती है। इससे पैसों से संबंधित चल रही समस्याएं दूर होती हैं। साथ ही साहस और ऊर्जा में बढ़ोतरी होती है। इसके साथ ही घर में सुख समृद्धि और धन का आगमन शुरू हो जाता है।

शनि पीड़ा से भी मिलती है राहत

जिन लोगों के जीवन में शनि की पीड़ा चल रही है। साढ़ेसाती या शनि की महादशा के बुरे दौर से गुजर रहे हैं, उन्हें इस उपाय को करने से बहुत लाभ मिलता है। शमी के पेड़ के नीचे मंगलवार या शनिवार के दिन सूर्यास्त के बाद में तिल के तेल का दीपक लगाने से लाभ होता है। ध्यान रखें कि दीपक की बाती का

कपूर जलाने से खत्म होती है नकारात्मक ऊर्जा

हिंदू पूजा पद्धति में कपूर बहुत खास है। पूजा के बाद आरती में कपूर का उपयोग किया जाता है। कपूर के बिना आरती अधूरी मानी जाती है। भारतीय पूजा पद्धति वैज्ञानिक नजरिये से भी महत्वपूर्ण है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इसमें इस्तेमाल किए जाने वाली हर चीज का वैज्ञानिक महत्व भी है। घर में कपूर जलाने से हानिकारक बैक्टीरिया खत्म होते हैं। कपूर जलाने से नकारात्मकता सकारात्मक ऊर्जा में बदल जाती है। कपूर का उपयोग बीमारियों के इलाज में भी किया जाता है। इसलिए धर्मग्रंथों के साथ आयुर्वेद में भी कपूर के बारे में खासतौर से बताया गया है। ज्योतिषीय और वास्तु उपायों में भी कपूर का उपयोग महत्वपूर्ण रूप से कियाजाताहै।

घर से बाहर हो जाती है दूषित वायु

कपूर के बारे में वैज्ञानिक शोधों के आधार पर भी कहा जाता है कि इसकी सुगंध से जीवाणु, विषाणु आदि बीमारी फैलाने वाले जीव खत्म हो जाते हैं। यह वातावरण को शुद्ध करता है जिससे बीमारी होने खतरा कम हो जाता है। विज्ञान के अनुसार, पूजा या हवन करते समय जब हम कपूर जलाते हैं, तो उससे निकलने वाला धुआं आसपास की नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है।

रोज कपूर जलाने से आसपास की हवा साफ होने लगती है। खराब हवा घर से बाहर हो जाती है और वातावरण शुद्ध हो जाता है। सुबह-शाम कपूर जलाने से बाहरी नकारात्मक ऊर्जा घर में नहीं आ पाती है। कपूर जलाने से हवा में ऑक्सीजन की मात्रा भी बढ़ सकती है। प्रदूषित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बीमारियों से बचने के लिए कपूर जलाना चाहिए।

कपूर जलाने से बैक्टीरिया, कीटाणु, मच्छर आदि घर में नहीं आ पाते हैं। कपूर को बारीक पीसकर पानी में डालकर पोंछा लगाने से चींटी, कीड़े नहीं आते।

वास्तु दोष दूर करने में भी कपूर का अच्छा असर होता है। घर के जिस कमरे में शुद्ध वायु आने-जाने के लिए खिड़की, रोशनदान आदि न हों वहां कांच के बर्तन में कपूर रखने से शुद्ध वायु का संचार होता है।

भारत के कुछ ऐसे अद्भुत मंदिर जिन्हें बनवाना असंभव लगता है पर आज भी सीना ताने खड़े हैं, दर्शन मात्र से मनोकामना होती हैं पूरी

पूर्व भारत से लेकर पश्चिम और उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत में ऐसे कई मंदिर हैं, जो करोड़ों भक्तों के लिए आस्था के प्रतीक माने जाते हैं। इसलिए कई लोग भारत को असंख्य मंदिरों का घर भी बोलते हैं। देश में स्थित कुछ मंदिरों की बनावट तो सिंपल लगता है, लेकिन कुछ ऐसे मंदिर हैं, जिन्हें देखने के बाद लोगों की आंखें खुली की खुली रह जाती हैं। ओडिशा से लेकर महाराष्ट्र और तमिलनाडु से लेकर गुजरात के कुछ मंदिरों को देखने के बाद ऐसा लगता है कि आज की तारीख में इन्हें बनवाना नामुमकिन सा है। आज हम आपको देश के कुछ उन मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें देखने के बाद ऐसा लगता है कि आधुनिक समय में ऐसा मंदिर बनवाना संभव नहीं है।

कोणार्क सूर्य मंदिर

ओडिशा के पुरी शहर में स्थित कोणार्क सूर्य मंदिर, भारत के सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध हिन्दू मंदिरों में से एक माना जाता है। इस अद्भुत मंदिर का निर्माण 13वीं शताब्दी के में हुआ था। यह मंदिर भगवान सूर्य देव को समर्पित है। एक विशाल रथ के रूप में निर्मित इस मंदिर की जटिल और अनूठी वास्तुकला देखने के बाद ऐसा लगता है, जैसे आज के समय इसे बनाना असंभव है। इस मंदिर का कथा पौराणिक कहानियों में भी है। इसलिए इस मंदिर के दर्शन के लिए दुनिया भर से श्रद्धालु पहुंचते हैं।

एलोरा का कैलाश मंदिर

महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित कैलाश मंदिर एलोरा की गुफाओं में गुफा संख्या 16 में स्थित भारत के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों से एक है। यह देश का एकमात्र ऐसा मंदिर माना जाता है, जिसे एक ही पत्थर को तराश कर निर्माण किया गया है। प्राचीन काल में निर्मित कैलाश मंदिर की बनावट और वास्तुकला देखकर ऐसा लगता है कि आधुनिक दुनिया में इसे बनवाना संभव नहीं है। यह मंदिर इस कदर प्रचलित है कि यहां सालों साल पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

रामेश्वरम मंदिर

दक्षिण भारत के तमिलनाडु में स्थित रामेश्वरम मंदिर को रामनाथस्वामी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह भगवान शिव को समर्पित है और इसे 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। रामेश्वरम दक्षिण भारत का एक ऐसा मंदिर है जिसे द्रविड़ शैली का एक उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। करीब 4000 से अधिक स्तंभों पर निर्मित इस मंदिर को देखने के बाद ऐसा लगता है, जैसे आज की तारीख में ऐसा मंदिर बनवाना नामुमकिन सा है। इस मंदिर का भव्य गलियारा भक्तों को सबसे अधिक आकर्षित करता है।

द्वारकाधीश मंदिर

गुजरात के द्वारका शहर में स्थित द्वारकाधीश मंदिर, राज्य के साथ-साथ पूरे देश का एक प्रसिद्ध मंदिर माना जाता है। यह भव्य मंदिर भगवान श्री कृष्ण को समर्पित है। इस मंदिर को हिन्दू धर्म के चार धामों में से एक माना जाता है। द्वारकाधीश मंदिर चालुक्य शैली में निर्मित है, जो एक पांच मंजिला मंदिर है। करीब 72 खंभों पर टिका यह मंदिर दुनिया भारके पर्यटकों को आकर्षित करता है। चूना पत्थर और रेत से निर्मित इस मंदिर को देखने के बाद ऐसा लगता है, जैसे आज की तारीख में ऐसा मंदिर नहीं बन सकता है।

मीनाक्षी मंदिर

तमिलनाडु के मदुरै शहर में स्थित मीनाक्षी मंदिर, दक्षिण भारत के सबसे प्रसिद्ध और पवित्र मंदिरों में से एक है। इस मंदिर को मीनाक्षी अम्मन मंदिर भी कहा जाता है। यह मंदिर देवी पार्वती के रूप माता मीनाक्षी को समर्पित है। इस मंदिर का इतिहास 2500 साल से भी पुराना बताया जाता है। मीनाक्षी मंदिर देश का एक ऐसा मंदिर है, जिसे देखने के बाद लगता है कि दोबारा ऐसा मंदिर बनवाना असंभव है। इस मंदिर की जटिल नक्काशी भक्तों को सबसे अधिक आकर्षित करती है।

अगर आपको यह स्टोरी अच्छी लगी हो, तो इसे फेसबुक पर जरूर शेयर करें। इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

पूजा के दौरान पति-पत्नी एक साथ क्यों बैठते हैं, क्या है कारण?

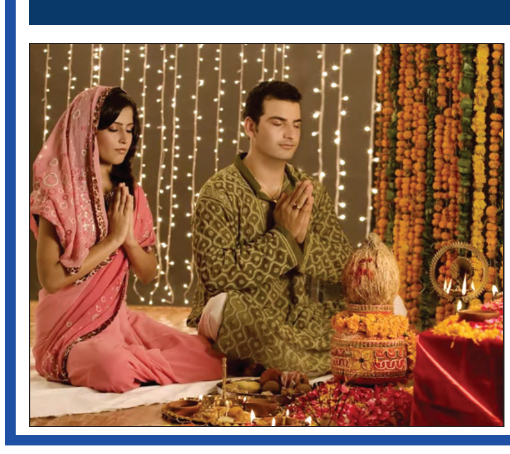

हिंदू धर्म में पूजा के समय पति-पत्नी का एक साथ बैठना केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व है, जो पूर्ण रूप से दांपत्य सुख का प्रतीक है। विवाह को केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो आत्माओं का पवित्र बंधन माना जाता है। जब पति-पत्नी एक साथ पूजा करते हैं, तो उनकी शक्ति और भक्ति मिलकर पूर्णता प्राप्त करती है। अकेले की गई पूजा को अधूरा माना जाता है, क्योंकि एक हिस्सा (आधा शरीर) अनुपस्थित रहता है।

मान्यता है कि पति-पत्नी द्वारा मिलकर किए गए धार्मिक कार्यों का पुण्य फल दोगुना होता है और वह दोनों को समान रूप से प्राप्त होता है। इससे उनके संयुक्त कर्मफल (शुभ कर्मों का परिणाम) में वृद्धि होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि पति को कभी भी अपनी पत्नी के बिना पूजा में नहीं बैठना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से पूजा का संपूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है। यही बात पत्नी पर भी लागू होती है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025

जानिए कैसे बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने योग से बदली अपनी जिंदगी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर हम उन बॉलीवुड अभिनेत्रियों का जश्न मना रहे हैं, जिन्होंने योग को सिर्फ एक फिटनेस ट्रेंड नहीं, बल्कि अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा बना लिया है। इन हसीनाओं ने योग के ज़रिए न सिर्फ अपने शरीर को मजबूत बनाया, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी पाया। ये हैं वो सितारे, जिनकी ज़िंदगी में योग है ताकत, शांति और आत्मविश्वास का दूसरा नाम

दीपिका पादुकोण– दीपिका के लिए योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं, बल्कि उनकी जिंदगी का सहारा रहा है। डिप्रेशन से जूझने के दौरान योग ने उन्हें संबल दिया। उनके शांत चेहरे और मजबूत फैसलों में उनके योग अभ्यास की झलक साफ नजर आती है।

करीना कपूर खान– करीना के लिए योग फिटनेस से कहीं बढ़कर है। 108 सूर्य नमस्कार से लेकर फिल्म शेड्यूल्स के बीच स्ट्रेचिंग तक, योग ने उन्हें मां बनने से लेकर सुपरस्टार बनने तक हर मोड़ पर साथ दिया है।

शिल्पा शेट्टी कुंद्रा– शिल्पा बॉलीवुड की उन पहली एक्ट्रेसेज़ में से हैं, जिन्होंने योग को पूरे देश में लोकप्रिय बनाया। उनकी डीवीडी, ऐप्स और ऑनलाइन सेशन्स ने योग को घर-घर पहुंचाया। उनकी फिटनेस और ग्लो आज भी लोगों के लिए प्रेरणा है।

शालिनी पांडे– शालिनी के लिए योग फिल्मी दुनिया की भाग-दौड़ में शांति पाने का तरीका है। वो अपने भीतर के संतुलन को बनाए रखने के लिए योग का सहारा लेती हैं, जिससे उन्हें नए किरदारों में ढलने और खुद से जुड़ने में मदद मिलती है।

मलाइका अरोड़ा–मलाइका का नाम आते ही फिटनेस और योग दोनों याद आ जाते हैं। ऐरियल योग हो या कठिन आसन, मलाइका अपने स्टाइल और अनुशासन से लाखों लोगों को प्रेरित कर रही हैं।

कुब्रा सैत–कुब्रा के लिए योग सिर्फ फिटनेस नहीं, बल्कि अंदरूनी मजबूती पाने का जरिया है। वो सोशल मीडिया पर अपने अनुभव खुले दिल से शेयर करती हैं, जिससे उनके फैंस भी अपने मन की उलझनों से लड़ने की ताकत पाते हैं।

जैकलीन फर्नांडिस– जैकलीन योग को एक जश्न की तरह जीती हैं। उनकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल में आपको न जाने कितने बार उल्टे लटके हुए योग आसनों में उनकी मुस्कान नजर आएगी। योग के साथ उनकी एनर्जी और पॉज़िटिविटी देखते ही बनती है।

ईशा गुप्ता– ईशा योग को अनुशासन और समर्पण के साथ अपनाती हैं। उनके फिट शरीर और ग्लो के पीछे उनका योग का सफर छुपा है। उनके लिए योग एक ऐसा माध्यम है जिससे वो अपने मन और आत्मा से जुड़ती हैं।

आकांक्षा शर्मा – नई पीढ़ी की आवाज़, आकांक्षा के लिए योग एक रोज़ का नियम है। चाहे सुबह के सूर्य नमस्कार हों या कठिन आसन, योग उनके लिए आत्मविश्वास और आत्म-प्रेम का माध्यम है।

फिट इंडिया कल्ट योगाथन में रकुल और जैकी ने लिया हिस्सा, बोले

योग शॉर्टकट नहीं, बल्कि जुनून

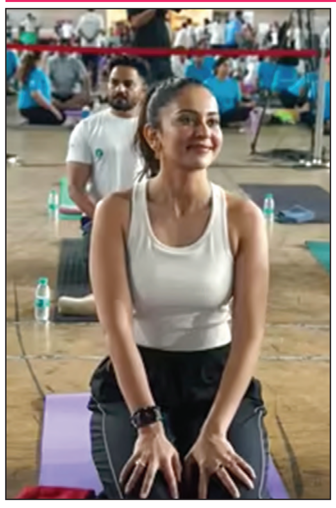

नई दिल्ली में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आयोजित 'फिट इंडिया कल्ट योगाथन' कार्यक्रम में कई मशहूर हस्तियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर जानी-मानी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, अभिनेता- निर्माता जैकी भगनानी और अभिनेत्री मधुरिमा तुली ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई। इस दौरान उन्होंने लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक और प्रेरित किया। साथ ही अपने अनुभव भी साझा किए। इस खास मौके पर आईएएनएस से बात करते हुए जैकी भगनानी ने बताया कि किसने उन्हें प्रेरित किया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में फिटनेस को लेकर जागरूकता बढ़ी है। यहां मंत्री से मिलकर काफी अच्छा लगा, क्योंकि मंत्री खुद साइक्लोथॉन और हर रविवार साइकिल चलाओ जैसी पहल का हिस्सा हैं। मैं पहले कभी 150 किलो का था और अब 75 किलो वजन कम कर चुका हूं। आज इस पहल का हिस्सा बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है।

वहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने भी योग और फिटनेस को अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, फिटनेस मेरे और जैकी के लिए सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका है। यह कोई शॉर्टकट या सिर्फ पतले रहने का उपाय नहीं, बल्कि एक जुनून है। योग, वेलनेस और फिट इंडिया मूवमेंट से जुड़कर मुझे बेहद खुशी हो रही है।कार्यक्रम में मौजूद मधुरिमा तुली ने भी योग के प्रति अपने लगाव को साझा किया। उन्होंने कहा, मैं 10 साल की उम्र से योग कर रही हूं। मुझे योग मेरे माता-पिता ने सिखाया था।

अनुपम खेर ने न्यूयॉर्क में मनाया योग दिवस, कहा

भारत का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात

बॉलीवुड के अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर, जो वर्तमान में न्यूयॉर्क में हैं, ने बिग एपल के टाइम्स स्क्वायर में आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में भारत का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने इस अवसर को भारतीय संस्कृति और योग की महत्ता को वैश्विक स्तर पर फैलाने का एक शानदार मौका बताया। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर शनिवार सुबह टाइम्स स्क्वायर में मनाए गए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से कई वीडियो और तस्वीरें शेयर कीं।

एक वीडियो में अनुपम खेर कहते हुए सुनाई दे रहे हैं: नमस्ते, इस दुनिया की सबसे प्रसिद्ध जगह पर योग करते देखना बहुत अच्छा लगता है। मैं बचपन से अपने दादा जी को योग करते हुए देखता आया हूं। योग सिर्फ हमारे शरीर के लिए अच्छा नहीं है, बल्कि हमारे मन के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह एक शानदार पहल थी। इस पोस्ट को शेयर करते हुए अनुपम ने कैप्शन में लिखा, टाइम्स स्क्वायर, न्यूयॉर्क में योग: मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात थी कि मैं भारत की तरफ से 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इस प्रसिद्ध जगह पर मौजूद रहा। धन्यवाद मुझे इस खास आयोजन में बुलाने के लिए। इस शानदार माहौल में योग करना अद्भुत एहसास था। जय हिंद।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एक खास दिन है, जो हर साल 21 जून को दुनियाभर में मनाया जाता है। यह दिन योग की महत्ता को पहचानने के लिए है। योग दिवस मनाने का अधिवेशन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में संयुक्त राष्ट्र में दिया था, जिसे मंजूरी दी गई। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुपम खेर इन दिनों फिल्म तन्वी द ग्रेट को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने इस फिल्म को निर्देशित किया है। फिल्म में शुभांगी दत्त, बोमन ईरानी, जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, पल्लवी जोशी, करण टक्कर और नासिर अहम किरदार में हैं। तन्वी द ग्रेट' फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

शिल्पा से लेकर मलाइका तक बॉलीवुड हसीनाओं ने बताया योग का महत्व, यह सिर्फ पोज नहीं, सोच है

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बॉलीवुड अभिनेत्रियों में जबरदस्त जोश दिखा। शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, मलाइका अरोड़ा, ईशा कोप्पिकर, नेहा धूपिया, दीया मिर्जा और नीतू कपूर ने योग करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किए। इन वीडियोज में वह अधोमुखश्वानासन से लेकर धनुरासन, चक्रासन, भेकासन, गोमुखासन, हलासन, सर्वांगासन और शीर्षासन तक हर योगासन का अभ्यास करती दिखीं। सभी ने अपने फैंस को योग के लिए प्रेरित किया और बताया कि ये सिर्फ शरीर के लिए नहीं, बल्कि मन और आत्मा के लिए भी कितना जरूरी है। मलाइका अरोड़ा ने योग दिवस पर एक शानदार वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, योग सिर्फ एक दिन करने की चीज नहीं है, यह तो पूरी जिंदगी के लिए है। अगर दिन की शुरुआत योग से होती है, तो अंत शांति और शुक्रिया के एहसास के साथ होता है। यही असली सुकून है।

शिल्पा शेट्टी ने वीडियो शेयर करते हुए योग दिवस पर अपनी बात बड़े ही गहरे अंदाज में रखी। उन्होंने लिखा, जब हमारे पास कोई चीज एक ही होती है, तो उसकी अहमियत और भी बढ़ जाती है। इस बार की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' है। हमारे जीवन में संतुलन बहुत जरूरी है, चाहे वो शरीर का हो, मन का हो या आत्मा का। अच्छी सेहत को कमाना पड़ता है, संभालकर रखना पड़ता है। योग सिर्फ पोज नहीं, बल्कि सोच है। यह सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी धरती और समाज के लिए है।

वीडियो में नीतू कपूर अपनी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ योग करती दिखीं। उन्होंने लिखा, सबसे अच्छी विरासत कोई चीज या पैसा नहीं, बल्कि एक-दूसरे के लिए प्यार और योग जैसी अच्छी आदतें हैं।

दीया मिर्जा ने योग दिवस की इस साल की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कैप्शन में लिखा, योग सिर्फ शरीर को नहीं, पूरे समाज को जोड़ने की ताकत रखता है। जैसे हम योग में सांसों पर ध्यान देते हैं, वैसे ही हमें साफ हवा की अहमियत भी समझनी चाहिए। साफ हवा चाहिए तो धरती को भी सेहतमंद रखना होगा। हमें मिलकर आवाज उठानी होगी ताकि देशभर के सभी लोग भी साफ हवा को प्राथमिकता दें। वहीं नेहा धूपिया ने अपनी पोस्ट में लिखा, योग ने मेरी जिंदगी बदल दी है। ईशा कोप्पिकर ने भी योग करते हुए वीडियो शेयर की और खूबसूरत मैसेज लिखा-जब जब शरीर लय में चलता है और सांसें आराम से बहती हैं, तो इंसान खिलने लगता है।

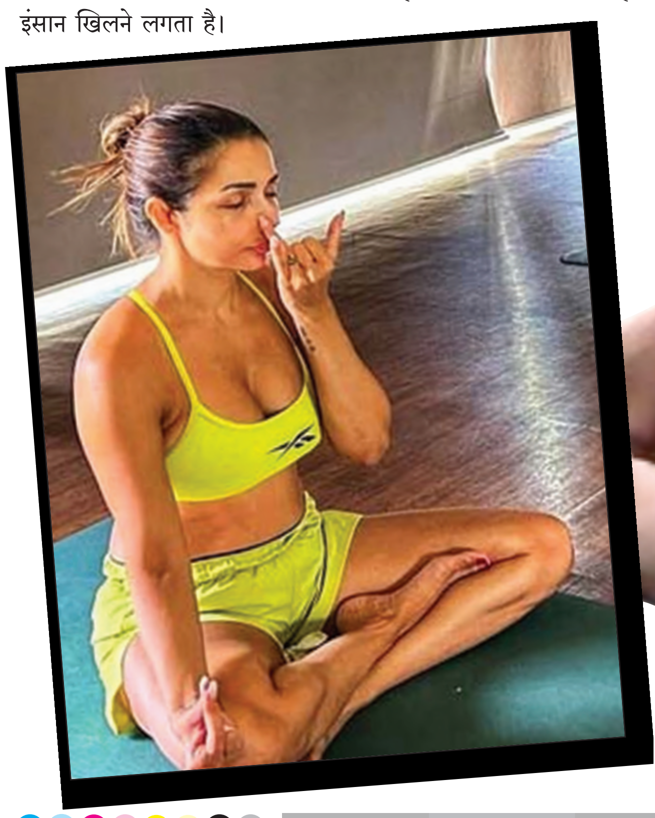

योग से मुझे आज के पल में जीने की ताकत मिली : संदीपा धर

कई फिल्मों और टीवी शोज का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस संदीपा धर ने अपनी योग यात्रा को अनोखा बताया। खुलासा किया कि कैसे समय के साथ उनका योग के साथ रिश्ता बदलता गया और मजबूत होता गया। संदीपा ने कहा कि पहले उनके लिए योग सिर्फ एक एक्सरसाइज था, लेकिन अब यह उनके जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। योग ने उन्हें न केवल शारीरिक रूप से फिट बनाया, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी दिया है। योग से वह खुद से जुड़ पाती हैं।इस बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, करीब दस साल पहले मैंने योग मैट पर कदम रखा था, लेकिन उस समय मेरा मकसद वजन कम करना और फिट रहना था। मैंने पावर योग को चुना क्योंकि यह तेज, असरदार और जल्दी नतीजे देता है। लेकिन उन शुरुआती योगासन से अब के बीच के समय में, योग ने मुझे बहुत कुछ चीजें सिखाई हैं, जो मुझे पता ही नहीं थीं। मैं गलत तरीके से सांस ले रही थी।

संदीपा के लिए योग अब सिर्फ शरीर को फिट बनाने का तरीका नहीं रहा। यह उनके लिए एक ऐसा जरिया बन गया है जिससे उन्होंने सांस लेने जैसी सबसे जरूरी और बेसिक चीज को गहनता से सीखा है। योग के जरिए उन्हें खुद को पूरी तरह से वर्तमान पल में जीना सीखने में मदद मिली है।

संदीपा ने आगे कहा, यह सुनने में तो बहुत आसान लगता है, है ना? लेकिन आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम सही तरीके से सांस लेना ही भूल गए हैं। योग ने न सिर्फ ... को संतुलन किया है, ब्लकि मुझे ... भी वापस दी है। इस तरह मुझे ... आज के पल में जीने की ताकत ...। खुद को स्थिर और मजबूत ...हसूस करने की शक्ति मिली। ...अभिनेत्री ने कहा, योग सिर्फ आसन ...करने या कैलोरी बर्न करने के बारे ...में नहीं है। यह खुद से जुड़ने और अपने असली होने का एहसास ...

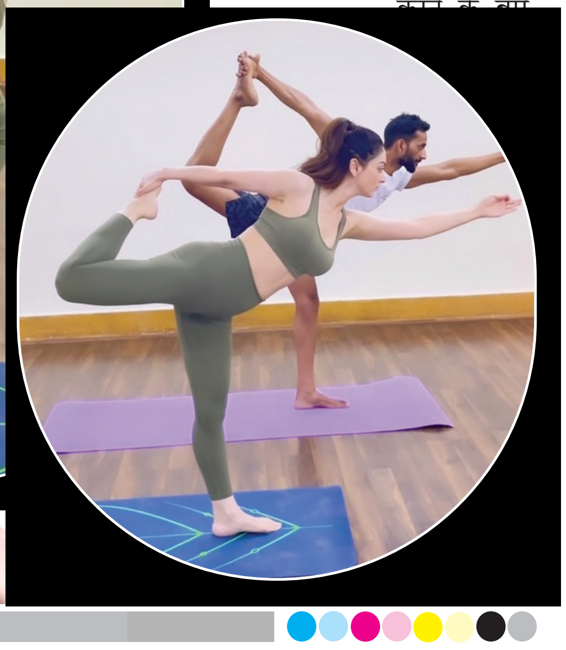

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। प्रभावशाली और महत्व-पूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। यह दिन प्रसन्नता और ज़िन्दादिली के साथ किसी ख़ास संदेश को भी देगा। अपनी बौद्धिक क्षमताओं का इस्तेमाल अपने हित में करें। इसकी मदद से आप पेशेवर योजनाओं और नए विचारों को पूरा कर सकते हैं। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लगाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएं। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा।साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान-पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। आज आप अपना खाली समय अपनी माता की सेवा में बिताना चाहेंगे लेकिन ऐन मौके पर किसी काम के आ जाने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे आपको परेशानी होगी। वैवाहिक जीवन में बहुत ख़ूबसूरती रहेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका गुस्सा राई का पहाड़ बना सकता है, जो आपके परिवार को नाराज़ कर सकता है। वे लोग ख़ुशक़िस्मत हैं जो अपने गुस्से पर क़ाबू रख सकते हैं। इससे पहले कि आपका गुस्सा आपको ख़त्म करे, आप उसे ख़त्म कर दें। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। बदलते समय के साथ क़दमताल करने के लिए नई तकनीक से तालमेल बैठाना महत्वपूर्ण रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। इस राशि के कुछ लोगों को आज ज़मीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन ख़र्च करना पड़ सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। हवन का आयोजन घर में होगा। आज आपको अपने जीवनसाथी का सहयोगी पक्ष देखने को मिल सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

खाने-पीने वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड ख़राब कर सकता है। अपने आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। ज़िंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अपने भाई बहनों की सलाह लें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। दफ़्तर में शांत और संतुष्ट सोच आपके मन को उत्साहित रखेगी। भविष्य की योजनाओं के लिए अपने सबसे नए संपर्क बनाने की ज़रूरत है। ये कारोबार की तरक़्क़ी में बहुत मददगार रहेंगे। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएं, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएं। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। शाम को दोस्तों के साथ घूमें-फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। साझेदारी में किए गए काम आख़िरकार फ़ायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। आज आप जो लोग विदेशों से व्यापार करते हैं उन्हें आज अच्छा ख़ासा धन लाभ हो सकता है। आपके बच्चे के पुरस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 जून 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 01:24 तक
नक्षत्र : भरणी सायं 05:39 तक
योग : सुकर्मा सायं 04:57 तक
करण : कौलव दोपहर 02:58 तक
चन्द्रराशि : मेष रात्रि 11:08 तक
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36, सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : योगिनी एकादशी व्रत वैष्णवानाम् ,
आर्द्रा में रवि प्रात: 06:19 से , वर्षा ऋतु आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम भजनलाल शर्मा ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों से किया संवाद

जैसलमेर, 21 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जांबाज हर तरह की परिस्थितियों में अड़िग रहकर दिन-रात हमारी सीमाओं की रक्षा में तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही कानून व्यवस्था, अपराध की रोकथाम, सामाजिक समरसता बनाए रखने और आपदा प्रबंधन में बीएसएफ के जांबाज हर मोर्चे पर मुस्तैदी से डटे रहते हैं।

शर्मा शनिवार को भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट स्थित मां तनोट राय मंदिर परिसर में सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने बीएसएफ के जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मन के छक्के छुड़ाकर हम सबको गौरवान्वित किया है। बीएसएफ और सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया के सामने बहादुरी का एक अद्वितीय उदाहरण पेश किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की बीएसएफ ने जल, थल और वायु सुरक्षा इकाइयों का गठन कर दुनिया भर के सभी सीमा सुरक्षा बलों में अग्रणी बनाया है। बीएसएफ आज दुनिया का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित सीमा सुरक्षा बल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा बलों को बेहतर आवास, स्वास्थ्य सुविधाएँ, शिक्षा और आधुनिक उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान प्रदेश के अंतराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रिक्त पद भरे तथा लगातार संपर्क बनाए रखा। यहां के नागरिकों से भी देशभक्ति का जज्बा, देशप्रेम और बीएसएफ के कार्यों की सराहना देखने को मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं तथा हमारी सेना को सशक्त बनाया गया है। वर्ष 2014 के बाद देश में गरीब कल्याण की योजनाओं, सीमाओं की बढ़ती सुरक्षा से लेकर आतंकवाद और नक्सलवाद का खात्मा एवं दुनिया भर में देश का बढ़ता हुआ सम्मान के रूप में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री की प्रेरणा से विकास और विरासत के विजन को साथ लेकर कार्य कर रही है। इसी दिशा में शौर्य की धरा पर मां तनोट राय का भव्य और सुंदर मंदिर बनेगा और 200 कमरों का विश्राम गृह भी बनेगा।

तनोट यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किशनगढ़ फोर्ट पहुंचे। इस दौरान शर्मा ने 1100 वर्षों से अधिक प्राचीन किशनगढ़ फोर्ट के स्थापत्य और सामरिक महत्व की जानकारी ली। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक ने इस फोर्ट के इतिहास एवं सामरिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मां तनोट राय के दर्शन कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विजय स्तम्भ पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने जैसलमेर सर्किट हाउस में की जनसुनवाई

जैसलमेर, 21 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान शनिवार को जैसलमेर सर्किट हाउस में जनसुनवाई की। उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं को सुनते हुए मौके पर ही अधिकारियों को संवेदनशीलता से उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

इस दौरान विद्युत, जलदाय, चिकित्सा, समाज कल्याण, शिक्षा, उद्योग, राजस्व, गृह, खनन, कृषि, सहित विभिन्न विभागों से संबंधित प्रकरण प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जिला मुख्यालय पर नियमित रूप से जनसुनवाई कर आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

निर्मल चौधरी की गिरफ्तारी निंदनीय और अलोकतांत्रिक : सचिन पायलट

जयपुर, 21 जून (एजेंसियां)। राजस्थान यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी की गिरफ्तारी ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने इस मामले में राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला करार देते हुए सरकार की मंशा पर सवाल उठाए।

पायलट ने कहा कि सरकार विरोध की आवाज को दबाने के लिए प्रशासन और पुलिस का दुरुपयोग कर रही है। सचिन पायलट ने तल्ख लहजे में कहा, सरकार का यह रवैया साफ है, जो हमारे खिलाफ बोलेगा, जो लड़ेगा, उसे कुचल देंगे। यह निंदनीय और अलोकतांत्रिक है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन और धरना देना हर नागरिक का संवैधानिक हक है और विपक्ष का दायित्व है कि वह जनता की आवाज उठाए। लेकिन सरकार ऐसी कार्रवाइयों से गलत संदेश दे रही है। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। सरकार इस तरीके की कार्रवाई करके जो संदेश देने का काम कर रही है, उसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। वह निंदनीय है। उदयपुर संभाग के सबसे बड़े एमबी चिकित्सालय स्थित दिलशाद हॉस्टल में एक युवा डॉक्टर रवि शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला गर्मा गया है।

पायलट ने इस घटना का जिक्र करते हुए सरकार की लापरवाही पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हाल ही में उदयपुर में एक डॉक्टर के साथ दुखद घटना घटी और अब इस युवा की मौत के कारण लोग विरोध और प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसी परिस्थितियां क्यों पैदा हो रही हैं? यह स्पष्ट रूप से सिस्टम में कमियों की ओर इशारा करता है। कहीं न कहीं प्रशासन और सरकार के काम करने का तरीका, लापरवाही, लापरवाही वाला रवैया, गंभीरता की कमी को दर्शाता है, जिससे युवा डॉक्टर की मृत्यु हुई।उन्होंने आगे कहा कि उसके परिवार और सहकर्मी न्याय की मांग कर रहे थे। इस मामले को सुलझा लिया गया और सरकार ने कार्रवाई की, जिससे परिवार संतुष्ट हो गया, लेकिन इसमें अनुचित रूप से लंबा समय लग गया।

राज्यवर्धन राठौड़ ने दौसा में दिया नियमित योग का संदेश

दौसा, 21 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री और दौसा के प्रभारी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर दौसा स्थित प्रसिद्ध गेटोलाव धाम में आयोजित योग शिविर में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने विशिष्ट व्यक्तियों, सरकारी अधिकारियों, छात्रों और बड़ी संख्या में योग साधकों के साथ मिलकर सामूहिक योगाभ्यास किया। कर्नल राठौड़ ने इस दौरान योग के सार्वभौमिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हर भारतवासी हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभारी है, जिन्होंने भारत की प्राचीन योग परंपरा को वैश्विक मंच पर अद्वितीय प्रतिष्ठा दिलाई। उन्होंने इस बात पर गर्व जताया कि आज 21 जून को संपूर्ण विश्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में भारतीय संस्कृति के इस अमूल्य उपहार को अपनाकर गौरव का अनुभव कर रहा है।कार्यक्रम के दौरान, कर्नल राठौड़ ने विशाखा-पत्तनम, आंध्र प्रदेश में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य समारोह से वर्चुअल माध्यम से जुड़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का प्रेरणादायक मार्गदर्शन भी प्राप्त किया।

शिल्पग्राम के पुनर्विकास की बनेगी उत्कृष्ट कार्ययोजना : दिया कुमारी

जयपुर, 21 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को शासन सचिवालय, जयपुर में पर्यटन विभाग से जुड़े विभिन्न विषयों पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में तीज महोत्सव, शिल्पग्राम का पुनर्विकास, जमवाय माता मंदिर क्षेत्र का विकास, तथा राजस्थान के ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस बार तीज उत्सव को दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में और अधिक भव्यता से मनाया जाए, ताकि राज्य की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर और भी मजबूती से प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने जवाहर कला केन्द्र परिसर स्थित शिल्पग्राम के पुनर्विकास को लेकर एक उत्कृष्ट कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए, जिससे वहाँ के कलाकारों को वर्ष भर कला प्रदर्शन के अवसर मिल सकें और उनकी आजीविका को स्थायित्व मिले। शिल्पग्राम को एक जीवंत सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में यह अहम कदम माना जा रहा है। तीज उत्सव को इस वर्ष दो दिवसीय और अधिक भव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा।

भाजपा ने फायरिंग और हत्याओं को बना दिया लोगों की दिनचर्या का हिस्सा : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 21 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी सरकार ने कानून व्यवस्था को सात तालों के भीतर बंद करके चाबी बदमाशों के हाथों में पकड़ा दी है। प्रदेश में अपराध इस कद्र बेकाबू है कि फायरिंग और हत्याएं अब लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं। जींद के खरकरामजी गांव में हुई कारोबारी की हत्या ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि हरियाणा में भाजपा'राज' नहीं बल्कि गुंडा'राज' चल रहा है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इन दोनों बीजेपी सरकार सोशल मीडिया पर कार्टून पोस्ट करके वही बातें बोल रही है, जो हमने कांग्रेस कार्यकाल के दौरान कही थी। कांग्रेस सरकार के दौरान बदमाशों को स्पष्ट चेतावनी दे दी गई थी कि या तो बदमाशी छोड़ दो या फिर हरियाणा छोड़ दो। हमने सिर्फ ये बात कही ही नहीं थी, बल्कि इसे लागू भी करके दिखाया था।

कांग्रेस सरकार ने प्रदेश से गैंगस्टर, माफिया और बदमाशों का पूरी तरह सफाया कर दिया था। लेकिन बीजेपी सरकार कार्टून बनाकर कोरी डायलॉगबाजी कर रही है। अगर उसे नकल ही करनी है तो कांग्रेस की नीति की नकल करनी चाहिए और प्रदेश से कांग्रेस सरकार की तरह अपराध का सफाया करना चाहिए। लेकिन कानून व्यवस्था व लोगों की सुरक्षा कभी भी बीजेपी की प्राथमिकता रही ही नहीं।जिस बीजेपी को जनता ने सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है, वह के अहंकार में मदमस्त होकर इवेंजबाजी में लगी हुई है। सरकार खुद प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर अपराध को संरक्षण दे रही है।

स्वस्थ जीवन के लिए योग को जीवनचर्या में शामिल करें : बड़ौली

सोनीपत, 21 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह और समर्पण के साथ मनाया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली शनिवार को दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल (सोनीपत) में आयोजित 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए और योग क्रियाएं की। उन्होंने कहा कि योग हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ रखने के साथ ही हमें मानसिक और आत्मिक रूप से भी मजबूत रखता है, इसलिए योग को अपनी जीवनचर्या में शामिल करना चाहिए। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग ने संपूर्ण विश्व में एक नई पहचान और गौरव हासिल किया है। भाजपा प्रदेश

अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति और निरोग रहने का पारंपरिक तरीका है, इसलिए नियमित योग करें और निरोग भी रहें। उन्होंने कहा कि यह दिन दुनिया को यह याद दिलाता है कि वसुधैव कुटुंबकम की भावना से मानवता को एक सूत्र में बांधा जा सकता है।

अधिकारी और कर्मचारी योग के लिए समय निकालें : रस्तोगी

चंडीगढ़, 21 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग़ रस्तोगी ने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रतिदिन सुबह योग अथवा सैर के लिए अवश्य समय निकालना चाहिए ताकि वे मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। मुख्य सचिव 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हरियाणा सिविल सचिवालय चंडीगढ़ के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए आज यहां हरियाणा निवास में आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित कर रहे थे। अनुराग़ रस्तोगी ने कर्मचारियों एवं अधिकारियों को योग करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि योग करने से असीम शक्ति एवं ऊर्जा मिलती है। इससे कार्यालय में काम करने की क्षमता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग से स्वास्थ्य ठीक रहता है और घर-परिवार में सुख समृद्धि आती है।

कुरुक्षेत्र में सीएम नायब सैनी ने किया योगाभ्यास

कुरुक्षेत्र/नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का शुभारंभ हो चुका है। देश से लेकर विदेशों तक में लोग योगासन करते देखे जा सकते हैं। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, राज्यपाल बंदारू दत्तात्रेय, सांसद नवीन जिंदल और अन्य लोगों ने योग गुरु स्वामी रामदेव के मार्गदर्शन में योगाभ्यास करते दिखे। सभी कुरुक्षेत्र के ब्रह्म सरोवर पर जुटे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देशवासियों को विशेष दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की प्रदेश वासियों एवं सभी योग साधकों को हार्दिक बधाई! भारत की ऋषि परम्परा के अमूल्य उपहार योग ने विश्व को मानसिक, आध्यात्मिक और शारीरिक उन्नयन की राह दिखाई है। आइए, योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वस्थ समाज के निर्माण में सहभागी बनें। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की शुरुआत से पहले इसरो ने एक्स पोस्ट में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम के तहत इसरो ने अपनी भागीदारी की घोषणा करते हुए कहा, एक इंसान के स्वास्थ्य और पृथ्वी की देखभाल के बीच गहरा संबंध है। मानसिक और शारीरिक संतुलन भी जरूरी है।

वहीं, न्यूयॉर्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने टाइम्स स्क्वायर जैसे दुनिया के प्रतिष्ठित चौराहे पर एक जीवंत योग सत्र का आयोजन किया! स्वास्थ्य और एकता के इस उत्साहवर्धक उत्सव में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। इसरो ने सभी लोगों से योग अपनाने की अपील की ताकि स्वस्थ जीवन, मजबूती और एक सतत भविष्य की दिशा में हम मिलकर आगे बढ़ सकें।

बता दें, देशभर में एक लाख से अधिक स्थानों पर सामूहिक योग प्रदर्शन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में राष्ट्रीय कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे। योग संगम के तहत सुबह 6:30 से 7:45 बजे तक देशभर के एक लाख से ज्यादा स्थलों पर कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार लोग सामूहिक रूप से योग करेंगे। प्रधानमंत्री के अलावा, इस मौके पर सरकार की तरफ से 10 खास कार्यक्रमों की भी घोषणा की गई है जो योग को जन-जन तक पहुंचाने में मददगार साबित होंगे। पिछले 11 सालों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वैश्विक आयोजन बन चुका है। भारत ने विश्व को योग की जीवनशैली से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है।

दक्षिण कन्नड़ में पिछले साल की तुलना में बारिश दोगुनी हुई

मूडबिद्री, मुल्की में सबसे अधिक बारिश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में पिछले सप्ताह (11 से 18 जून) रिकॉर्ड बारिश हुई है, पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में बारिश लगभग दोगुनी हो गई है। पिछले साल इस सप्ताह के दौरान 242.2 मिमी बारिश दर्ज की गई थी, जबकि इस साल जिले में 473.1 मिमी बारिश हुई है। मूडबिद्री और मुल्की तालुकों में सबसे अधिक बारिश हुई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के अनुसार, मूडबिद्री में पिछले सात दिनों में 622.9 मिमी

बारिश दर्ज की गई, जबकि पिछले साल 267.1 मिमी बारिश हुई थी। मुल्की में 309.1 मिमी से बढ़कर 594.2 मिमी बारिश हुई। बेल्टांगडी और बंटवाल में भी काफी बारिश हुई, प्रत्येक में लगभग 530 मिमी बारिश दर्ज की गई। जिले के सभी तालुकों में पिछले साल की तुलना में लगभग दोगुनी बारिश हुई है। 1 अप्रैल से 31 मई के बीच, जिले में कुल 82 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, और 705 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। बंटवाल तालुक में सबसे अधिक 34 घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि उल्लाल में 17 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

आंशिक क्षति के मामले में, बेल्टांगडी में 129 घर, पुत्तुर में 125, बंटवाल में 108 और मेंगलूरु में 90 घर प्रभावित हुए हैं। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त 705 घरों में से 677 को पहले ही मुआवजा मिल चुका है। पुत्तुर में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त 24 घरों के लिए राहत कार्य अभी भी लंबित है। इस मौसम में, जिले भर में 37 पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पंचायत राज इंजीनियरिंग डिवीजन के तहत पिछले साल मानसून के दौरान क्षतिग्रस्त हुए कई पुलों की मरम्मत अभी भी नहीं की गई है। जबकि अब उनमें से चार पुलों के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है, 19 और पुलों की मरम्मत के लिए प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए गए हैं। हालांकि, अधिकारियों को बारिश के मौसम के खत्म होने से पहले काम शुरू करने पर संदेह है, भले ही धनराशि जारी हो जाए। अकेले बेल्टांगडी तालुक में, 438 घरों की पहचान संवेदनशील क्षेत्रों में की गई है। जिला प्रशासन रेड अलर्ट जारी होने पर इन घरों से लोगों को राहत केंद्रों या उनके रिश्तेदारों के घरों में स्थानांतरित कर रहा है। थोड़े समय में हुई भारी बारिश के कारण पूरे जिले में नुकसान बढ़ गया है। घरों और बुनियादी ढांचे को हुए व्यापक नुकसान के बावजूद, जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राहत कोष की कोई कमी नहीं है। सभी नौ तालुक-स्तर के तहसीलदारों के पास अपने-अपने पीडी खातों में पर्याप्त धनराशि है। दक्षिण कन्नड़ में मौजूदा आपदा आंकड़ों के अनुसार, कुल 1,992 घरों की पहचान संवेदनशील क्षेत्रों के रूप में की गई है। जिले में 92 बाढ़ प्रभावित क्षेत्र और 88 भूस्खलन-प्रवण स्थान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, भारी बारिश के कारण 145 सरकारी इमारतों और प्राथमिक विद्यालयों को नुकसान पहुंचा है।

अगर थोड़ी भी गरिमा है तो आवास विभाग में हो रही गड़बड़ियों की जांच कराएं: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया में थोड़ी भी गरिमा या सार्वजनिक जीवन में कम से कम सम्मान है तो उन्हें आवास विभाग में हो रही गड़बड़ियों की जांच का आदेश देना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस विधायक बी.आर. पाटिल ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि आवास विभाग में मकान आवंटन के लिए लाभार्थियों को पैसे देने पड़ते हैं। उन्होंने पूछा कि रिश्वतखोरी के लिए और क्या सबूत चाहिए। बिना रिश्वत दिए आवास विभाग में मकान नहीं मिल सकता। विधायकों ने इस बारे में बात की है, ऑडियो भी है। यह तो सिर्फ एक नमूना है, अगर मकान चाहिए तो रिश्वत दीजिए, अगर सीएम में जरा भी सम्मान है, अगर उनकी जरा भी

गरिमा है तो उन्हें तुरंत जांच के लिए इसे प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने फटकार लगाते हुए कहा कि कोई बहाना बनाने की जरूरत नहीं है। सत्तारूढ़ पार्टी खुद ही सत्ताधारी पार्टी पर आरोप लगा रही है।

यह भ्रष्ट सरकार है, 60 फीसदी वाली सरकार है। खान विभाग में भी लूट हो रही है। सभी विभागों में अवैधानिकता हो रही है। कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने जो पत्र लिखा है, वह इसका सबूत है। कांग्रेस के विधायक मुंह खोलेंगे तो यह सरकार तीन दिन भी नहीं टिकेगी। रिश्वत का एक मामला घर जाने के लिए काफी है, अगर इसकी जांच हो जाए तो सरकार बर्खास्त हो जाएगी। सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों में रिश्वतखोरी है, कितने अधिकारियों को फांसी पर चढ़ाओगे? सिर्फ नाटकीय बयानबाजी की जरूरत नहीं है। उन्होंने गरीबों को लूटने वाली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि इसे हटा देना चाहिए। मुसलमानों के लिए 15 फीसदी आवास आरक्षण के मुद्दे पर आवास मंत्री जमीर के स्पष्टीकरण का जवाब देते हुए अशोक ने कहा कि जमीर को गलती छिपाने के लिए कुछ नहीं कहना चाहिए। अगर केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के कार्यकाल में कैबिनेट उपसमिति ने यह फैसला लिया है तो इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि गलतियों को छिपाने के लिए कुछ भी कहना उचित नहीं है तथा इसकी जांच होनी चाहिए।

भतीजे ने सगे चाचा को मारी गोली, मौके पर हुई मौत

पटना/एजेंसियां। पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र में शनिवार को दिनदहाड़े रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली वारदात हुई। एक युवक ने अपने सगे चाचा की गोली मारकर हत्या कर दी।

मृतक की पहचान सूरज यादव के रूप में हुई है। वारदात को अंजाम उनके ही भतीजे झुनझुन यादव उर्फ सतेंद्र यादव ने दिया, जो मौके से फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सूरज यादव घर में रंगाई-पुताई का काम करवा रहे थे। उसी दौरान झुनझुन घर में आया और चाचा पर तंज कसते हुए बोला कि चाचा जी, खूब तरक्की हो रही है। इसके बाद वह

कमरे में गया और पिस्टल निकालकर सूरज यादव के सिर और चेहरे पर गोली चला दी। मौके पर ही सूरज यादव की मौत हो गई।

भागते समय आरोपी ने मोहल्ले के अन्य लोगों पर भी फायरिंग की, जिससे अफरा-तफरी मच गई। कई लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही पूर्वी एसपी परिचय कुमार और कंकड़बाग थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे। एसपी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि हत्या आरोपी झुनझुन यादव ने की है, जो नशे का आदी है और पहले भी परिवार में झगड़े करता रहा है। यहां तक कि उसने पूर्व में सूरज यादव की पत्नी पर भी हमला किया था। मृतक की बेटी लवली कुमारी ने बताया कि वह अपने पिता के साथ घर पर थी। उसी दौरान यह घटना हुई। वारदात के बाद घर में कोहराम मच गया है। पत्नी और बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने बताया कि सूरज यादव की हत्या पारिवारिक विवाद के कारण हुई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उसके संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

प्रियांक खड़गे को अमेरिका जाने की अनुमति मिली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मंत्री प्रियांक खड़गे की अमेरिका यात्रा को हरी झंडी मिल गई है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर अमेरिका की आधिकारिक यात्रा की अनुमति न दिए जाने पर स्पष्टीकरण मांगने के दो दिन बाद केंद्र ने उन्हें अमेरिका जाने की अनुमति दे दी है। खड़गे 14 जून से 27 जून तक अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले थे। उनसे बोस्टन बायो 2025 और इस साल सैन फ्रांसिस्को में होने वाले डिजाइन ऑटोमेशन कॉन्फ्रेंस में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की उम्मीद थी। जब उन्हें अनुमति नहीं दी गई, तब खड़गे फ्रांस में थे।

वहां से लौटने के बाद उन्होंने जयशंकर को दो पन्नों का पत्र लिखकर बताया कि उनकी यात्रा का उद्देश्य सहयोग को मजबूत करना, निवेश आकर्षित करना

और कर्नाटक के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। एक कैबिनेट मंत्री और दुनिया के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी समूहों में से एक के प्रभारी द्वारा बिना स्पष्टीकरण के ऐसी आधिकारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने से इनकार करना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने पत्र में लिखा कि यह न केवल राज्य के हितों के खिलाफ है, बल्कि सहकारी संघ की भावना को भी कमजोर करता है। उन्हें अमेरिका जाने की अनुमति दी गई है, क्योंकि उन्हें मंत्रालय से अमेरिका यात्रा से इनकार के बारे में कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है और भविष्य में इस तरह की यात्रा का आकलन और योजना बनाना मुश्किल होगा। जब अमेरिका यात्रा में कुछ ही दिन बचे हैं, तो आखिरी समय में अनुमति में देरी करने का क्या उद्देश्य है? अपने सोशल मीडिया पर इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने अमेरिका यात्रा के लिए पूर्व अनुमति के घटनाक्रम को समझाया। मंत्री और प्रतिनिधिमंडल की अमेरिका यात्रा के लिए आवेदन 15 मई को केंद्र सरकार को सौंपा गया था। आवेदन 4 जून को खारिज कर दिया गया। अधिकारियों की नियुक्ति के लिए आवेदन 6 जून को दाखिल किया गया और 11 जून को मंजूर किया गया। केओनिक्स के चेयरमैन ने कहा कि 12 जून को दाखिल आवेदन को महज दो दिन में मंजूरी दे दी गई। लेकिन बिना उचित स्पष्टीकरण के उनके आवेदन को खारिज कर दिया गया। 19 जून को जब उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और केंद्र सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाए और पर्याप्त स्पष्टीकरण दिया, तो सारी बातें सामने आ गईं। उसी दिन विदेश मंत्रालय ने अनुमति देने से इनकार करने के अपने पहले के फैसले को वापस ले लिया और उन्हें विदेश यात्रा की अनुमति दे दी। उनके मूल आवेदन को 36 दिनों तक रोक कर रखा गया था। 15 दिनों के बाद अनुमति देने से इनकार कर दिया गया। यात्रा से 5 दिन पहले अनुमति दी गई। उन्होंने कहा कि इससे कुछ गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि पहले स्थान पर अनुमति क्यों नहीं दी गई। विवाद उजागर होने और चर्चा होने के बाद अनुमति देने का उद्देश्य क्या है? जब यात्रा करीब आ रही थी, तो तनावपूर्ण स्थिति में देर से अनुमति क्यों दी गई? खड़गे ने कहा कर्नाटक मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, नेशनल क्वांटम मिशन और इंडिया एआई मिशन जैसे केंद्र सरकार के नारों को पूरा करने के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहा है। इसके जरिए रोजगार सृजन और निवेश को उच्च प्राथमिकता दी गई है। हमें रोकने की कोशिश क्यों की जा रही है।

उपेंद्र कुशावाहा को लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर धमकी देने वाला निकला पूर्व सहयोगी, गिरफ्तार

पटना/एजेंसियां। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर जान से मारने की धमकी देने वाला व्यक्ति उनकी ही पार्टी का पूर्व कार्यकर्ता निकला। पटना पुलिस ने शनिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान राकेश कुमार के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के सीवान जिले का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार, राकेश कुमार कुछ समय पहले तक उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी से जुड़ा हुआ था। बताया जा रहा है कि वह कुशवाहा के हालिया किसी राजनीतिक बयान से नाराज

था। इसी नाराजगी के चलते उसने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम का इस्तेमाल कर उन्हें धमकी दी।

उल्लेखनीय है कि बीते गुरुवार को उपेंद्र कुशवाहा को दो अलग-अलग मोबाइल नंबरों से लगातार सात धमकी भरे कॉल और एक मैसेज मिला था। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए इस बात की जानकारी साझा की और पटना के एसएसपी से मामले में कार्रवाई की मांग की थी। धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए चेतावनी दी थी कि यदि कुशवाहा एक खास राजनीतिक दल के खिलाफ बयानबाजी जारी रखते हैं तो उन्हें 10 दिन के भीतर अंजाम भुगतना पड़ेगा। पटना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू की और 48 घंटे के भीतर आरोपी राकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि आरोपी का लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कोई वास्तविक संबंध नहीं है। उसने केवल डर पैदा करने के लिए उस नाम का इस्तेमाल किया था।

फिलहाल पुलिस राकेश कुमार से पूछताछ कर रही है और उसके खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

चारपाई से गिरने से हुई बच्चे की मौत, तांत्रिक महिला ने किया जिंदा करने का दावा

पटना/एजेंसियां। पश्चिम चंपारण बगहा अनुमंडल के खैर पोखरा गांव में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां अंधविश्वास के चलते एक मृत बालक का शव दोबारा कब्र से बाहर निकाल लिया गया। मामला शुक्रवार का है, जब गांव के सुखदेव पटेल के 12 वर्षीय पुत्र संदीप कुमार की चारपाई से गिरने के कारण मौत हो गई। परिजन उसे तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल, बगहा लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार शव को गांव में ही दफनाया गया। लेकिन शनिवार को मामला अंधविश्वास की ओर मुड़ गया। गांव में ज्ञानती देवी नामक एक तांत्रिक महिला पहुंची और दावा किया कि वह मृत बालक को दोबारा जीवित कर सकती है। शोकाकुल परिजन उसकी बातों में आ गए। ग्रामीणों की मदद से बच्चे का शव फिर से कब्र से बाहर निकाला गया। इसके बाद तांत्रिक महिला ने शव को जमीन पर रखकर उसके चारों ओर एक रेखा खींची, अगरबत्तियां जलाईं और मंत्रोच्चार शुरू कर दिया। उसने सरसों के दाने समेत अन्य तांत्रिक वस्तुएं शव पर फेंकीं। यह दृश्य देखने के लिए आसपास के गांवों से भारी भीड़ उमड़ पड़ी। यहां तक कि रेलवे ट्रैक पर भी लोग पहुंच गए, जिससे रेल यातायात भी प्रभावित हुआ। भीड़ में मौजूद किसी ने भी इस अंधविश्वास पर सवाल नहीं उठाया। घटना की जानकारी मिलते ही बगहा थाना अध्यक्ष अनिल कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए शव को पुनः दफनाया और तांत्रिक महिला ज्ञानती देवी को हिरासत में ले लिया। हालांकि, महिला की गिरफ्तारी के विरोध में ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। स्थिति बिगड़ते देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा, जिसके बाद हालात काबू में आए। थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं समाज के लिए अत्यंत घातक हैं। अंधविश्वास और झूठे दावों से लोग खुद को और समाज को नुकसान पहुंचाते हैं। हमने तांत्रिक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। यह घटना केवल एक बच्चे की दुखद मौत तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह समाज में गहराई तक फैले अंधविश्वास की भयावह हकीकत को भी उजागर करती है। दुख की इस घड़ी में जब परिजनों को सहानुभूति और संवेदनशील सहयोग की जरूरत थी, तब तांत्रिक महिला ने उन्हें झूठी आशा देकर और पीड़ा दी। अब यह प्रशासन और समाज की संयुक्त जिम्मेदारी है कि ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई कर लोगों को जागरूक किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

शिक्षकों की मांगों को लेकर धरने पर बैठे एमएलसी

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां। परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ की ओर से शनिवार को जिला समाहरणालय परिसर स्थित धरना स्थल पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। इसमें जिले भर से सैकड़ों की संख्या में शिक्षक जुटे और अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। धरना स्थल पर शिक्षकों के साथ विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) वंशीधर बृजवासी भी शामिल हुए और सरकार पर जमकर हमला बोला। धरना दे रहे शिक्षकों ने बताया कि 19 जून 2025 को स्थानांतरण प्रक्रिया के बाद विद्यालय आवंटन की गई, लेकिन अब तक विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद नियोजित शिक्षकों को दो दशक बीत जाने के बाद भी प्रोन्नति का लाभ नहीं दिया जा रहा है। इससे शिक्षक समुदाय में गहरा आक्रोश है। उन्होंने मांग की कि विशिष्ट शिक्षक, विद्यालय शिक्षक, प्रधानाध्यापक और प्रधान शिक्षक के पदों पर नियुक्त शिक्षकों को सेवा की निरंतरता और पूर्ण वेतन संरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। धरना स्थल पर मौजूद एमएलसी वंशीधर बृजवासी ने कहा कि मैं शिक्षकों और बुद्धिजीवियों के समर्थन से इस सीट तक पहुंचा हूं। पूरे राज्य में शिक्षक अपनी समस्याओं को लेकर सड़क पर हैं, लेकिन सरकार संवेदनहीन बनी हुई है। बिहार में शिक्षकों की हालत मजदूरों जैसी कर दी गई है। प्रमोशन नहीं दिया जा रहा, निलंबन की तलवार लटक रही है, और स्थानांतरण में भारी गड़बड़ियां हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानांतरण में पारदर्शिता नहीं बरती गई। जो शिक्षक घर के पास तबादला चाहते थे, उन्हें 150 किलोमीटर दूर भेज दिया गया। यह कौन-सा सुशासन है? शिक्षक दवा मांग रहे थे, लेकिन उन्हें दर्द दे दिया गया। एमएलसी ने यह भी कहा कि बिहार के युवाओं को डोमिसाइल नीति की सख्त जरूरत है और ढ़ए 4 (शिक्षक बहाली परीक्षा) में डोमिसाइल लागू होना चाहिए। उन्होंने एनसीईआरटी की किताबें केवल कक्षा 6 से 8 तक लागू करने पर भी सवाल उठाया और मांग की कि राज्य में पहली से 12वीं तक सभी कक्षाओं में एनसीईआरटी की किताबें लागू की जाएं।

अदालती रोक के बाद विधायक रेड्डी के खिलाफ अयोग्यता आदेश वापस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक विधानसभा ने भाजपा विधायक जी जनार्दन रेड्डी के खिलाफ जारी अयोग्यता आदेश को वापस ले लिया है। अवैध खनन मामले में सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद उन्हें पहले अयोग्य घोषित किया गया था। तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा निचली अदालत के फैसले पर

रोक लगाए जाने के बाद अयोग्यता रद्द कर दी गई थी। विधानसभा के सूत्रों ने कहा कि यदि उच्च न्यायालय दोषसिद्धि पर रोक लगाता है या उसे पलट देता है, तो अयोग्यता आदेश को कानूनी रूप से वापस लिया जा सकता है।

चुनाव से पहले मंडलकारा का निरीक्षण करने पहुंचे जिला एवं सत्र न्यायाधीश

सीवान/एजेंसियां। आगामी चुनाव को लेकर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सीवान, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सीवान के सचिव द्वारा मंडल कारा (मॉडल जेल) का निरीक्षण किया गया। जेल में न्यायिक अधिकारियों के आगमन की सूचना मिलते ही बंदियों में हलचल मच गई। निरीक्षण के दौरान कारा की व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की गई। न्यायिक अधिकारियों ने महिला खंड में जाकर महिला बंदियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। इसके अलावा, कारा अस्पताल में इलाजरत बंदियों से मिलकर उनका हालचाल जाना और चिकित्सा व्यवस्था की समीक्षा की गई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने तरुण वार्ड, पुरुष वार्ड एवं वृद्ध वार्ड का भी निरीक्षण किया और बंदियों से बातचीत कर उनकी स्थिति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान न्यायिक टीम ने पाकशाला, लिगल एड क्लिनिक, अस्पताल, विभिन्न वार्डों एवं कार्यालयों का गहन निरीक्षण किया। न्यायाधीश ने कारा परिसर की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं पर संतोष जताया और जेल को सुधारगृह के रूप में विकसित करने हेतु जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान मंडल कारा के अधीक्षक, उपाधीक्षक, कारा चिकित्सक, सहायक अधीक्षक सहित अन्य कारा कर्मी भी मौजूद रहे। इस संबंध में जानकारी सीवान जेल अधीक्षक द्वारा प्रेस के माध्यम से दी गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com